गुरुत्व कार्यालय द्वारा प्रस्तुत मासिक ई-पत्रिका जुलाई- 2012

# गुरुत्व ज्योतिष

## स्वप्न फल विशेष

NON PROFIT PUBLICATION

FREE
E CIRCULAR

| गुरुत्व ज्योतिष पत्रिका जुलाई 2012 | |
|---|---|
| संपादक | चिंतन जोशी |
| संपर्क | गुरुत्व ज्योतिष विभाग<br>गुरुत्व कार्यालय<br>92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA) INDIA |
| फोन | 91+9338213418, 91+9238328785, |
| ईमेल | gurutva.karyalay@gmail.com,<br>gurutva_karyalay@yahoo.in, |
| वेब | http://gk.yolasite.com/<br>http://www.gurutvakaryalay.blogspot.com/ |
| पत्रिका प्रस्तुति | चिंतन जोशी, स्वस्तिक.ऎन.जोशी |
| फोटो ग्राफिक्स | चिंतन जोशी, स्वस्तिक आर्ट |
| हमारे मुख्य सहयोगी | स्वस्तिक.ऎन.जोशी (स्वस्तिक सोफ्टेक इन्डिया लि) |


| ई- जन्म पत्रिका | E-HOROSCOPE |
|---|---|
| अत्याधुनिक ज्योतिष पद्धति द्वारा<br>उत्कृष्ट भविष्यवाणी के साथ<br>कुल 150+ पेज में प्रस्तुत | Create By Advanced Astrology<br>Excellent Prediction<br>Total 150+ Pages |

हिंदी/ English में मूल्य मात्र 1050/-

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA,
BHUBNESWAR-751018, (ORISSA) INDIA
Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

अनुक्रम


## स्वप्न फल विशेष

| | | | |
|---|---|---|---|
| स्वप्न शकुन से संबंधित विशेष सूचना | 6 | स्वप्न की अशुभता निवारण हेतु सरल उपाय | 16 |
| स्वप्न ज्योतिष | 7 | तिथियों से स्वप्न फल का समय निर्धारण | 17 |
| स्वप्न द्वारा जाने धनप्राप्ति के योग | 8 | स्वप्न से रोग एवं मृत्यु के संकेत | 20 |
| विवाह से संबंधित स्वप्न | 9 | वर्णमाला के अनुशार स्वप्न फल विचार | 23 |
| स्वप्न और रोग | 11 | स्वप्न में देवी-देवता के दर्शन | 60 |
| स्वप्न में रत्न दर्शन | 12 | भगवान महावीर की माता त्रिशला के 16 अद्भुत स्वप्न | 61 |
| स्वप्न से संबंधित पौराणिक मत | 13 | गुरु पुष्यामृत योग | 64 |

## हमारे उत्पाद

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंत्र सिद्ध दुर्लभ सामग्री | 7 | सरस्वती कवच और यंत्र | 43 | मंत्रसिद्ध लक्ष्मी यंत्रसूचि | 67 | राशी रत्न एवं उपरत्न | 74 |
| शादी संबंधित समस्या | 11 | भाग्य लक्ष्मी दिब्बी | 50 | मंत्र सिद्ध दैवी यंत्र सूचि | 67 | शनि पीड़ा निवारक | 80 |
| कनकधारा यंत्र | 15 | मंत्रसिद्ध स्फटिक श्री यंत्र | 55 | राशि रत्न | 68 | मंगलयंत्र से ऋण मुक्ति | 83 |
| द्वादश महा यंत्र | 17 | दुर्गा बीसा यंत्र | 57 | मंत्र सिद्ध रूद्राक्ष | 69 | पढ़ाई संबंधित समस्या | 85 |
| मंत्र सिद्ध मूंगा गणेश | 18 | गणेश लक्ष्मी यंत्र | 58 | श्रीकृष्ण बीसा यंत्र/ कवच | 70 | सर्व रोगनाशक यंत्र/ | 90 |
| सर्व कार्य सिद्धि कवच | 19 | पुरुषाकार शनि यंत्र | 62 | राम रक्षा यंत्र | 71 | मंत्र सिद्ध कवच | 92 |
| संपूर्ण जन्म कुंडली परामर्श | 20 | नवरत्न जड़ित श्री यंत्र | 65 | जैन धर्मके विशिष्ट यंत्र | 72 | YANTRA | 93 |
| धन वृद्धि डिब्बी | 40 | श्री हनुमान यंत्र | 66 | अमोद्य महामृत्युंजय कवच | 74 | GEMS STONE | 95 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| क्या आपके बच्चे कुसंगती के शिकार हैं? | 24 | घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र | 73 |
| पति-पत्नी में कलह निवारण हेतु | 26 | मंत्र सिद्ध वाहन दुर्घटना नाशक मारुति यंत्र | 66 |
| प्रश्न कुण्डली से स्टिक उत्तर प्राप्त किजिए | 59 | मंत्र सिद्ध सामग्री- | 83,84,85 |

## स्थायी और अन्य लेख

| | | | |
|---|---|---|---|
| संपादकीय | 4 | दिन-रात के चौघडिये | 87 |
| मासिक राशि फल | 75 | दिन-रात कि होरा - सूर्योदय से सूर्यास्त तक | 88 |
| जुलाई 2012 मासिक पंचांग | 79 | ग्रह चलन जुलाई -2012 | 89 |
| जुलाई-2012 मासिक व्रत-पर्व-त्यौहार | 81 | सूचना | 97 |
| जुलाई 2012 -विशेष योग | 86 | हमारा उद्देश्य | 99 |
| दैनिक शुभ एवं अशुभ समय ज्ञान तालिका | 86 | | |

# संपादकीय

प्रिय आत्मिय

बंधु/ बहिन

जय गुरुदेव

भारतीय प्राचीन शास्त्रोक्त मान्यताओं के अनुशार स्वप्नों की उत्पत्ति का संबंध व्यक्ति के पूर्वजन्म, छिपी हुई महत्वकांक्षाओं तथा ईश्वरीय प्रेरणा से होता है, वहीं पाश्चात्य देशों के जानकार ने अपने शोध एवं अनुसंशान के आधर पर स्वप्नों का मुख्य कारण व्यक्ति की  छिपी हुई तथा अपूर्ण इच्छाओं, कामवासनाओं तथा वर्तमान परिस्थितियों के अनुरुप माना है। सरल भाषा में हन समझे तो स्वप्न वह हैं जो सोते समय व्यक्ति को हो होने वाली अनुभूतियां होती हैं, स्वप्न देखते समय अंतर मन में होने वाले अनुभवो को आधुनिक विज्ञान से जुडे लोग भ्रम से जोडते हैं तो कुछ भारतीय परंपरा और शास्त्रों की सत्यता को स्वीकार करने वाले लोग स्वप्न को व्यक्ति के वर्तमान काल, भूतकाल तथा भविष्यकाल से जोडते हैं क्योकी विद्वानो के मत से स्वप्न में कुछ ना कुछ एसी समानता होती हैं, जो व्यक्ति के व्यक्तिगत या समाजीक जीवन को निश्चित रुप से प्रभावित करती हैं।

स्वप्न क्यों आते हैं? यह जानने का प्रयास करने पर यह ज्ञात होता हैं की जब रात नीरवता हो या दिन में शांति का वातावरण हो, तब मनुष्य का अवचेतन मन शिथिल हो जाता हैं, जब मनुष्य की चेतना शक्ति शिथिल हो जाती हैं तो वह उत्तेजना रहित होता हैं तब मनुष्य का मन स्वभावीक रुप से अपने जीवन में भूत-भविष्य आदि में घटित होने वाले घटना क्रमों को देखने की क्षमता अर्जित कर लेता हैं। व्यक्ति की इस अद्भुत क्षमता के कारण ही प्रकृति समय-समय पर उसे शुभ-अशुभ संकेतों के माध्यम से उसे अवगत करने का प्रयास करती हैं। इसी लिए विद्वानो का कथन हैं की स्वप्न हमेंशा निराधार, निरर्थक व निरुद्देश्य नहीं होते हैं, अनेको बार इन स्वप्नों में महत्वपूर्ण व प्रेरणादायक संकेत निहित होते हैं, सिर्फ आवश्यक्ता हैं उन संकेतो को विस्तार से समझने की। इतिहास भी इस बात का गवाह हैं की अबतक हुए अनुशंधान में हमारे समक्ष अनेको उदाहरण आते रहे हैं की स्वप्न में किसी व्यक्ति विशेष को अनेकों बार गूढ रहस्यमय संकेत छूपे मिले व कई बार यह स्वप्न उनके भविष्य की महत्वपूर्ण घटनाओं के सूचक भी रहे हैं।

स्वप्न के विषय में अब तक हुवे वैज्ञानिक अनुसंधानो के आधर पर अबतक सामने आये परिणामों से यह बात स्पष्ट हो गयी हैं की अधिकतर स्वप्न में हम वही देखते हैं जिस विषय पर हमारा मन-मस्तिष्क ज्यदा समय कल्पना करता रहता हैं प्राय: हमे वह सब घटनाए या विषय स्वप्न में दिखाइ देता हैं। कुछ जानकारों का मानना हैं की ज्यादातर हम स्वप्न के उन महत्व पूर्ण भागों को भूल जाते हैं जो हमारे जीवन के लिए विशेष अर्थ रखते हैं।

सोते समय देखे जाने वाले कुछ स्वप्न भविष्य के सूचक भी होते हैं। भारतीय शकुन शास्त्रों में इन स्वप्नों के शुभ-अशुभ प्रभावों के बारे में सविस्तार उल्लेखित किया गया है।

भारतीय मान्याता के अनुशार ज्यादातर ब्रह्म मुहूर्त में जो स्वप्न देखे जाते हैं, वह सच होते हैं या हमारे भविष्य

में होने वाली घटनाओं के पूर्व आभास की सूचना प्रदान करते हैं। यहीं कारण हैं की हजारों वर्ष पूर्व हमारे विद्वान ऋषी-मुनियों एवं आचार्यों नें यह बात सिद्ध कर दि थी की अधिकतर स्वप्न मनुष्य की छिपी हुई इच्छाओं का प्रतिबिंब या परिणाम होते हैं। इस बात को आज के आधुनिक युग के विद्वान एवं वैज्ञानिक भी मानते हैं।

हजारों वर्ष पूर्व ही हमारे विद्वान ऋषी-मुनियों ने अपने योग बल एवं शोध से यह भी ज्ञात कर लिया था की स्वप्न में व्यक्ति के जीवन से जुड़े गूढ रहस्य जो प्रत्यक्ष और परोक्ष संकेत के रुप में छिपे होते हैं। विद्वानों का कथन हैं की यदि स्वप्नों को अच्छि तरह से समझकर उनका सूक्ष्म अध्ययन किया जाए तो उससे अनेक प्रकार के लाभ व्यक्ति को निःसंदेह ही प्राप्त हो सकता हैं। क्योकि स्वप्न में दिखाई देने वाले दृश्यों से शुभ-अशुभ दोनों तरह के संकेत प्राप्त होते हैं, यह संकेत स्वप्न दृष्टा व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं से जुडे हो सकते हैं। कुछ ग्रंथकारों ने स्वप्न फल के निर्णय करने में तिथियों का विशेष महत्व बताया है। विद्वानो के मतानुसार अलग-अलग तिथियों और पक्ष में स्वप्न फल की प्राप्ति के रहस्य छिपे होते हैं। इन रहस्यों से यह ज्ञात किया जा सकता हैं की व्यक्ति को स्वप्न फल की प्राप्ति शीघ्र होगी या विलंब से होगी यह ज्ञात किया जा सकता हैं।

भविष्य से जेड़े अशुभ स्वप्न में व्यक्ति को यदि आने वाले समय में उसके उपर कोई आपत्ति-विपत्ति या रोग आदि के आगमन की आशंका हो और उसका संकेत यदि व्यक्ति को स्वप्न के माध्यम से प्राप्त हो जाये तो वह उस संकट से सावधान हो सकता हैं और किसी बड़े खतरे या अनहोनी से बच सकता हैं या उसकी अशुभता में कमी ला सकता हैं। भारतीय विद्वानों नें अशुभ स्वप्नों की अशुभता को दूर करने से लेकर शुभ स्वप्नों की शुभता में वृद्धि करने वाले सरल उपायों खोज निका हैं, जिससे इस सामन्य व्यक्ति को विशेष लाभ की प्राप्ति हो सकें।

प्राचीन भारतीय धर्मग्रंथो में स्वप्न शकुन के महत्व को समझते हुवे सैकड़ों ग्रंथो की रचना की हैं। जिसके माध्यम से मनुष्य के भूत, भविष्य और वर्तमान से संबंधित स्वप्नों का उत्तर प्राप्त किये जा सकते हैं। स्वप्न शकुन का फलादेश करते समय कुछ महत्व पूर्ण बातों का ख्यात रखना अति आवश्यक हैं जिनमें से कुछ का संकलन इस अंक में आपके मार्गदर्शन हेतु किया गया हैं।

## पाठकों के मार्गदर्शन के लिये स्वप्न फल विशेषांक कि प्रस्तुति कि गई हैं।

सभी पाठको के मार्गदर्शन या ज्ञानवर्धन के लिए स्वप्न फल से संबंधित विभिन्न उपयोगी जानकारी इस अंक में विभिन्न ग्रंथो एवं निजी अनुभवो के आधार पर संकलित की गई हैं। जानकार एवं विद्वान पाठको से अनुरोध हैं, यदि स्वप्न फल से संबंधित विषय में समय, स्थान, वस्तु, स्थिति इत्यादि के संकलन, प्रमाण पढ़ने, संपादन में, डिजाईन में, टाईपींग में, प्रिंटिंग में, प्रकाशन में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसे स्वयं सुधार लें या किसी योग्य जानकार या विद्वान से सलाह विमर्श कर ले। क्योकि जानकार स्वप्न फल कथन करने वाले एवं विद्वानो के निजी अनुभव व विभिन्न ग्रंथो में वर्णित स्वप्न फल से संबंधित जानकारीयों में एवं विद्वानो के स्वयं के अनुभवो में भिन्नता होने के कारण स्वप्न फल का विचार करते समय स्वप्न काल की स्थिति इत्यादि के स्टिक फल के निर्णय में भिन्नता संभव हैं।

**अपना सहयोग बनाएं रखे हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं.....**

**चिंतन जोशी**

## ***** स्वप्न शकुन से संबंधित विशेष सूचना *****

- पत्रिका में प्रकाशित स्वप्न शकुन से सम्बन्धित सभी जानकारीयां गुरुत्व कार्यालय के अधिकारों के साथ ही आरक्षित हैं।
- स्वप्न शकुन शास्त्र पर अविश्वास रखने वाले व्यक्ति स्वप्न शकुन के विषय को मात्र पठन सामग्री समझ सकते हैं।
- स्वप्न शकुन का विषय शास्त्रोक्त होने के कारण इस अंकमें वर्णित सभी जानकारीया भारतिय शकुन शास्त्रों से प्रेरित होकर लिखी गई हैं।
- स्वप्न शकुन से संबंधित विषयो कि सत्यता अथवा प्रामाणिकता पर किसी भी प्रकार कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं।
- स्वप्न शकुन से संबंधित भविष्यवाणी कि प्रामाणिकता एवं प्रभाव कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं और ना हीं प्रामाणिकता एवं प्रभाव कि जिन्मेदारी के बारे में जानकारी देने हेतु कार्यालय या संपादक किसी भी प्रकार से बाध्य हैं।
- स्वप्न शकुन से संबंधित लेखो में पाठक का अपना विश्वास होना आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति विशेष को किसी भी प्रकार से इन विषयो में विश्वास करने ना करने का अंतिम निर्णय उनका स्वयं का होगा।
- स्वप्न शकुन से संबंधित पाठक द्वारा किसी भी प्रकार कि आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।
- स्वप्न शकुन से संबंधित लेख शकुन शास्त्र के प्रामाणिक ग्रंथो, हमारे वर्षो के अनुभव एव अनुशंधान के आधार पर दि गई हैं।
- हम किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा स्वप्न शकुन पर विश्वास किए जाने पर उसके लाभ या नुक्शान की जिन्मेदारी नहिं लेते हैं। यह जिन्मेदारी स्वप्न शकुन पर विश्वास करने वाले या उसका प्रयोग करने वाले व्यक्ति कि स्वयं कि होगी।
- क्योकि इन विषयो में नैतिक मानदंडों, सामाजिक, कानूनी नियमों के खिलाफ कोई व्यक्ति यदि नीजी स्वार्थ पूर्ति हेतु स्वप्न शकुन का प्रयोग कर्ता हैं अथवा स्वप्न शकुन का सूक्ष्म अध्ययन करने मे त्रुटि रखता हैं या उससे त्रुटि होती हैं तो इस कारण से प्रतिकूल अथवा विपरित परिणाम मिलने भी संभव हैं।
- स्वप्न शकुन से संबंधित जानकारी को मानकर उससे प्राप्त होने वाले लाभ, हानी कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये स्वप्न शकुन पर आधारित लेखों में वर्णित जानकारी को हमने सैकडोबार स्वयं पर एवं अन्य हमारे बंधुगण ने भी अपने नीजी जीवन में अनुभव किया हैं। जिस्से हम अनेको बार स्वप्न शकुन के आधार पर स्टिक उत्तर की प्राप्ति हुई हैं। अधिक जानकारी हेतु आप कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

(सभी विवादो केलिये केवल भुवनेश्वर न्यायालय ही मान्य होगा।)

# स्वप्न ज्योतिष

✍ चिंतन जोशी

सोते समय व्यक्ति को हो होने वाली अनुभूतियों को स्वप्न कहा जाता हैं। स्वप्न देखते समय अंतर मन में होने वाले अनुभवो को कुछ लोग भ्रम से जोडते हैं तो कुछ इसे वर्तमान काल, भूतकाल तथा भविष्यकाल से जोड कर व्यक्ति के जीवन के साथ जोडने का कार्य अनादिकाल से चला आ रहा हैं। क्योकी विद्वानो के मत से स्वप्न में कुछ ना कुछ एसी समानता होती हैं, जो व्यक्ति के व्यक्तिगत या समाजीक जीवन से मेल खाती हैं।

हमारा मस्तिष्क ज्यदा समय तक जिस विषय की कल्पना करता रेहता हैं प्राय: हमे वह सब स्वप्न में दिखाइ देता हैं। एवं ज्यादातर हम स्वप्न के उन महत्व पूर्ण भागों को भूल जाते हैं जो हमारे जीवन के लिए विशेष अर्थ रखते हैं।

सोते समय देखे जाने वाले कुछ स्वप्न भविष्य के सूचक भी होते हैं। भारतीय शकुन शास्त्रों में इन स्वप्नों के शुभ-अशुभ प्रभावों के बारे में सविस्तार उल्लेखित किया गया है।

भारतीय मान्याता के अनुशार ज्यादातर ब्रह्म मुहूर्त में जो स्वप्न देखे जाते हैं, वह सच होते हैं या हमारे भविष्य में होने वाली घटनाओं के पूर्व आभास की सूचना प्रदान करते हैं।

स्वप्न मे देखए गये विषयो के शुकन-अपशुकन के बारे मे कोई ठोस प्रमाण नहीं होने के उपरांत शकुन शास्त्रों में अनेक प्रकार के स्वप्नों की विस्तृत जानकारी देकर स्वप्न का अधिक महत्व बताया गया हैं। शास्त्र में वर्णित कई जानकारीया बहुउपयोगी होने पर भी उससे प्राप्त जानकारे से स्वप्न के बारे में सही विश्लेषण करना इतना आसान नहीं हैं क्योकी ज्यादातर ममलों मे व्यक्ति देखे गये स्वप्नो में से कुछ एक विषय को ही याद कर पाता हैं एवं बाकी के विषयों को वह सही फल जानने से पेहले ही समय के साथ भूला देता हैं। इस लिये स्वप्न के बारे ने विश्लेषण करना थोड़ा कठिन हो जाता हैं।

कुछ मनोवैज्ञानिक का मत हैं की स्वप्नों का हमारी वास्तविक अवस्था से कोई संबंध नहीं होता। लेकिन भारतीय विद्वानों के मतानुशार स्वप्नों का शुभ-अशुभ प्रभाव का हमारे जीवन पर निश्चित रुप से पड़ता हैं।

मंत्र सिद्ध दुर्लभ सामग्री

हत्था जोडी- Rs- 370
घोडे की नाल- Rs.351
माया जाल- Rs- 251
सियार सिंगी- Rs- 370
दक्षिणावर्ती शंख- Rs- 550
इन्द्र जाल- Rs- 251
बिल्ली नाल- Rs- 370
मोति शंख- Rs- 550
धन वृद्धि हकीक सेट Rs-251

GURUTVA KARYALAY
Call Us: 91 + 9338213418, 91 + 9238328785,
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

# स्वप्न द्वारा जाने धनप्राप्ति के योग

चिंतन जोशी

स्वप्न में देवी-देवता के दर्शन होने से धन लाभ के साथ सफलता दर्शाता है।
स्वप्न में गाय का दूध निकालना य निकालते देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
सफेद घोडे को देखना धन की प्राप्ति एवं उज्जवल भविष्य का संकेत है।
स्वप्न में नीलकण्ठ या सारस पक्षी को देखना धन लाभ एवं राज सम्मान कि प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में कदम्ब के वृक्ष को देखना धन प्राप्ति, स्वास्थ्य लाभ, राजसम्मान प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में कानों में बाली या धारण किये देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में नृत्य करती स्त्री/कन्या को देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में किसान को खेत में काम करते देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में मृत पक्षी को देखना आकस्मिक धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में जलता हुवा दीपक देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में स्वर्ण को देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में चूहों को देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में सफेद चीटियाँ देखना धन लाभ का संकेत है।
स्वप्न में काले बिच्छू को देखना धन लाभ का संकेत है।
स्वप्न में नेवले का को देखना हीरे-ज्वाहरात कि प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में मधुमक्खी का छत्ता देखना धन लाभ का संकेत है।
स्वप्न में सर्प को फन उठाये देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में हाथी को देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में महल को देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में तोते को खाते देखना प्रबल धन प्राप्ति के योग का संकेत है।
स्वप्न में अंगुली में अंगूठी पहनें हुवे देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में आम का बगिचा देखना आकस्मिक धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में सर्प को बिल के साथ देखना आकस्मिक धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में गाय के दर्शन होने से अत्यन्त शुभ होता हैं, व्यक्ति को यश, वैभव एवं परिवार वृद्धि से लाभ प्राप्त होती है।
स्वप्न में पर्वत और वृक्ष पर चढ़ते देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में गौ दुग्ध, घी, फल वाले वृक्ष देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
स्वप्न में आंवले और कमल को देखना धन प्राप्ति का संकेत है।

100 से अधिक जैन यंत्र

हमारे यहां जैन धर्म के सभी प्रमुख, दुर्लभ एवं शीघ्र प्रभावशाली यंत्र ताम्र पत्र, सिलवर (चांदी) ओर गोल्ड (सोने) मे उपलब्ध हैं।

हमारे यहां सभी प्रकार के यंत्र कोपर ताम्र पत्र, सिलवर (चांदी) ओर गोल्ड (सोने) मे बनवाए जाते है। इसके अलावा आपकी आवश्यकता अनुशार आपके द्वारा प्राप्त (चित्र, यंत्र, ड़िज़ाईन) के अनुरुप यंत्र भी बनवाए जाते है. गुरुत्व कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये सभी यंत्र अखंडित एवं 22 गेज शुद्ध कोपर(ताम्र पत्र)- 99.99 टच शुद्ध सिलवर (चांदी) एवं 22 केरेट गोल्ड (सोने) मे बनवाए जाते है। यंत्र के विषय मे अधिक जानकारी के लिये हेतु सम्पर्क करें।

GURUTVA KARYALAY

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

Visit Us: http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/

# विवाह से संबंधित स्वप्न

चिंतन जोशी

कुछ प्रकार के स्वप्न एक विशेष प्रकार का फल देते हैं। आपके मार्ग दर्शन के लिये ज्योतिष के ग्रंथो में उल्लेखित दांपत्य जीवन एवं प्रेम-प्रसंगों से सम्बंधित स्वप्न फल का विचार यहा दर्शाएं गएं हैं।

- स्वप्न शास्त्र के अनुसार नींद में दिखाई देने वाले सपनों से भी प्रेम विवाह होने या ना होने के संकेत प्राप्त होते हैं।
- लडकी का स्वप्न में किसी चिडिय़ा को चहचहाती हुई देखना प्रेम विवाह होने का संकेत हैं।
- लड़की का स्वप्न में स्वयं को बिस्तर पर चद्दर बिछाते हुए देखना किसी से जल्दी प्रेम होने का या अपना प्रेम विवाह होने का संकेत हैं
- स्वप्न में स्वयं को संगीत सुनते हुए देखना प्रेम संबंध में सफलता प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में सर्कस जेसी कलाबाजी देखना उसके प्रेम में कोई तीसरा व्यक्ति दखल देने का संकेत हैं।
- स्वप्न में प्रणय दृश्य देखना प्रेम संबंध में परेशानि आने के संकेत हैं।
- स्वप्न में हीरे-जवाहरात या हीरे के आभूषण उपहार में प्राप्त होते देखना दांपत्य जीवन में परेशानियां आसकती हैं।
- स्वप्न में सोने के आभूषण देखना समृद्ध परिवार में विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में बाजार में घुमते देखे देखना मनपसंद जीवन साथी प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शव देखना गृहस्थ जीवन में संकटों के आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को सुरंग में देखना प्रेम संबंध अथवा वैवाहिक जीवन परेशानियां आसकती हैं।
- स्वप्न में सुंदर कलाकारी वाले वस्त्र देखना सुंदर और सुशील जीवन साथी प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को नाचते देखना शीघ्र विवाह होने का और वैवाहिक सुख में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुंदर स्त्री की साड़ी देखना अपने प्रेम पात्र से शीघ्र मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुंदर लड़की से मस्ती करते देखना और लड़की को हंसते देखना भोग विलास प्राप्त होने का संकेत हैं।
- सपने में कपड़े खोलते देखना प्रेम और स्त्री सुख स्त्री सुख प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को शहद का सेवन करते देखना शीघ्र ही विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को हवाई जहाज चलाते हुए देखना विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को केला खाते देखना प्रेम एवं वैवाहिक जीवन के लिये अशुभ संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को कंगन पहनने देखना शीघ्र वैवाहिक बंधन में बंधने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को मंदिर अथवा पूजा स्थान पर पूजा-अर्चना करते देखना प्रेम विवाह में सफल होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में अपनो से संबंध टूटते देखना शीघ्र ही विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी भवन या महल से बाहर आते देखना सगाई टूट ने का संकेत हो सकता हैं।
- स्वप्न में अपने प्रेमी, पति-पत्नी को अन्य के साथ में अनैतिक संबंध बनाते देखना अच्छे चरित्र के जीवन साथी प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में अपने प्रेमी के साथ में फूलों के बगीचें में घूमते-फिरते देखना शीघ्र ही विवाह होने का और सुखी दांपत्य जीवन का संकेत हैं।

- स्वप्न में बैल को पानी पीता देखना दांपत्य जीवन में सफलता का संकेत हैं।
- स्वप्न में केवल बडे भवन अथवा बिल्ली को देखना प्रेम संबंधो में परेशानी आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी का विवाह होते देखना शीघ्र ही विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किमती आभूषण खोते देखना दांपत्य जीवन में परेशानी आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में नुकिले हथियार देखना पारिवारिक जीवन में क्लेश होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किमती में अंगूठी उपहारे में प्राप्त होते देखना शीघ्र ही विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में चमकते कपडे देखना मान सम्मान में वृद्धि एवं शीघ्र ही विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में करी खाते देखना विधवा या विधुर से विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में गुड्डे-गुडिया देखना शीघ्र ही विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में उडती तितली पास आते देखना प्रेम विवाह में सफलता का संकेत हैं।
- स्वप्न में उडती तितली दूर जाते देखना वैवाहिक जीवन में परेशानी संकेत हैं।
- स्वप्न में नीलकंठ देखना विवाह होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी को प्रेम प्रस्ताव रखते देखना शादी में विलंब होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में रंगबी-रंगे फूलों से भरा बगीचा देखना प्रेम विवाह में सफलता का संकेत हैं।
- स्वप्न में अपने शरीर पर भस्म लगाते देखना शीघ्र ही विवाह एवं गृहस्थ सुख में वृद्धि का संकेत हैं।
- स्वप्न में जलती मोमबत्ती देखना शीघ्र ही विवाह का संकेत हैं।
- स्वप्न में रसीले फल खाते देखना शीघ्र ही विवाह का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुपारी देखना शीघ्र ही विवाह का संकेत हैं।
- स्वप्न में हिरन देखना शीघ्र विवाह एवं धन लाभ का संकेत हैं।
- स्वप्न में केतली के फूल देखना दांपत्य जीवन सुख-शांति का संकेत हैं।


## असली 1 मुखी से 14 मुखी रुद्राक्ष

**गुरुत्व कार्यालय** में संपूर्ण प्राणप्रतिष्ठित एवं असली 1 मुखी से 14 मुखी तक के रुद्राक्ष उपलब्ध हैं। ज्योतिष कार्य से जुड़े बंधु/बहन व रत्न व्यवसाय से जुडे लोगो के लिये विशेष मूल्य पर रत्न, उपरत्न यंत्र, रुद्राक्ष व अन्य दुर्लभ सामग्रीयां एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। रुद्राक्ष के विषय में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क करें।

## विशेष यंत्र

हमारें यहां सभी प्रकार के यंत्र सोने-चांदि-ताम्बे में आपकी आवश्यक्ता के अनुशार किसी भी भाषा/धर्म के यंत्रो को आपकी आवश्यक डिजाईन के अनुशार २२ गेज शुद्ध ताम्बे में अखंडित बनाने की विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क करें।

**GURUTVA KARYALAY**
BHUBNESWAR-751018, (ORISSA), Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

# स्वप्न और रोग

चिंतन जोशी

- स्वप्न में यदि अमलतास के फूल दिखे तो पीलिया या कोढ़ का रोग होने की संभावना होती हैं।
- स्वप्न में यदि अंजन अर्थात काजल दिखे तो नेत्र रोग होने की संभावना होती हैं।
- स्वप्न में यदि अरहर खाते देखना पेट दर्द का सूचक हैं।
- स्वप्न में यदि अचार, पपीता, अरबी, कद्दू देखना सिर दर्द और पेट दर्द होने के संकेत हैं। यदि अपना पेट बढाहुआ नझर आये तो पेट से संबंधित परेशानी का सूचक हैं।
- स्वप्न में यदि अंग रक्षक दिखे तो गंभिर चोट लगने का खतरा होता हैं।
- यदि स्वप्न में जलती हुई अगरबत्ती, स्वयं को उड़ते, कोई कारखाना देखना आकस्मिक दुर्घटना का संकेत हैं।
- स्वप्न में यदि अंगारों पर चलते, आक का पौधा या फूल, फंसा हुआ चूहा, उड़ती हुई वाष्प देखना शारीरिक कष्ट होने के संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में किसी प्रकार की पुडिया बंधते, फूटी आँख दिखे तो यहं शारीरिक कष्ट में वृद्धि के संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में इष्ट मूर्ति चोरी दिखना मृत्युतुल्य कष्ट होने के संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में दिखे तो उपवन, कली, कम्बल, कसरत करते, पोशाक पहनना, रोटी खाना या पकाना, वासागर सूखता, छत्त से गिरते सांप, नकाब लगाते, गर्म पानी का झरना, पीले रंगका झंडा, दूल्हा /दुल्हन बारात, पंजीरी खाना, विषैले जीव, खाली खाट देखना बीमारी की पूर्व सूचना के संकेत हैं।
- चंचल आँखे देखना
- यदि स्वप्न में दिखे तो कंघी देखना दांत या कान में दर्द और आकस्मिक चोट लगने का संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में घर में आग, तराजू में तुलता सामान, बादाम खाता, हकीम-वैद्य, स्वयं को भूमि पर, मखमल पर बैठे, सोना, शरीर की मालिश, आईना, गीली वस्तु, दिखे तो बीमारी बढने के संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में सेवा करवाना, सोलह श्रृंगार, पीला रंग, पिजरा देखना, पालकी दिखे तो स्वास्थ्य खराब होने के लक्षण हैं।


## शादी संबंधित समस्या

क्या आपके लडके-लडकी कि आपकी शादी में अनावश्यक रूप से विलम्ब हो रहा हैं या उनके वैवाहिक जीवन में खुशियां कम होती जारही हैं और समस्या अधिक बढती जारही हैं। एसी स्थिती होने पर अपने लडके-लडकी कि कुंडली का अध्ययन अवश्य करवाले और उनके वैवाहिक सुख को कम करने वाले दोषों के निवारण के उपायो के बार में विस्तार से जनकारी प्राप्त करें।

GURUTVA KARYALAY

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

- यदि स्वप्न में अपना कद लम्बा दिखे या सूर्य चन्द्र आदि का विनाश होता दिखे तो मृत्युतुल्य कष्ट होने का संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में कमंडल दिखे तो परिवार के किसी सदस्य से वियोग होने का संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में पीले रंग की गाय या बैल देखना भयंकर महामारी आने के लक्षण हैं।
- यदि स्वप्न में गरम पानी देखना बुखार या अन्य बीमारी आने के लक्षण हैं।
- स्वप्न में आकाश, ध्रुव तारा, ग्रहण, सूर्य दर्शन और स्वर्ण दिखे तो शारीरिक कष्ट होने के संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में शरी रबडे से छोटा व छोटे से बडा होते दिखे, हाथ से चलना, जानवरों की तरह चलना, मनुष्य के स्थान पर पशु या पक्षी आवाज सुनना, जंगली पत्ते-घास खाते देखना स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से समुखिन होने का संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में कोई वस्तु फूटते देखना, चीर-फाड आधि दिखाई दे तो शल्यक्रिया अर्थात ऑपरेशन का संकेत हैं।

## स्वप्न और उत्तम स्वास्थ्य के संकेत

- यदि स्वप्न में अंगूर, अजवाईन, चूरन, सरसों का साग, सौंठ खाते देखना बिमारी से छुटकारा और स्वस्थ्य लाभ होने का संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में शरीरका कोई कटा अंग, खरोंच, खुजली, तालाब में तैरना, तोलिया, दवा का गिरना, दुपट्टा, देवी दर्शन, नमक, नीम का व्रक्ष, परी, प्रसाद बाँटना, बटुआ देखना, अपने भाई को देखना, यमराज देखना, हरें रंग के कपडे, शरबत देखना, क्षमा-दान करते, साबुन, हड्डी देखना रोग से छुटकारा मिलने का संकेत हैं।
- यदि स्वप्न में चूहे दानी से चूहा निकलते देखना रोग, कष्ट से मुक्ति के संकेत हैं।

## दिर्धायु योग

- यदि स्वप्न में अपहरण, आत्महत्या, कफन, नर कंकाल, मीनार, शमशान-कब्रस्तान, हत्या या अपने पर हमला होते देखना आयु वृद्धि के संकेत हैं।

**नोट:** स्वप्न का फल देखते समय केवल रात्रि के उत्तरार्द्ध के उपरांत दिखाई देने वाले स्वप्न को ही भविष्य का संकेत समझना चाहिये।

# स्वप्न में रत्न दर्शन

स्वप्न में माणिक रत्न देखना शक्ति तथा सत्ता में वृद्धि होने का संकेत हैं।

स्वप्न में मोती रत्न देखना मानसिक शांति मिलने का संकेत हैं।

स्वप्न में मूंगा रत्न देखना शत्रु पर विजय मिलने का संकेत हैं।

स्वप्न में पन्ना रत्न देखना व्यवसाय में वृद्धि होने का संकेत हैं।

स्वप्न में पुखराज रत्न देखना सुख-सौभाग्य बढ़ने का संकेत हैं।

स्वप्न में हीरा रत्न देखना आर्थिक उन्नति होने का संकेत हैं।

स्वप्न में नीलम रत्न देखना उन्नत्ति होने का संकेत हैं।

स्वप्न में गोमेद रत्न देखना अनावश्यक समस्याएं आने का संकेत हैं।

स्वप्न में लहसुनिया रत्न देखना – मान सम्मान बढ़ने का संकेत हैं।

स्वप्न में फिरोज़ा रत्न देखना व्यवसाय में वृद्धि होने का संकेत हैं।

# स्वप्न से संबंधित पौराणिक मत

✍ चिंतन जोशी, स्वस्तिक.ऎन.जोशी

## क्या स्वप्न छिपाई गई इच्छाओं का प्रतिबिंब/परिणाम होते हैं?

हजारों वर्ष पूर्व हमारे विद्वान ऋषी-मुनियों एवं आचार्यों नें यह बात सिद्ध कर दि थी की अधिकतर स्वप्न मनुष्य की छिपी हुई इच्छाओं का प्रतिबिंब या परिणाम होते हैं। इस बात को आज के आधुनिक युग के विद्वान एवं वैज्ञानिक भी मानते हैं।

हजारों वर्ष पूर्व ही हमारे विद्वान ऋषी-मुनियों ने अपने योग बल एवं शोध से यह भी ज्ञात कर लिया था की स्वप्न में व्यक्ति के जीवन से जुडे गूढ रहस्य जो प्रत्यक्ष और परोक्ष संकेत के रुप में छिपे होते हैं।

विद्वानों का कथन हैं की यदि स्वप्नों को अच्छि तरह से समझकर उनका सूक्ष्म अध्ययन किया जाए तो उससे अनेक प्रकार के लाभ व्यक्ति को निःसंदेह ही प्राप्त हो सकता हैं। क्योकि अबतक हुवे शोध के अनुशार स्वप्न में दिखाई देने वाले दृश्यों से शुभ-अशुभ दोनों तरह के संकेत प्राप्त होते हैं, यह संकेत स्वप्न दृष्टा व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं से जुडे हो सकते हैं।

सरल भाषा में स्वप्न क्यों आते हैं यह जानने का प्रयास करने पर यह ज्ञात होता हैं की जब रात नीरवता हो या दिन में शांति का वातावरण हो, तब मनुष्य का अवचेतन मन शिथिल हो जाता हैं, जब मनुष्य की चेतना शक्ति शिथिल हो जाती हैं तो वह उत्तेजना रहित होता हैं तब मनुष्य का मन स्वभावीक रुप से अपने जीवन में भूत-भविष्य आदि में घटित होने वाले घटना क्रमों को देखने की क्षमता अर्जित कर लेता हैं। व्यक्ति की इस अद्भुत क्षमता के कारण ही प्रकृति समय-समय पर उसे शुभ-अशुभ संकेतों के माध्यम से उसे अवगत करने का प्रयास करती हैं। इसी लिए विद्वानो का कथन हैं की स्वप्न हमेंशा निराधार, निरर्थक व निरुद्देश्य नहीं होते हैं, अनेको बार इन स्वप्नों में महत्वपूर्ण व प्रेरणादायक संकेत निहित होते हैं, सिर्फ आवश्यक्ता हैं उन संकेतो को विस्तार से समझने की। इतिहास भी इस बात का गवाह हैं की अबतक हुए अनुशंधान में हमारे समक्ष अनेको उदाहरण आते रहे हैं की स्वप्न में किसी व्यक्ति विशेष को अनेकों बार गूढ रहस्यमय संकेत छूपे मिले व कई बार यह स्वप्न उनके भविष्य की महत्वपूर्ण घटनाओं के सूचक भी रहे हैं।

## स्वप्नशास्त्र की मूल ग्रंथो में स्वप्नो के सात प्रकार होने का उल्लेख मिलता हैं।

*दृष्टः श्रुतोऽनुभूतश्च प्रार्थितः कल्पितस्तथा ।*
*भाविको दोषजश्चेति स्वप्नः सप्तविधो मतः ॥*

### 1. दृष्ट

जो दृश्य जागृत अवस्था में देखे जाते हैं उसी से संबंधित दृश्य को स्वप्न में देखना दृष्ट स्वप्न कहलाते हैं।

### 2. श्रुत

किसी से सुनी हुई बातों से संबंधित दृश्य को स्वप्न में देखना श्रुत स्वप्न कहलाते हैं।

### 3. अनुभूत

जागृत अवस्था के दौरान अनुभव की हुई बातों को स्वप्न में देखना अनुभूत स्वप्न कहलाते हैं।

## 4. प्रार्थित

यदि व्यक्ति ने अपनी जागृत अवस्था में किसी प्रार्थना-वस्तु की इच्छा की हो उस से संबंधित दृश्य को स्वप्न में देखना प्रार्थित स्वप्न कहलाते हैं।

## 5. कल्पित

यदि व्यक्ति ने अपनी जाग्रतावस्था में किसी की कल्पना की हो उस से संबंधित दृश्य को स्वप्न में देखना कल्पित स्वप्न कहलाते हैं।

## 6. भावित

जिसे व्यक्ति ने न कभी देखा हो और नाहीं सुना हो, लेकिन जो भविष्य में घटित होने वाला हो वह भाविक स्वप्न कहलाते हैं।

## 7. दौषज।

वात, पित्त और कफ से विकृत हो जाने पर दिखाई देने वाले स्वप्न को दोषज कहाजाता हैं।

*तेष्वाद्या निष्फलाः पञ्च यथास्वप्रकृतिर्दिवा ।*
*विस्मृतो दीर्घह्रस्वोऽति पूर्वरात्रे चिरात्फलम् ॥*
*दृष्टः करोति तुच्छं च गो सर्गे तदहर्महत् ।*
*निद्रया वाऽनुपहतः प्रतीपैर्वचनैस्तथा*

**अर्थात:** उक्त सात प्रकार के स्वप्नों में से पहले पांच स्वप्न तो निष्फल (अर्थात शुभ-अशुभ फलों से रहित) होते हैं, और जो स्वप्न वातादि प्रकृति के अनुसार होते हैं, दिन में आते हैं, भूल जाते हैं, बहुत लम्बे या बहुत छोटे होते हैं वे सब निष्फल होते हैं। अंतिम दो प्रकार के स्वप्न (अर्थात भाविक तथा दोषज) का फल अवश्य मिलता हैं वह भी जो स्वप्न रात्रि की पूर्व भाग में दिखते हैं उनका फल चिर काल के पश्चात होता हैं तथा स्वल्प फल होता हैं, और प्रातः काल का स्वप्न उसी दिन बहुत बड़ा फल देता हैं, और जिस स्वप्न को देखने के बाद में पुनः निद्रा नहीं आती और जो स्वप्न प्रतिकूल वचनो से उपहत अर्थात प्रभावित नहीं होता उसका भी उसी दिन बहुत बड़ा फल (शुभ-अशुभ फल संबंधित व्यक्ति को) प्राप्त होता हैं।

**नोटः** कुछ विद्वानो का मानना हैं की केवल भाविक स्वप्नो का प्रभाव ही विशेष रुप से व्यक्ति के जीवन पर होता हैं।

## ग्रंथकारों ने स्वप्न के फल प्राप्ति में संभंवित समय को दर्शाते हुए कहा हैं।

### रात्रि के विभिन्न प्रहर के अनुसार स्वप्न फल:

- रात्रि के पहले प्रहर जो स्वप्न देखे जाते है उसका फल एक वर्ष में मिलता हैं।
- रात्रि के दूसरे प्रहर में देखे गए स्वप्न का फल आठ माह में मिलता हैं, किसी आचार्यों नें सात माह (मुनि चन्द्रसेन) तो किसी ने छः माह कहें हैं।
- रात्रि के तीसरे प्रहर में देखे गए स्वप्न का फल तीन माह में मिलता हैं।
- रात्रि के चैथे प्रहर में देखे गए स्वप्न का फल एक महीने में मिलता हैं। वराहमिहिर के मत से चैथे प्रहर के स्वप्न 16 दिनों में फल देते हैं।
- रात्रि के अंत अर्थात ब्रह्म मुहूर्त में देखे गए स्वप्न का दश दिन में फल देते हैं।
- सूर्योदय से पूर्व देखे गये स्वप्न अतिशीघ्र फल देते हैं।
- यदि कोई व्यक्ति एक ही रात में शुभ-अशुभ दोनों तरह के स्वप्न देखता हैं तो फल कथन के समय केवल पीछे वाले स्वप्न से ही फल का निर्णय करना चाहिए।

- विद्वानो ने दिन के समय दिखने वाला स्वप्न को विशेष प्रभावशाली नहीं माना हैं।

भावित स्वप्न के संदर्भ में यही ज्ञात होता हैं की जो शुद्ध चित्त वाले सात्विक व्यक्ति होते हैं उनको प्रकृति प्रत्यक्ष रुप से संकेत देती हैं। इसी लिए व्यक्ति के अव चेतन मन से स्वप्न के रुप में वह प्रकट हो कर उसे शुभ-अशुभ से अवगत कराती है। क्योकि जिस विषय पर व्यक्ति ने कभी न सोचा हो, न देखा हो, न सुना हो, उससे संबंधित विषयों के स्वप्न को भावित स्वप्न कहा जाता हैं। भावित स्वप्न के विषय में विद्वानो का यहां तक माना हैं कि भावित स्वप्न देर-सवेर अपना शुभ-अशुभ प्रभाव अवश्य दिखाते हैं।

ज्योतिष विद्या के जानकार मानते हैं की स्वप्नों के फल का प्रभावि होना, व्यक्ति के ग्रह, नक्षत्र एवं उसकी दशा-अंतरदशा पर निर्भर करता हैं। इस लिए व्यक्ति को किसी भी स्वप्नों का शुभ-अशुभ फल ज्ञात करने से पूर्व अपनी जन्म कुण्डली में ग्रह-नक्षत्रों का बल अवश्य देख ले।

अधिकतर स्वप्न दौषज होते हैं, जिसका शुभ-अशुभ फल प्राप्त नहीं होता हैं। क्योकि अनिद्रा की स्थिती में, शारीरिक अस्वस्थता के दौरान, दिन में दिखने वाले स्वप्न, जो स्वप्न जागने के बाद याद नहीं होते एसे स्वप्न अधिकतर निराधार, निरर्थक व निरुद्देश्य माने जाते हैं।


## कनकधारा यंत्र

आज के युग में हर व्यक्ति अतिशीघ्र समृद्ध बनना चाहता हैं। धन प्राप्ति हेतु प्राण-प्रतिष्ठित कनकधारा यंत्र के सामने बैठकर कनकधारा स्तोत्र का पाठ करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं। इस कनकधारा यंत्र कि पूजा अर्चना करने से ऋण और दरिद्रता से शीघ्र मुक्ति मिलती हैं। व्यापार में उन्नति होती हैं, बेरोजगार को रोजगार प्राप्ति होती हैं।

श्री आदि शंकराचार्य द्वारा कनकधारा स्तोत्र कि रचना कुछ इस प्रकार कि हैं, जिसके श्रवण एवं पठन करने से आस-पास के वायुमंडल में विशेष अलौकिक दिव्य उर्जा उत्पन्न होती हैं। ठिक उसी प्रकार से कनकधारा यंत्र अत्यंत दुर्लभ यंत्रो में से एक यंत्र हैं जिसे मां लक्ष्मी कि प्राप्ति हेतु अचूक प्रभावा शाली माना गया हैं। कनकधारा यंत्र को विद्वानो ने स्वयंसिद्ध तथा सभी प्रकार के ऐश्वर्य प्रदान करने में समर्थ माना हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य ने दरिद्र ब्राह्मण के घर कनकधारा स्तोत्र के पाठ से स्वर्ण वर्षा कराने का उल्लेख ग्रंथ शंकर दिग्विजय में मिलता हैं।

कनकधारा मंत्र:- *ॐ वं श्रीं वं ऐं ह्रीं-श्रीं क्लीं कनक धारयै स्वाहा* | **मूल्य: Rs.550 से Rs.8200 तक**

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

# स्वप्न की अशुभता निवारण हेतु सरल उपाय

पं.श्री भगवानदास त्रिवेदी जी,

## अशुभ स्वप्नों के विषय में ग्रंथों में उल्लेख हैं

*याति पापोऽल्पफलतां दानहोमजपादिभिः ।*
*अकल्याणमपि स्वप्नं दृष्ट्वा तत्रैव यः पुनः ॥*
*पश्येत्सौम्यं शुभं तस्य शुभमेव फलं भवेत् ।*

**अर्थात:** पाप -अशुभ स्वप्न का अशुभ फल विधि पूर्वक दान, हवन तथा जप आदि करने से स्वल्प हो जाता हैं। अशुभ स्वप्न को देख कर जो पुनः सो जाता हैं और उसमें शुभ स्वप्न देखता हैं अथवा सुख दायक स्वप्न देखता हैं उसका फल शुभ होता हैं। और शुभ स्वप्न को देख कर पुनः अशुभ स्वप्न देखता हैं उसका फल अशुभ होता हैं।

## स्वप्न की अशुभता निवारण के उपाय

- जो स्वप्न डरावने, अप्रिय, अशुभता सूचक, जिससे व्यक्ति निद्रा से उठ जाता हैं, एसे स्वप्न दिखने पर निंद खुलने पर किसी को नहीं बताने चाहिए।
- यदि किसी को एसे स्वप्न आते हैं तो व्यक्ति को अपने इष्ट को प्राथना करके पुनः सो जाना चाहिए।
- यदि किसी व्यक्ति को एसे स्वप्न आते हैं और यदि प्रातः उसे सर्वप्रथम गाय, मोर, देवालय, सौभाग्यवती स्त्री, भगवाने में श्रद्धा रखने वाले सात्विक व्यक्ति आदि शुभ शुकन वाले जीव या पदार्थ के दर्शन से स्वप्न की अशुभता समाप्त हो जाती हैं।
- यदि किसी कारण से उक्त साधनों की व्यवस्था या दर्शन संभव न हो सके तो, अशुभ स्वप्न में देखे हुए दृश्य को शौचालय में दोहाराना देना चाहिए इससे उसकी अनिष्टता नष्ट हो जाती हैं।
- यदि किसी व्यक्ति को अशुभ स्वप्न के कारण अधिक भय या उसकी अशुभता की चिंता सता रही हो तो व्यक्ति को प्रातः स्नानादि से निवृत्त हो कर किसी जानकार या विद्वान से सलाह प्राप्त कर उसकी शांति के लिए हवन करना चाहिए। सुपात्र व्यक्ति को यथा शक्ति दान देकर इश्वर से अशुभता दूर करने हेतु प्राथना करनी चाहिए।

## शुभ स्वप्न की शुभता में वृद्धि के लिए शास्त्रं में उल्लेख हैं

- यदि किसी व्यक्ति को शुभ, चित्त को प्रसन्न करने वाले, सुख-सौभाग्य के संकेत देने वाले स्वप्न दिखाई दे तो उस स्वप्न को गुप्त रखना चाहिए। स्वप्न की गोपनीयता में उसकी शुभता छिपी होती हैं। किसी को इन स्वप्न के बारें में बतादेने से स्वप्न की शुभता में कमी आति हैं ओर संभवत स्वप्न निष्फल भी हो सकता हैं।
- यदि स्वप्न में शुभ संकेत दिखाई दे तो व्यक्ति को प्रातः स्नानादि से निवृत्त हो कर धूप-दीप आदि से इष्ट की पूजा अर्चना करके अपने इष्टदेव से शुभ स्वप्न के फल शीघ्र प्राप्त हो इस लिए विशेष प्राथना करनी चाहिए।
- स्वप्न में दिखे शुभ संकेत दिखे तो व्यक्ति को प्रातः अपने गुरु का दर्शन कर आशिर्वाद प्राप्त कर लेने चाहिए हिए जिससे शीघ्र लाभ प्राप्त हो सके हैं।

# तिथियों से स्वप्न फल का समय निर्धारण

स्वस्तिक.ऎन.जोशी

कुछ ग्रंथकारों ने स्वप्न फल के निर्णय करने में तिथियों का विशेष महत्व बताया है। विद्वानो के मतानुसार अलग-अलग तिथियों और पक्ष में स्वप्न फल की प्राप्ति के रहस्य छिपे होते हैं। इन रहस्यों से यह ज्ञात किया जा सकता हैं की व्यक्ति को स्वप्न फल की प्राप्ति शीघ्र होगी या विलंब से होगी।

### शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा:

यदि व्यक्ति प्रतिपदा को स्वप्न देखता हैं तो उसके फल की प्राप्ति में विलंब होता हैं।

### शुक्ल पक्ष की द्वितीया:

यदि व्यक्ति द्वितीया तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उसे स्वप्न का फल विपरीत प्राप्त होता हैं। अर्थात यदि व्यक्ति ने स्वप्न में स्वयंको लाभ मिलते देखा हैं तो उसका लाभ दूसरों को मिलता हैं व यदि व्यक्ति ने स्वप्न में दूसरो को लाभ मिलते देखा हैं तो उसका फल उसे प्राप्त होता हैं।

### शुक्ल पक्ष की तृतीया:

यदि व्यक्ति तृतीया तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उसका फल विलंब से और विपरीत मिलता हैं।

### शुक्ल पक्ष की चतुर्थी या पंचमी:

यदि व्यक्ति चतुर्थी या पंचमी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उसका फल व्यक्ति को दो महिने से लेकर दो वर्ष के भीतर मिलता हैं।

### शुक्ल पक्ष की षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी या दशमी:

यदि व्यक्ति षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी और दशमी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो वह स्वपन सत्य होता हैं व व्यक्ति को उसका फल शीघ्र प्राप्त होता है।


## द्वादश महा यंत्र

यंत्र को अति प्राचिन एवं दुर्लभ यंत्रो के संकलन से हमारे वर्षो के अनुसंधान द्वारा बनाया गया हैं।

- परम दुर्लभ वशीकरण यंत्र,
- भाग्योदय यंत्र
- मनोवांछित कार्य सिद्धि यंत्र
- राज्य बाधा निवृत्ति यंत्र
- गृहस्थ सुख यंत्र
- शीघ्र विवाह संपन्न गौरी अनंग यंत्र
- सहस्त्राक्षी लक्ष्मी आबद्ध यंत्र
- आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र
- पूर्ण पौरुष प्राप्ति कामदेव यंत्र
- रोग निवृत्ति यंत्र
- साधना सिद्धि यंत्र
- शत्रु दमन यंत्र

उपरोक्त सभी यंत्रो को द्वादश महा यंत्र के रुप में शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्र सिद्ध पूर्ण प्राणप्रतिष्ठित एवं चैतन्य युक्त किये जाते हैं। जिसे स्थापीत कर बिना किसी पूजा अर्चना-विधि विधान विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

GURUTVA KARYALAY

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

### शुक्ल पक्ष की एकादशी या द्वादशी:

यदि व्यक्ति एकादशी या द्वादशी को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को विलंब से प्राप्त होता हैं।

### शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी या चतुर्दशी:

यदि व्यक्ति त्रयोदशी या चतुर्दशी को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को प्राप्त नहीं होता अर्थात वह स्वप्न प्रभाव हिन होता हैं।

### पूर्णिमा:

यदि व्यक्ति पूर्णिमा को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को अवश्य मिलता हैं।

### कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा:

यदि व्यक्ति प्रतिपदा को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल निष्फल होता हैं।

### कृष्ण पक्ष की द्वितीया:

यदि व्यक्ति द्वितीया तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को विलंब से प्राप्त होता हैं। कुछ जानकारों ने इस तिथि पर देखे गए स्वप्न को विशेष फलदायी माना हैं।

### कृष्ण पक्ष की तृतीया या चतुर्थी:

यदि व्यक्ति तृतीया या चतुर्थी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को प्राप्त नहीं होता अर्थात वह स्वप्न प्रभाव हिन होता हैं।

### कृष्ण पक्ष की पंचमी या षष्ठी :

यदि व्यक्ति पंचमी या षष्ठी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को दो महिने से तीन वर्ष के भीतर मिलता हैं।

### कृष्ण पक्ष की सप्तमी:

यदि व्यक्ति सप्तमी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को शीघ्र प्राप्त होता हैं।

### कृष्ण पक्ष की अष्टमी या नवमी:

यदि व्यक्ति अष्टमी या नवमी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को विपरीत प्राप्त होता हैं।

### कृष्ण पक्ष की दशमी, एकादशी, द्वादशी या त्रयोदशी:

यदि व्यक्ति दशमी, एकादशी, द्वादशी या त्रयोदशी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का कोई फल व्यक्ति को प्राप्त नहीं होता हैं।

### कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी:

यदि व्यक्ति चतुर्दशी तिथि को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को शीघ्र मिलता हैं।

### अमावस्या

यदि व्यक्ति अमावस्या को स्वप्न देखता हैं तो उस स्वप्न का फल व्यक्ति को नहीं मिलता हैं।

***

## मंत्र सिद्ध मूंगा गणेश

मूंगा गणेश को विघ्नेश्वर और सिद्धि विनायक के रूप में जाना जाता हैं। इस के पूजन से जीवन में सुख सौभाग्य में वृद्धि होती हैं।रक्त संचार को संतुलित करता हैं। मस्तिष्क को तीव्रता प्रदान कर व्यक्ति को चतुर बनाता हैं। बार-बार होने वाले गर्भपात से बचाव होता हैं। मूंगा गणेश से बुखार, नपुंसकता , सन्निपात और चेचक जेसे रोग में लाभ प्राप्त होता हैं।

मूल्य Rs: 550 से Rs: 10900 तक

# सर्व कार्य सिद्धि कवच

जिस व्यक्ति को लाख प्रयत्न और परिश्रम करने के बादभी उसे मनोवांछित सफलताये एवं किये गये कार्य में सिद्धि (लाभ) प्राप्त नहीं होती, उस व्यक्ति को सर्व कार्य सिद्धि कवच अवश्य धारण करना चाहिये।

**कवच के प्रमुख लाभ**: सर्व कार्य सिद्धि कवच के द्वारा सुख समृद्धि और **नवग्रहों** के नकारात्मक प्रभाव को शांत कर धारण करता व्यक्ति के जीवन से सर्व प्रकार के दु:ख-दारिद्र का नाश हो कर सुख-सौभाग्य एवं उन्नति प्राप्ति होकर जीवन मे सभि प्रकार के शुभ कार्य सिद्ध होते हैं। जिसे धारण करने से व्यक्ति यदि व्यवसाय करता होतो कारोबार मे वृद्धि होति हैं और यदि नौकरी करता होतो उसमे उन्नति होती हैं।

- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **सर्वजन वशीकरण** कवच के मिले होने की वजह से धारण करता की बात का दूसरे व्यक्तिओ पर प्रभाव बना रहता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **अष्ट लक्ष्मी** कवच के मिले होने की वजह से व्यक्ति पर मां महा सदा लक्ष्मी की कृपा एवं आशीर्वाद बना रहता हैं। जिस्से मां लक्ष्मी के अष्ट रुप (१)-आदि लक्ष्मी, (२)-धान्य लक्ष्मी, (३)-धैरीय लक्ष्मी, (४)-गज लक्ष्मी, (५)-संतान लक्ष्मी, (६)-विजय लक्ष्मी, (७)-विद्या लक्ष्मी और (८)-धन लक्ष्मी इन सभी रुपो का अशीर्वाद प्राप्त होता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **तंत्र रक्षा** कवच के मिले होने की वजह से तांत्रिक बाधाए दूर होती हैं, साथ ही नकारत्मन शक्तियो का कोइ कुप्रभाव धारण कर्ता व्यक्ति पर नहीं होता। इस कवच के प्रभाव से इर्षा-द्वेष रखने वाले व्यक्तिओ द्वारा होने वाले दुष्ट प्रभावो से रक्षाहोती हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **शत्रु विजय** कवच के मिले होने की वजह से शत्रु से संबंधित समस्त परेशानिओ से स्वतः ही छुटकारा मिल जाता हैं। कवच के प्रभाव से शत्रु धारण कर्ता व्यक्ति का चाहकर कुछ नही बिगड सकते।

अन्य कवच के बारे मे अधिक जानकारी के लिये कार्यालय में संपर्क करे:

किसी व्यक्ति विशेष को **सर्व कार्य सिद्धि कवच** देने नही देना का अंतिम निर्णय हमारे पास सुरक्षित हैं।


## GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call Us - 9338213418, 9238328785

Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com


(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

# स्वप्न से रोग एवं मृत्यु के संकेत

✍ स्वस्तिक.ऎन.जोशी, निधि व्यास

*स्वप्ने मद्यं सह प्रेतैर्यः पिबन् कृष्यते शुना।*
*स मर्त्यो मृत्युना शीघ्रं ज्वररूपेण नीयते ॥४०॥*
*रक्तमाल्यवपुर्वस्त्रो यो हसन् ह्रियते स्त्रिया।*
*सोऽस्रपित्तेन महिषश्ववराहोष्ट्रगर्दभैः ॥४१॥*
*यः प्रयाति दिशं याम्यां मरणं तस्य यक्ष्मणा।*
*लता कण्टकिनी वंशस्तालो वा हृदि जायते ॥४२॥*
*यस्य तस्याशु गुल्मेन यस्य वह्निमनर्चिषम्।*
*जुह्वतो घृतसिक्तस्य नग्नस्योरसि जायते ॥४३॥*
*पद्मं स नश्येत्कुष्ठेन चण्डालैः सह यः पिबेत् ।*
*स्नेहं बहुविधं स्वप्ने स प्रमेहेण नश्यति॥४४॥*
*उन्मादेन जले मज्जेद्यो नृत्यन् राक्षसैः सह ।*
*अपस्मारेण यो मर्त्यो नृत्यन् प्रेतेन नीयते ॥४५॥*
*यानं खरोष्ट्रमार्जारकपिशार्दूलसूकरैः ।*
*यस्य प्रेतैः श्रृगालैर्वा स मृत्योर्वर्तते मुखे ॥४६॥।*
*अपूपशष्कुलीर्जग्ध्वा विबुद्धस्तद्विधं वमन् ।*
*न जीवत्यक्षिरोगाय सूर्येन्दुग्रहणेक्षणम् ॥*
*सूर्याचन्द्रमसोः पातदर्शनं दृग्विनाशनम्।*

**अर्थात:** जो रोगी स्वप्न में प्रेतों के साथ बैठ कर मद्य पीता हैं और कुत्तों द्वारा खींचा-घसीटा जाता हैं उसकी मृत्यु ज्वर से होती हैं। जो व्यक्ति लाल रंग के फूलों की माला धारण किये हैं, अपने शरीर को लाल रंग से रंगा देखता हैं, लाल वस्त्र धारण किये हैं, हँसता हैं और स्त्री द्वारा खींचा जाता हैं उसकी रक्तपित्त द्वारा मृत्यु हो जाती हैं। जो व्यक्ति भैसा, कुत्ता, सूअर, ऊँट या गझ पर सवार हो कर दक्षिण दिशा को जाता हैं उसकी राज्यसभा से मृत्यु होजाती हैं। जिसके हृदय प्रदेश पर काण्डो वाली लता-वेल, बाँस अथवा ताड़ उत्पन्न होते दिखाई दे तो उसकी गुल्मरोग से मृत्यु हो जाती हैं। जो ज्वाला रहित अग्नि में आहुतियाँ डालता हैं, नंगा हो कर शरीर पर घृत (घी) का सेवन करता हैं और उसके शीने पर कमल उगता दिखे तो उसकी कुष्ठ से मृत्यु हो जाती हैं। जो चाण्डालों के साथ बैठ कर घृत (घी) तैल आदि अनेक प्रकार के द्रव्यों का पान करता हैं उसकी प्रमेह से मृत्यु हो जाती हैं। जो राक्षसों के साथ नाचता हुवा जल में डूब जाता हैं या डूबकी लगाता हैं उसकी उन्माद से मृत्यु हो जाती हैं। जो नाचता हुवा भूत-प्रेत द्वारा खींचा या घसीटा जाता हैं उसकी अपस्मार (मिर्गी) द्वारा मृत्यु हो जाती हैं। जो रोगी-गधा, ऊँट, बिल्ली, बन्दर, शादूल तथा सूअर के साथ अथवा प्रेतों या सियारों के साथ चलता हैं या उन पर सवार हो कर चलता हैं उसकी मृत्यु हो जाती हैं। जो स्वप्न में मालपूआ- रोटी अथवा कचौरी खाता हैं और जागने पर वैसे ही वमन कर देता हैं वह जीवित नहीं रहता । स्वप्न में सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण देखना नेत्ररोगों का कारण और उसका पतन होते देखना दृष्टिनाश अर्थात अन्धेपन का कारण होता हैं।


## संपूर्ण जन्म कुंडली परामर्श

जन्म कुंडली में उपस्थित अच्छे-बुरे योगों तथा दोषों के बारे में संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर इन योगों अथवा दोषों से होने वाले लाभ-हानि के बारे में जानकारी प्राप्त कर उन दोषों के निवारण के उपाय से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY
Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

मूर्ध्नि वंशलतादीनां सम्भवो वयसां तथा ॥४८॥
निलयो मुण्डता काक-गृध्राद्यैः परिवारणम् ।
तथा प्रेतपिशाचस्त्रीद्रविडाऽन्ध्रगवाशनैः ॥४९॥
सङ्गो वेत्रलतावंशतृणकण्टकसंकटे ।
श्वभ्रश्मशानशयनं पतनं पांसुभस्मनोः ॥५०॥
मज्जनं जलपङ्कादौ शीघ्रेण स्रोतसा हृतिः ।
नृत्यवादित्रगीतानि रक्तस्रग्वस्त्रधारणम् ॥५१॥
वयोऽङ्गवृद्धिरभ्यङ्गो विवाहः श्मश्रुकर्म च ।
पक्वान्नस्नेहमद्याशः प्रच्छर्दनविरेचने ॥५२॥
हिरण्यलोहयोर्लाभः कलिर्बन्धपराजयौ ।
उपानद्युगनाशश्च प्रपात पादचर्मणोः ॥५३॥
हर्षो भृशं प्रकुपितैः पितृभिश्चावभर्त्सनम् ।
प्रदीपग्रहनक्षत्र दन्तदैवतचक्षुषाम् ॥५४॥
पतनं वा विनाशो वा भेदनं पर्वतस्य च ।
कानने रक्तकुसुमे पापकर्मनिवेशने ॥५५॥
चितान्धकारसंबाधे जनन्यां च प्रवेशनम् ।
पातः प्रासादशैलादेर्मत्स्येन ग्रसनं तथा ॥५६॥
काषायिणामसौम्यानां नग्नानां दण्डधारिणाम् ।
रक्ताक्षाणां च कृष्णानां दर्शनं जातु नेष्यते ॥५७॥

**अर्थात:** जो स्वप्न में शिर पर बांस, लता एवं झाड़ियों को उगते देखना या पक्षियों का बैठना या घोंसला बनाना, अथवा शिर का मुण्डन या कौवा एवं गिद्ध आदि पक्षियों से घिर जाना तथा प्रेतों, पिचाशों, स्त्रीयों, किसी प्रदेश के निवासियों, अथवा गोमांस भक्षको द्वारा घिर जाना, वेतों के, लताओं के, बाँसों की, तृणों के तथा कांटों की झाड़ीयों में फस जाते देखना या गढ्ढा एवं श्मशान में सोना, धूलि तथा भस्म में गिरना, जय अथवा कीचड़ में डूबना या डुबकी लगाना, तेजधार वाली नदी-नाले में बह जाना, नाचना, बजाना तथा गाना, लाल फूलों की माला तथा वस्त्रों का धारण, उम्रको बढ़ते देखना, तथा अंगों की वृद्धि, अभ्यङ्ग, विवाह, क्षौर कर्म (बाल तथा दाढ़ी बनाना), पक्वान्न भक्षण, स्नेह पान, मद्य पान, वमन, बिरेचन क्रिया, सोना अथवा लोह मिलना, कलह, बँध जाना, पराजित होना, दोनो जूतों का खोना, पाँव की चमड़ी गिरते देखना, अधिक हर्ष, प्रकुपित पित्तरों द्वारा भिड़का जाना और दीपक, सूर्य आदि ग्रह, अश्विनी आदि नक्षत्र या तारे, दन्त, देव प्रतिमा तथा नेत्र का गिरना अथवा विनाश, पर्वत का फटना और वन में, लाल पुष्प में, पापीयों की घर में, अन्धकार में, भीड़ में, संकत में अथवा माता के गर्भ में प्रवेश, छत, वृक्ष या पर्वत आदि से गिरना, मछली द्वारा निगल जाना, और कषाय वस्त्र, धारियों का क्रूरों का, नग्नों का, दण्ड धारियों का, लाल आँख वालों का तथा काले वर्ण के लोगों का दिखना किसी भी दशा में शुभ नहीं हैं (अर्थात स्वस्थ्य या रोगी के लिए यह हानि कारक हैं।)

## मृत्यु सूचक स्वप्न

कृष्णा पापाऽननाचारा दीर्घकेशनखस्तनी ।
विरागमाल्यवसना स्वप्ने कालनिशा मता ॥५८॥

**अर्थात:** स्वप्न में काले वर्ण वालीं, दुर्मुखी, दुराचारिणी, लम्बे केशों, नखों तथा स्तनों वाली, विकृत वर्ण वाली, माला तथा विकृत वर्ण वाले वस्त्रों वाली स्त्री का दिखना काल रात्रि के समान माना जाता हैं।

## दुःस्वप्न का कारण

मनोवहानां पूर्णत्वात्स्रोतसां प्रबलैर्मलैः ।
दृश्यन्ते दारुणाः स्वप्ना रोगी यैर्याति पञ्चताम् ॥५९॥
अरोगः संशयं प्राप्य कश्चिदेव विमुच्यते ।

**अर्थात:** अत्यन्त प्रकुपित वातादि दोषों द्वारा मनोवाही स्त्रोत भर जाने से उक्त प्रकार के भयानक भीष्ण स्वप्न दिखते हैं, जिसके कारण रोगी की मृत्यु हो जाती हैं और स्वस्थ्य व्यक्ति भी रोगी हो जाता हैं तथा कुछ ही रोग मुक्त हो पाते हैं।

## महर्षि चरक ने स्वप्न के लक्षण इस प्रकार बताये हैं।

नाति प्रसुप्तः पुरुषः सफलान अफलान अपि।
इन्द्रियेशेन मनसा स्वप्नान पश्यत्यनेकधा॥

**अर्थात:** जब मानुष्य गहरी निद्रा में नहीं होता तथा दशों इन्द्रियों के ईश्वरिय प्रेरक मन द्वारा वह अनेक प्रकार के स्वप्न देखता हैं। कभी श्रवण इन्द्रि से सुनता, चक्षुरिन्द्रिय से देखता हैं, त्वगिन्द्रिय से स्पर्श का अनुभव करता हैं, रसनेन्द्रिय से रस का और घ्रौणेन्द्रिय से गन्ध का अनुभव करता हैं। वागिन्द्रिय से बोलता हैं- हस्तेन्द्रिय से पकड़ता हैं, शुदेन्द्रिय से पुरिष ( एवं मूत्र का) त्याग करता हैं, उपस्थेन्द्रिय (शिश्न एवं भग) से शुक्र (वीर्य) का त्याग कर्ता हैं, इसी को स्वप्नदोष कहा जाता हैं, जिसमें शुक्र स्राव का स्खलन होता हैं, और पादेन्द्रिय से चलता हैं इस प्रकार दस इन्द्रिय के स्वप्न दोष होते हैं और मनसू नामक इन्द्रिय से सुख-दुःख का अनुभव होता हैं यथा स्वप्न में डर लगता हैं, क्रोध एवं शोक आदि का अनुभव होता हैं। यह 11 प्रकार के स्वप्नदोष हैं लेकिन अधिकतर उपस्थ का स्वप्नदोष अधिक होता हैं। वह भी युवावस्था में रात्रि भोजन में शुक्र वर्द्धक मलाई एवं दुग्ध आदि के सेवन से अथवा तीव्र मैथुनाभिलाष से।

**नोटः** जानकारों का मानना हैं की स्वप्नदोष पुरुष एवं स्त्री दोनो को होता हैं और ऋतुस्नाता स्त्री को तो कभी-कभी गर्भधान भी हो जाता हैं, फिर चाहे वह अस्थि आदि पैतृक गुणों से हीन होता हैं। शय्यामूत्र जो अधिकतर बालक-बालिकाओं को होता हैं और स्वप्नदोष जो युवक-युवतियों को होता हैं वह सब स्वप्न के दोष है।

देवान् द्विजान् गोवृषभान् जीवतः सुहृदो नृपान् ।
साधून् यशस्विनो वह्निमिद्धं स्वच्छान् जलाशयान्॥
कन्याः कुमारकान् गौरान् शूक्लवस्त्रान्सुतेजसः ।
नराशनं दीप्ततनुं समन्ताद्रुधिरोक्षितम् ॥
यः पश्येल्लभते यो वा छत्रादर्शविषामिषम् ।
शुक्लाः सुमनसो वस्त्रममेध्यालेपनं फलम् ॥
शैलप्रासादसफलवृक्षसिंहनरद्विपान् ।
आरोहेद्गोऽश्वयानं च तरेन्नदह्रदोदधीन् ॥
पूर्वोत्तरेण गमनमगम्यागमनं मृतम् ।
संबाधान्निःसृतिर्देवैः पितृभिश्चाभिनन्दनम् ॥
रोदनं पतितोत्थानं द्विषतां चावमर्दनम् ।
यस्य स्यादायुरारोग्यं वित्तं बहु च सोऽश्नुते ॥

**अर्थात:** स्वप्न में जो देवताओं, द्विजों (ब्राह्मण), साँढों, जीवित मित्रों, राजाओं, सज्जनों, यशस्वियों, इन्धन युक्त अग्नि, निर्मल जल के जलाशय, कन्या, बालक, गौर वर्ण वालों, श्वेत वस्त्र वालों, तेजस्वियों अथवा देदीप्यमान शरीर वाले रक्त से सिन्चित शरीरवाले राक्षस को देखता हैं और जो छत्र, दर्पण, विष, मांस, श्वेत पुष्प, श्वेत वस्त्र, अपवित्र (पुरीष अर्थात मलमूत्र इत्यादी) पदार्थ के लेपन को अथवा आम्र आदि फलों को प्राप्त करता हैं, और जो पर्वत, भवन, फलवाले वृक्ष, सिंह, मानव की पीठ, हाथी अथवा गाय-बैल की तथा घोड़ा गाड़ी पर चढ़ता हैं, जो नदी, झील, तथा समुद्रको तैर कर पार करता हैं, जो पूर्वोत्तर की और जाता हैं ( अर्थात पूर्वोत्तर की यात्रा करता हैं), अगम्य नारी से सहवास करता हैं, जो मृति-मरण को देखता हैं, भीड़ संकट में से निकल जाता हैं, जिसका देवताओं एवं पित्तरों द्वारा अभिनन्दन होता हैं, जो रोता हैं, जो गिर कर उठ खड़ा होता हैं तथा जो शत्रुओं का मर्दन करता हैं वह आयु को, आरोग्य को तथा अधिक मात्रा में धन को प्राप्त करता हैं।

***

# वर्णमाला के अनुशार स्वप्न फल विचार

✍ स्वस्तिक.ऎन.जोशी, श्रेया.ऎस.जोशी, निधि व्यास

- स्वप्न में अखरोट देखना धन प्राप्ति एवं उत्तम प्रकार का भोजन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में अनाज देखना मानसिक चिंता में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को मीठा अनार खाते देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अनार के पत्ते खाते देखना शीघ्र विवाह एवं दांपत्य सुख में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में किसी अजनबी से भेट होते देखना किसी अनिष्ट फल के मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अजवायन खाते देखना स्वास्थ लाभ का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अमरुद खाते देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अनानास खाते देखना परेशानी के बाद राहत मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अदरक खाते देखना मान सम्मान में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अरहर खाते देखना पेट दर्द या पेट के रोग होने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अंगूर खाते देखना स्वस्थ्य लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयंको अचार खाते या बनाते देखना सिर दर्द अथवा पेट दर्द होने का संकेत है।
- स्वप्न में किसे अध्यापक देखना किसी कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में अँधेरा दिखे तो यह विपत्तियों के आने का संकेत है।
- स्वप्न में अन्ध व्यक्ति को देखना किसी महत्वपूर्ण कार्य में रुकावट का संकेत है।
- स्वप्न में अप्सरा को देखना धन प्राप्ति एवं सामाजिक मान सम्मान में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में अंतिम संस्कार या अर्थी देखना धन लाभ का संकेत है।
- स्वप्न में अमलतास के फूल देखना पीलिया या कोढ़ रोग के होने का संकेत है।
- स्वप्न में अरहर की दाल देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में अरबी देखना सिर में या पेट में दर्द होने का संकेत है।
- स्वप्न में अलमारी बंद देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में अलमारी खुली देखना धन हानि का संकेत है।
- स्वप्न में अंग रक्षक का दिखना शरीर पर चोट लगने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं पर अन्य द्वारा हमला देखना होते देखना दिर्धायु का संकेत है।
- स्वप्न में किसी के अंग कटे देखना स्वास्थ लाभ का संकेत है।
- स्वप्न में अंग दान करते देखना किसी पुरस्कार की प्राप्ति या सुनहरे भविष्य का संकेत है।

- स्वप्न में अंगुली कटते देखना पारिवारीक झगडे एवं कलेश का संकेत है।
- स्वप्न में अंगूठा चूसते देखना पारिवारीक संपत्ति के वाद-विवाद होने का संकेत है।
- स्वप्न में अंत्येष्ठी देखना परिवार में किसी मांगलिक कार्य के संपन्न होने का संकेत है।
- स्वप्न में अस्थि देखना किसी संकट के टलने का संकेत है।
- स्वप्न में अंजन (सुरमा) देखना नेत्र रोग होने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयंको अकेले देखना दूरस्थ यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में अख़बार देखना किसी से वाद-विवाद होने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अट्हास करते देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अध्यक्ष बनते देखना सामाजिक मान-सम्मान की हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अध्यन करते देखना असफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में अपहरण देखना दिर्धायु का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अभिमान करते देखना किसी प्रियजन से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में अर्धचन्द्रमा देखना किसी स्त्री से सहयोग मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में अमावस्या होते देखना दुःख एवं संकटों से छुटकाराका मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में अगरबत्ती देखना किसी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का संकेत है।
- स्वप्न में अग्नि युक्त अगरबत्ती देखना दुर्घटना का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अगरबत्ती अर्पित करते देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में अस्पष्ट अक्षर पढते देखना दुखद समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बुझी हुई अंगीठी देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में अंगीठी जलती देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में अंगारों पर चलते देखना शारीरिक पीड़ा का संकेत है।
- स्वप्न में अनोखी या अजीब वस्तु देखना प्रियजन से


- क्या आपके बच्चे कुसंगती के शिकार हैं?
- क्या आपके बच्चे आपका कहना नहीं मान रहे हैं?
- क्या आपके बच्चे घर में अशांति पैदा कर रहे हैं?

घर परिवार में शांति एवं बच्चे को कुसंगती से छुडाने हेतु बच्चे के नाम से गुरुत्व कार्यालत द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्र सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त वशीकरण कवच एवं एस.एन.डिब्बी बनवाले एवं उसे अपने घर में स्थापित कर अल्प पूजा, विधि-विधान से आप विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप तो आप मंत्र सिद्ध वशीकरण कवच एवं एस.एन.डिब्बी बनवाना चाहते हैं, तो संपर्क इस कर सकते हैं।

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA),

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

मिलाप का संकेत है।

- स्वप्न में अजगर देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में अस्त्र देखना किसी संकट से रक्षा का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को अस्त्र से कटा हुवा देखना किसी बड़ि विपत्ति के आने का संकेत है।
- स्वप्न में सम संख्या वाले अंक देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में विषम संख्या वाले अंक देखना शुभ संकेत है।

- स्वप्न में आइना देखना किसी मित्र से भेट या इच्छा पूर्ति का संकेत है।
- स्वप्न में आइना में अपना मुहं देखना स्त्री से कष्ट या नौकरी में परेशानी का संकेत है।
- स्वप्न में आसमान देखना पदोन्नति या उच्च पद की प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को आसमान मे उड़ते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को आसमान मे देखना यात्रा में शुभ फल की प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को आसमान से गिरते देखना आर्थिक नुक्शान होने का संकेत है।
- स्वप्न में आसमान पर चलते देखना बीमारी आने का संकेत है।
- स्वप्न में आसमान हाथ से छूते देखना मनोकामना पूर्ण होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं के आंसू देखना परिवार में किसी मांगलिक कार्य के संपन्न होने का संकेत है।
- स्वप्न में आग देखना अनैतिक कार्य से धन प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में आग जला कर भोजन बनाते देखना पदौन्नति और धन लाभ का संकेत है।
- स्वप्न में आग आग से कपडा जलते देखना नेत्र रोग एवं विभिन्न कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में आवाज सुनते देखना शुभ समय के आगमन का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को किसी बंधन से आजाद होते देखना सकल चिंताओ से मुक्ति का संकेत है।
- स्वप्न में आलू देखना स्वादिष्ट भोजन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में आंवला देखना कार्य सिद्धि में या इच्छा पूर्ति में विघ्न का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को आंवला खाते देखना मनोकामना पूर्ण होने का संकेत है।
- स्वप्न में आक के फूल या पत्ते देखना शारारिक कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में आग की लपटें देखना परिवार में झगडा ख़तम होने और शान्ति बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को आम खाते देखना संतान का सुख में वृद्धि एवं धन प्राप्ति के संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी पुरुष का स्त्री को आलिंगन करते देखना काम सुख की प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी स्त्री का पुरुष को आलिंगन करते देखना पति से बेवफाई का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी पुरुष का पुरुष को आलिंगन करते देखना किसी से शत्रुता बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी स्त्री का स्त्री को आलिंगन करते देखना किसी से धन प्राप्ति का संकेत हैं।

- स्वप्न में स्वयं को आत्महत्या करते या किसी को आत्महत्या करते देखना दिर्धायु की प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को आवारागर्दी करते देखना रोजगार प्राप्ति या धन प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी स्त्री का आँचल देखना किसी प्रतियोगिता में विजय मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी स्त्री को आँचल आंसू पोछते देखना शुभ समय आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी स्त्री को आँचल में मुँह छिपाते देखना सामाजिक मान-सम्मान की प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में आरा चलते देखना किसी संकट से शीघ्र मुक्ति मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में आरा रूका हुवा दिखे तो किसी अज्ञात संकट के आनेका पूर्व संकेत हैं।
- स्वप्न में आवेदन करते देखना दूरस्थ स्थानों की यात्रा से लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में आश्रम देखना व्यवसाय में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में आइसक्रीम खाते देखना शीघ्र सुख और शांति मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में आंधी आते देखना संकटों से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में आंधी से स्वयंको गिरते देखना सफलता प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में औषधी देखना गलत संगति में फंसने का संकेत हैं।

- स्वप्न में इमली खाते देखना स्त्री के लिए शुभ संकेत लेकिन पुरुष के लिए अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में इष्ट प्रतिमा के चोरी देखना विभिन्न कष्ट एवं संकटो का संकेत है।
- स्वप्न में इनाम मिलते देखना अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में इत्र लगाते देखना मान-सम्मान की वृद्धि एवं शुभफलों की प्राप्ति का संकेत है।


## पति-पत्नी में कलह निवारण हेतु

यदि परिवारों में सुख-सुविधा के समस्त साधान होते हुए भी छोटी-छोटी बातो में पति-पत्नी के बिच मे कलह होता रहता हैं, तो घर के जितने सदस्य हो उन सबके नाम से गुरुत्व कार्यालत द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्र सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त वशीकरण कवच एवं गृह कलह नाशक डिब्बी बनवाले एवं उसे अपने घर में बिना किसी पूजा, विधि-विधान से आप विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप मंत्र सिद्ध पति वशीकरण या पत्नी वशीकरण एवं गृह कलह नाशक डिब्बी बनवाना चाहते हैं, तो संपर्क आप कर सकते हैं।

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

- स्वप्न में इमारत देखना मान-सम्मान में वृद्धि एवं धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में ईंट देखना कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में किसी इंजन को चलता देखना यात्रा पर जाने का एवं शत्रु से सतर्क रहने का संकेत हैं।
- स्वप्न में इन्द्रधनुष देखना धन हानि और संकटों की वृद्धि होने का संकेत हैं।

- स्वप्न में उजाड़ा स्थान देखना दूरस्थ स्थान की यात्रा होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में उस्तरा चलते देखना धन हानि या धन की चोरी का संकेत हैं।
- स्वप्न में उस्तरा चलते देखना यात्रा में धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में उपवन देखना किसी बीमारी का संकेत हैं।
- स्वप्न में उदघाटन का दृष्य देखना अशुभ संकेत हैं।
- स्वप्न में किसी को उदास होते देखना शुभ समाचार की प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में उधारी की लेन-देन होते देखना धन लाभ का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को उड़ते देखना किसी गंभीर दुर्घटना होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को उछलते देखना किसी अशुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में उल्लू को देखना किसी संकट या दुख के आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में उबासी लेते देखना दुःख प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्वयं को उल्टे कपडे पहने देखना किसी प्रियजन से अपमान होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में उजाला होते देखना शीघ्र ही उत्तम सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में उठते और गिरते देखना महत्वपूर्ण कार्य हेतु कड़े संघर्ष का संकेत हैं।
- स्वप्न में उलझे बाल अथवा धागे देखना परेशानियों में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- ऊ
- स्वप्न में स्वयं को किसी ऊंचाई वाले स्थान पर देखना अपनो से अपमानित होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में ऊन या ऊनी वस्त्र देखना धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में ऊंचा पहाड़ देखना किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए कठिन परिश्रम से सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में ऊंचे वृक्ष देखना इच्छा पूर्ति में विलंब का संकेत हैं।

- स्वप्न में स्वयं का कद छोटा देखना प्रियजन से अपमान एवं विभिन्न परेशानी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं का कद बड़ा देखना निकटतम भविष्य में भारी संकट आने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को कसम खाते देखना संतान पक्ष पर संकट आने का संकेत है।
- स्वप्न में कलम देखना विद्या प्राप्ति एवं धन प्राप्ति का संकेत है।

- स्वप्न में कर्ज देते देखना जीवन में खुशहाली आने का संकेत है।
- स्वप्न में कर्ज लेते देखना व्यवसायीक कार्य में हानि का संकेत है।
- स्वप्न में किसी कला कृतियों को देखना समाज में मान-समान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में कपूर देखना व्यापार में लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में कबाड़ या कबाड़ी को देखना जल्द ही अच्छे दिनों की शुरूआत होने का संकेत है।
- स्वप्न में कबूतर को देखना प्रेमि-प्रेमिका से प्यार बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में कबूतरों का झुंड देखना किसी शुभ समाचार के मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कमल का फूल देखना ज्ञान प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में कपास देखना घर की सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में कंगन देखना किसी से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में कद्दू देखना पेट में दर्द होने का संकेत है।
- स्वप्न में किसी कन्या देखना धन वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में कफन देखना दिर्धायु होने का संकेत है।
- स्वप्न में कछुआ देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कलश देखना किसी कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कंबल देखना स्वास्थ्य समस्या होने का संकेत है।
- स्वप्न में स्व्ययं को कपड़े धोते देखना किसी कार्य में रूकावट के बाद में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में किसी का कटा सिर देखना किसी के समक्ष शर्मिंदा होने का संकेत है।
- स्वप्न में कब्र खोदते देखना धन लाभ एवं भूमि-भवन से संबंधित लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं का कत्ल देखना शुभ संकेत हैम लेकिन अनुचित कर्म से दूर रहें।
- स्वप्न में कब्रिस्तान देखना किसी कार्य में निराशा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कंघी देखना शरीर पर चोट लगने एवं दान्त या कान में दर्द होने का संकेत है।
- स्वप्न में कसरत होते देखना किसी रोग से पीड़ित होने का संकेत है।
- स्वप्न में काली आँखे देखना व्यापार में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में काला रंग देखना शुभ फलों की प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में स्व्यंको काजू खाते देखना नये व्यापार या नौकरी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कान देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कान साफ करते देखना ज्ञान वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में कारखाना देखना किसी दुर्घटना में फसने की सूचना मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में काली बिल्ली देखना कोई बड़ा लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयंको कुंडल पहने देखना संकट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कुबडा देखना किसी कार्य में विघ्न होने का संकेत है।
- स्वप्न में कुमकुम देखना किसी कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कुल्हाडी देखना किसी कार्य में अधिक परिश्रम के उपरांत अल्प लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कुत्ते को भोंकते देखना समाज में हास्य के पात्र बनने का संकेत है।

- स्वप्न में कुत्ते को झपटते देखना दुश्मन को हराने संकेत है।
- स्वप्न में कुर्सी को खाली देखना नई नौकरी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कूड़े का ढेर देखना थोड़ी कठिनाई के बाद धन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में किला देखना निकटतम भविष्य में ख़ुशी प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में कील देखना परिवार में बटवारा होने का संकेत है।
- स्वप्न में केश संवारते देखना तीर्थ यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में केला देखना जल्द ही ख़ुशी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में केक देखना उपयुक्त वस्तु मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कैमरा देखना अपने भेद छिपा कर रखने का संकेत है।
- स्वप्न में कोढ़ देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कोहरा देखना किसी संकट के समाप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में कोठी देखना दुःख मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कोयल को देखना या सुनना जल्द ही शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में किसी ऊंचे स्थान से कूदते देखना किसी कार्य में असफलता प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में नर कंकाल देखना दिर्धायु प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में कद लम्बा होते देखना मृत्युतुल्य कष्ट होने का संकेत है।
- स्वप्न में कद घटते देखना समाज में अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में कटोरा देखना बनते कार्य में विघ्न आने का संकेत है।
- स्वप्न में कमंडल देखना परिवार के किसी सदस्य से वियोग होने का संकेत है।
- स्वप्न में करवा चौथ का दृष्य यदि औरत देखे तो वह आजीवन सौभाग्य वती रहती हैं, यदि पुरुष देखे तो धन-धान्य की वृद्धि होती हैं।
- स्वप्न में कागज कोरा दिखे तो शुभ संकेत है।
- स्वप्न में कागज लिखा हुवा दिखे तो अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में कुरता सफेद रेंग का देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में कुरता अन्य रंग का देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को कुर्सी पर बैठा देखना किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति एवं पदोन्नती होने का संकेत है।
- स्वप्न में कुर्सी पर किसी अन्य को बैठा देखना अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में कब्र खोदते देखना शीघ्र भवन निर्माण होने का संकेत है।
- स्वप्न में कपड़े का व्यपार होते देखना व्यापार में लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में कपडे चमक तेदेखना शीघ्र विवाह और मान-सम्मान में वृद्धि का संकेत हैं।
- स्वप्न में कपडे सफेद रंग के देखना देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कपडे हरे रंग के धन दौलत बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में कपडे पीले रंग के देखना स्वस्थ्य में खराबी एवं चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में कपडे मैले देखना धन हानि होने का संकेत है। स्वप्न में कपडे पर खून धब्बे देखना व्यर्थ ही बदनामी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कछुआ देखना भारी मात्रा में धन लाभ मिलने का संकेत है।

- स्वप्न में कमल ककड़ी देखना उत्तम भोजन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को करी खाते देखना विधवा या विधुर से संपर्क बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में कान कटते देखना स्वजनों से वियोग का संकेत है।
- स्वप्न में काला कुत्ता देखना किसी कार्य मे सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में काना व्यक्ति दिखे तो प्रतिकूल समय का संकेत है।
- स्वप्न में कीड़ा देखना शक्ति एवं बल की वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में कुम्हार को देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में केतली के फूल देखना दांपत्य सुख में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में कैंची देखना अकारण किसी से वाद-विवाद होने का संकेत है।
- स्वप्न में कोयला देखना प्रेम जाल में फँस ने से दुःख मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में कुरान देखना घर में सुख-शांति बढ़ने का संकेत है।

- स्वप्न में खरोंच लगना शरीर स्वस्थ होने का संकेत है।
- स्वप्न में खटमल देखना जीवन में संघर्ष बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में खटमल मारते देखना कठिनाई से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में खरबूजा देखना कार्य क्षेत्र में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में ख़त पढ़ना किसी शुभ समाचार के मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में खरगोश देखना स्त्री से बेवफाई का संकेत है।
- स्वप्न में खलिहान देखना मान-सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में खटाई खाते देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में खंभा (लोहे का) देखना शीघ्र विवाह होने और कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में खंभा या मीनार देखना दिर्धायु होने और सुख शान्ति बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में खाली खटिया देखना किसी बीमारी से कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में खाली बर्तन देखना कार्य में नुक्शान होन का संकेत है।
- स्वप्न में खिलखिलाते देखना दुखद समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में खिल्ली उडाते देखना स्वजनों से निराशा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में खिलौना देखना सुख मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में खुजली होते देखना रोग से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में ख़ुशी मिलते देखना परेशानी बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में खुशबू लगाते देखना सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में खून देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में खून-खराबा होते देखना सौभाग्य वृद्धि होन का संकेत है।

- स्वप्न में खून की वर्षा होते देखना राज्य या देश में अकाल पड़ने का संकेत है।
- स्वप्न में खून में लुढके देखना धन-सम्पति प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में खेल कूद में भाग लेते देखना भाग्योदय होने का संकेत है।
- स्वप्न में खेत देखना दूरस्थ स्थानो की यात्रा एवं विद्या, धन की वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में खेत काटते देखना पत्नी से मन मुटाव होने का संकेत है।
- स्वप्न में खोपडी देखना बौधिक कार्यो में सफलता मिलने का संकेत है।

- स्वप्न में गधा देखना स्वजनो से प्यार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गधे पर माल लदा हुआ देखना व्यापार में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गधे की चीख निकलते सुनना दुख मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गधे की सवारी करते देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गाय देखना उत्तम धन लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में गाय या बैल को पीले रंग की देखना राज्य या देश में महामारी होने का संकेत है।
- स्वप्न में गरम पानी देखना बुखार या अन्य बीमारी होने का संकेत है।
- स्वप्न में गंजा सिर देखना परीक्षा में पास होने एवं मान-सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में गली देखना, सुनसान गली देखने से लाभ की प्राप्ति का संकेत एवं भीड़-भाड़ वाली गली देखने से मृत्यु का समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गवाही देते देखना किसी अपराध में फंसने का संकेत है।
- स्वप्न में गमला देखना, गमला खाली देखने पर झमेले में फसने का संकेत, गमले में फूल खिले देखने पर शुभ संकेत है।
- स्वप्न में गलीचा अथवा क़ालीन देखना या उस पर बैठना किसी प्रियजन के यहाँ शोक में शामिल होने का संकेत है।
- स्वप्न में ग्वाला (दूधवाला) या ग्वालिन (दूधवाली) को देखना शुभ फल मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गाजर देखना खेत में फसल अच्छी होने का संकेत है।
- स्वप्न में गाड़ी देखना यात्रा सफल होने का संकेत है।
- स्वप्न में गालिया देते देखना समाज में बदनामी होने का संकेत है।
- स्वप्न में गायत्री मंत्र का पाठ करते देखना सकल मनोरथों की पूर्ति एवं सुख समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में गिलास देखना अनावश्यक खर्चो में कटोटी का संकेत है।
- स्वप्न में गिनती करते देखना कार्य में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में गिरगिट देखना किसी झगडे में फसने का संकेत है।
- स्वप्न में गिलहरी को देखना अत्यंत शुभ संकेत है।
- स्वप्न में गीदढ को देखना शत्रु से कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गीली वस्तु देखना लम्बी बीमारी से कष्ट होने का संकेत है।

- स्वप्न में गीता देखना कष्टों से मुक्त एवं शुभ समय आने का संकेत है।
- स्वप्न में गुलाब के फूल देखना मान-सम्मान में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में गुड खाते देखना किसी कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गुडिया देखना शीघ्र विवाह होने का या दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ने का, संतान सुख मिलने संकेत है।
- स्वप्न में गुठली खाते या फेंकते देखना प्रचूर मात्रा में धन लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में गेंहू देखना कठिन परिश्रम एवं मेहनत से धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में गेंद देखना परेशानी बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में गेंदे का फूल देखना मानसिक अशांति होने का संकेत है।
- स्वप्न में गेरुआ वस्त्र देखना शुभ समय के आगमन का संकेत है।

- स्वप्न में घडी देखना दूरस्थ स्थान की यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में घडी गुम होते देखना यात्रा का कार्यकर्म स्थगित होने का संकेत है।
- स्वप्न में घर खंडहर अवस्था में देखना भूमि-संपत्ति का में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में घर सजाया हुआ देखना भूमि-संपत्ति की हानि का संकेत है।
- स्वप्न में घर में किसी और का प्रवेश होते देखना शत्रु पर विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में घर में आग देखना सरकार से लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में घर सुवर्ण से बना देखना घर में आग लगने का संकेत है।
- स्वप्न में घर लोहे का बना देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में घडा भरा देखना धन लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में घंटे की आवाज़ सुनाई देना किसी वस्तु के चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में घंटाघर देखना किसे अशुभ समाचार प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में घाट देखना किसी तीर्थ यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में घायल को देखना संकट से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में घास देखना कार्य क्षेत्र में लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में घी देखना धन-संपत्ति में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में घुटने टेकते देखना किसी से वाद विवाद में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में घुंघरू की आवाज सुनना सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में घूंघट देखना नया व्यापार या नौकरी में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में घोड़ा सजा हुआ देखना किसी महत्वपूर्ण कार्य में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में घोड़ा काले रंग का देखना समाज में मान-सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में घोड़े या हाथी पर चड़ते देखना भाग्योदय होने का संकेत है।

- स्वप्न में चलता पहिया देखना कारोबार में उन्नत्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में चप्पल पहनने देखना दूरस्थ स्थान की यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में चक्की देखना मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में चमडा देखना दुःख से कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चबूतरा देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में चट्टान काले रंग की देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में चट्टान सफेद रंग की देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में चरबी देखना कार्य स्थल या निवास स्थान पर आग लगने का संकेत है।
- स्वप्न में चन्द्र ग्रहण देखना बनते कार्य बिगड ने का संकेत है।
- स्वप्न में चमगादर उड़ते देखना दूरस्थ स्थान की यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में चमगादर लटका हुवा देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में चम्मच देखना स्वजन से धोखा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चप्पल देखना किसी यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में चटनी खाते देखना दुखो में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में चरखा चलाते देखना मशीनरी खराब होने का संकेत है।
- स्वप्न में चश्मा लगते देखना विद्या प्राप्ति एवं मान-सम्मान की प्राप्ति का संकेत हैं।
- स्वप्न में चश्मा खोते देखना चोरी से नुक्शान होने का संकेत है।
- स्वप्न में चांदी के बर्तन में दूध पीते देखना धन-संम्पत्ति में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में चारपाई देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में चादर समेट कर रखते देखना – चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में चादर मैली देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चंचल आँखे देखना किसी बीमारी से कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चांदी की वस्तु देखना गृह क्लेश बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में चोकलेट खाते देखना शुभ समय आने वाला है
- स्वप्न में चाय देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में चावल देखना कठिनाई से धन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चाकू देखना देखना संधर्ष के बाद विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में चित्र देखना किसी पुराने मित्र से भेट होने का संकेत है।
- स्वप्न में चिडिया देखना किसी मेहमान के आने का संकेत है।
- स्वप्न में चींटी देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चींटी मारना किसी काय में शीघ्र सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चींटियों का जमघट देखना परेशानी से कष्ट होने का संकेत है।

- स्वप्न में चील देखना समाज में बदनामी होने का संकेत है।
- स्वप्न में चुम्बन लेते देखना आर्थिक समृधि होने का संकेत है।
- स्वप्न में चुम्बन देत देखना मित्र से प्रेम बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में चुटकी लेते देखना परिवार में कलेश बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में चुडैल देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में चूहा देखना औरत से धोखे का संकेत है।
- स्वप्न में चूहा फंसा देखना शारीरिक कष्ट होने का संकेत है।
- स्वप्न में चूहे को चूहे दानी से निकलते देखना किसी कष्ट से शीघ्र मुक्ति मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चूहा मरा देखना धन लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में चूहा मारते देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में चूडिया तोड़ते किसी स्त्री को दिखे तो उसके पति के दीर्घायु होने का संकेत है।
- स्वप्न में चूडिया सफेद रंग की देखना धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में चूल्हा देखना उत्तम भोजन प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में चूरन खाते देखना बीमारी से राहत मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चेचक निकले देखना धन प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में चोर का पकड़े जाना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चोटी पर स्वयं को देखना नुक्शान होने का संकेत है।
- स्वप्न में चोराहा देखना यात्रा में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चौकीदार देखना आकस्मिक धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में चौथ (चतुर्थी) का चाँद देखना अशुभ संकेत है।

- स्वप्न में छत देखना भवन निर्माण का संकेत है।
- स्वप्न में छड़ी देखना संतान से लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में छतरी खोल कर चलते देखना किसी मुसीबतों से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में छत्र देखना सरकार से सम्मान मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में छलनी देखना व्यापार में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में छल्ला पहने देखना शिक्षा में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में छलांग लगाते देखना असफलता प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में छम-छम (पायल जैसी) आवाज़ सुनना मेहमान के आगमन का संकेत है।
- स्वप्न में छाज देखना समाज में सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में छाछ पीते देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में छापाई खाना देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में छात्रो का समूह देखना शिक्षा में लाभ मिलने का संकेत है।

- स्वप्न में छिपकली देखना दुश्मन से कष्ट प्रप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में छींक आते देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में छुआरा खाते देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में छुरा देखना दुश्मन से भय मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में छोटे बच्चे देखना मोनोकामना पूर्ण होने का संकेत है।

- स्वप्न में जमघट देखना अपने कार्य की प्रशंसा होने का संकेत है।
- स्वप्न में जयकार सुनना किसी संकट ग्रस्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में जलते देखना सामाजिक मान सम्मान की प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में ज्योतिषी को देखना संतान को कष्ट होने का संकेत है।
- स्वप्न में जटाधारी साधु देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में जंजीर को खुली देखना जुठे इल्जाम लगेने का संकेत है।
- स्वप्न में स्वयं को जंजीर में जकडे देखना किसी समस्याओ से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में जल देखना संकट से ग्रस्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में जड़े देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में ज्वालामुखी देखना स्थान परिवर्तन होने का संकेत है।
- स्वप्न में जमीन पर चलते देखना नया रोजगार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में जमीन खोदते देखना कार्य में कठिन परिश्रम से लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में जंगल देखना कष्ट दूर होने का संकेत है।
- स्वप्न में जलेबी खाते देखना सुख-ऐश्वर्य में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में जलते घर देखना बीमारी परेशानी बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में जलता मुर्दा देखना किसी शुभ समाचार की प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में जहाज देखना किसी दुर्घटना में फंसने का संकेत है।
- स्वप्न में जादू देखना या करना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में जाल मकडी का देखना शुभ संकेत है। मछली का दिखे तो संकट से ग्रस्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में जामुन देखना महत्वपूर्ण यात्रा जाने का संकेत है।
- स्वप्न में जुलूस देखना नौकरी में पदोन्नत्ति मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में जूते से पीटते देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में जेब खाली देखना अशुभ संकेत है
- स्वप्न में जेब भरी देखना अधिक खर्च होने का संकेत है।
- स्वप्न में जेल देखना मान-सम्मान की हानी होने का संकेत है।
- स्वप्न में जेल से छूटते देखना किसी कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में जोकर देखना समय की बर्बादे होने का संकेत है।

- स्वप्न में झगडा होते देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में झरना ठंडे पानी का देखना संकेत है, लेकिन गर्म पानी का झरना रोग से पीड़ित होने संकेत है।
- स्वप्न में झंडा सफेद रंग का या किसी मंदिर का देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में झंडा हरे रंग का देखना यात्रा में कष्ट होने का संकेत है।
- स्वप्न में झंडा पीले रंग का देखना बीमारी होने का संकेत है।
- स्वप्न में झाड़ू लगाते देखना घर में चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में झुनझुना देखना परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत है।

- स्वप्न में टंकी खाली देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में टंकी भरी हुई देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में टाई सफेद रंग की देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में टाई रंगीन देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में टेलीफोन करते देखना नये लोगों से मित्रता होने का संकेत है।
- स्वप्न में टेबल देखना लेने-देने संबंधित कार्य से लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में टैक्स देते देखना चलते कार्य में रूकावट होने का संकेत है।
- स्वप्न में टैक्स लेते देखना आर्थिक लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में टोकरी खाली देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में टोकरी भरी देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में टोपी उतारते देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में टोपी सर पर रखी देखना स्वजनो से अपमान होने का संकेत है।

- स्वप्न में डंडा देखना दुश्मन से सावधान रहने का संकेत है।
- स्वप्न में डफली बजाते देखना घर में मांगलिक कार्य होने का संकेत है।
- स्वप्न में डाक खाना देखना बुरे समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में डाकिया देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में डॉक्टर देखना निराशा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में डाकू देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में डिब्बा खाली देखना शुभ संकेत हैं।
- स्वप्न में डिब्बा भरा देखना अशुभ संकेत हैं।

- स्वप्न में तरबूज देखना धन लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में तराजू देखना कार्य उचित ढंग से पूर्ण होने का संकेत है।
- स्वप्न में तबला बजते देखना जीवन में सुख-शांति प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में तकिया देखना समाज में मान सम्मान बढने का संकेत है।
- स्वप्न में तलवार देखना धर्मिक कार्य संपन्न होने एवं शत्रु पर विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में तपस्वी देखना मन की शांति मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में तला पकवान खाते देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में तलाक देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में तमाचा मारते देखना शत्रु पर विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में तराजू में तुलते देखना भयंकर बीमारी होने का संकेत है।
- स्वप्न में तवा खाली देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में तवे पर रोटी सेकते देखना धन-संपत्ति बढने का संकेत है।
- स्वप्न में तहखाना देखना तीर्थ यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में ताम्बा देखना सरकार से लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में तालाब में तैरते देखना स्वस्थ्य लाभ का संकेत है।
- स्वप्न में ताला देखना चलते काम में रूकावट आने का संकेत है।
- स्वप्न में ताली बजते देखना बिगडे कार्य बनने का संकेत है।
- स्वप्न में तांगा देखना जीवन में सुख वृद्धि एवं यात्रा में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में ताबीज बांधा देखना कार्य में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में ताबीज़ देखना – शुभ समय का आगमन होने का संकेत है।
- स्वप्न में ताश के पत्ते देखना किसी से लडाई होने का संकेत है।
- स्वप्न में तारे देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में तितली देखना शीघ्र विवाह होने व प्रेम की वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में तितली उड़ती दिखे तो दांपत्य जीवन में क्लेश होने का संकेत है।
- स्वप्न में तितली पकड़ते देखना संतान सुख में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में तिल देखना व्यापार में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में तिराहा (तीन रास्ते) या त्रिसंगम देखना लडाई-झगडा होने का संकेत है।
- स्वप्न में त्रिशूल देखना महत्वपूर्ण मार्ग दर्शन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में त्रिमूर्ति देखना नौकरी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में तिजोरी बंद करते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में तिजोरी टूटती देखना व्यापार में बढोतरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में तिलक करते देखना व्यापार में बढोतरी होने का संकेत है।

- स्वप्न में तूफान देखना या उसमे फँसते देखना संकट से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में तेल या तेली को देखना समस्या बढने का संकेत है।
- स्वप्न में तोप देखना शत्रु पर विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में तोता देखना प्रसन्नता बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में तोंद बढ़ी देखना पेट संबंधित परेशानी होने का संकेत है।
- स्वप्न में तोलिया देखना स्वस्थ्य लाभ मिलने का संकेत है।

- स्वप्न में थप्पड़ खाते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में थप्पड़ मारते देखना किसी वाग-विवाद में फँसने का संकेत है।
- स्वप्न में थक जाते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में थर थर शरीर का कंपन होते देखना सामाजिक मान सम्मान बढने का संकेत है।
- स्वप्न में थाली भरी देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में थाली खाली देखना सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में थूकते देखना समाज में मान सम्मान बढने का संकेत है।
- स्वप्न में थैली भरी देखना देखना भूमि-भवन आदि में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में थैली खाली देखना भूमि-भवन से संबंधित कार्यों में वाग-विवाद बढ़ने का संकेत है।

- स्वप्न में दरवाजा बंद देखना मानसिक चिंता बढने का संकेत है।
- स्वप्न में दरवाजा खोलते देखना नया कार्य शुरू होने का संकेत है।
- स्वप्न में दरवाजा गिरते देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में दही देखना धन लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में दलिया खाते देखना स्वस्थ्य संबंधित समस्या होने का संकेत है।
- स्वप्न में दरार देखना घर में फूट पड़ने का संकेत है।
- स्वप्न में दलदल देखना काम में अरुचि होने का संकेत है।
- स्वप्न में दक्षिणा की लेन-देन होते देखना व्यापार में नुक्शान होने का संकेत है।
- स्वप्न में दमकल (इंजन) चलाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में दर्पण देखना मानसिक अशांति बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में दस्ताना पहनने देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में दहेज़ का लेन-देन होते देखना चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में दरजी को काम करते देखना कोर्ट-कचहरी के कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।

- ❖ स्वप्न में दवा खाते-खिलाते देखना नये लोगों से बंधुता होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दवा गिरते देखना रोगों से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दांत टूटते देखने शुभ संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दांत में दर्द होते देखना नये कार्य में लाभ मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दादा या दादी को मृत देखना मान सम्मान बढने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दान लेते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दान देते देखना धन हानि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दाह क्रिया होते देखना मनोइच्छित कार्य संपन्न होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दातुन करते देखना कष्ट दूर होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दाना पक्षियो को डालते देखना व्यापार में लाभ मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दाग-धब्बा देखना चोरी होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दामाद को देखना पुत्री को कष्ट होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दाल कपडो पर गिरते देखना शुभ संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दाल पीते देखना कार्य में रूकावट का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दाढ़ी सफेद देखना कार्य में रूकावट का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दाढ़ी काली देखना धन वृद्धि का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दीपक बुझाते देखना नये कार्य के शुभारंभ का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दीपक जलाना किसी अशुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में दीवाली देखना व्यापार में घाटा होने का संकेत है।


## ❖ क्या आपको उच्च अधिकारी से परेशानी हैं?
## ❖ क्या आपकी अपने सहकर्मचारी से अनबन होती हैं?
## ❖ क्या आपके अधिनस्थ कर्मचारी आपकी बात नही मानते?

यदि आपको अपने उच्च अधिकारी, सहकर्मचारी, अधिनस्थ कर्मचारी से परेशानी हैं। आपके अनूकुल कार्य नहीं करते या आपको करने नहीं देते? वह आपकी बात नहीं मानतें? बिना वजह आपको परेशान करते हैं? अन आवश्यक कार्य आपसे करवाते हैं। आपका प्रमोशन रुकवादेते हैं। उचित कार्य करने पर भी आपके कार्य में नुक्श निकालते हैं? यदि आप इसी तरह कि किसी समस्या से ग्रस्त हैं तो आप उन अधिकारी, सहकर्मी, अधिनस्थकर्मी या अन्य किसी व्यक्ति विशेष के नाम से गुरुत्व कार्यालत द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्र सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त वशीकरण कवच एवं एस.एन.डिब्बी बनवाले एवं उसे अपने घर-ओफिस में स्थापित कर अल्प पूजा, विधि-विधान से आप विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप मंत्र सिद्ध वशीकरण कवच एवं एस.एन.डिब्बी बनवाना चाहते हैं, तो संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

- स्वप्न में दीपक देखना समाज में मान सम्मान बढने का संकेत है।
- स्वप्न में दीपक दान करते देखना बीमारी दूर होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में दुल्हन देखना सुख-समृद्धि मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में दुकान करते देखना मान सामाजिक सम्मान बढने का संकेत है।
- स्वप्न में दुकान बेचते देखना समाज में मानहानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में दुकान खरीदते देखना धन का लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में दुकान बंद होते देखना कष्टों में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में दुपट्टा देखना स्वस्थ्य लाभ का संकेत है।
- स्वप्न में दूल्हा या दुल्हन बनते देखना समाज में मान-सम्मान में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में दूल्हा-दुल्हन बारात सहित देखना किसी रोग के बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में दूरबीन देखना समाज में मान-सम्मान में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में दूध देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में दुकान पर बैठते देखना धन लाभ और पद-प्रतिश्ठा बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में दोमुहा सांप देखना दुर्घटना से सम्मुखिन होने व मित्र द्वारा विश्वासघात होने का संकेत है।
- स्वप्न में दौड़ते देखना कार्य में असफलता मिलने का संकेत है।

- स्वप्न में धमाका सुनना कष्ट बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में धतूरा खाते देखना संकट से रक्षा होने का संकेत है।
- स्वप्न में धनुष देखना सभी कर्मो में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में धब्बे देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में धार्मिक आयोजना देखना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में धागा देखना कार्य में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में धुरी देखना सामाजिक मान सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में धुआ देखना परेशानीयां बढ़ने और संकट में फंसने का संकेत है।
- स्वप्न में धुंध देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में धुन सुनना (मधुर) परेशानी बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में धूल देखना यात्रा में लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में धोबी देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में धोती देखना यात्रा पर जाने का संकेत है।


## धन वृद्धि डिब्बी

धन वृद्धि डिब्बी को अपनी अलमारी, कैश बोक्स, पूजा स्थान में रखने से धन वृद्धि होती हैं जिसमें **काली हल्दी**, लाल- पीला-सफेद लक्ष्मी कारक हकीक (अकीक), लक्ष्मी कारक स्फटिक रत्न, 3 पीली कौडी, 3 सफेद कौडी, गोमती चक्र, सफेद गुंजा, रक्त गुंजा, काली गुंजा, इंद्र जाल, माया जाल, इत्यादी दुर्लभ वस्तुओं को शुभ महुर्त में तेजस्वी मंत्र द्वारा अभिमंत्रित किय जाता हैं।

**मूल्य मात्र Rs-730**

- ❖ स्वप्न में नल खुला देखना कार्य में शीघ्र सफलता मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नल बंद देखना कार्य में विघ्न-बाधा आने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नरक देखना कठिनाइयाँ बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नगीना देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नगाडा देखना धन लाभ और मान-सम्मान मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नमाज़ पढते देखना पूराने कष्ट दूर हो कर शान्ति प्राप्त होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नमक खाते देखना झगडे में फँसने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नमक देखना पुरानी बीमारी दूर हों और कार्य क्षेत्र में लाभ की प्राप्ति होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नमकदानी देखना गृहस्थ सुख में वृद्धि का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में स्वयं को नशे में देखना धन वृद्धि हों होने लेकिन समस्या बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नरगिस का फूल देखना पारिवारिक सुख वृद्धि का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नदी-नाले में गिरते देखना अनेक संकट आने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नक़ल स्वयं को करते देखना कार्य में असफलता मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नक़ल अन्य को करते देखना यात्रा में रुकावट व बनते काम बिगडने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नक्शा बनाना कोई नई योजनाये शुरू होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नकसीर बहते देखना मानसिक परेशानिया बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नकाब लगाना किसी गंभीर बीमारी के आगमन का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नट (कलाबाज़) को देखना पारिवारिक सुख शाति बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नसवार सूंघते देखना मानसिक परिशानिया बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नदी देखना भविष्य में सुखों की प्राप्ति होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नदी में स्नान करते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नदी में गिरते देखना कार्य में किसी रुकावट के बाद में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नहर खोदना कार्य सम्बन्धी नई योजनाये मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नग्न होते देखना भोग-विलास के साधन बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नदी देखना दुःख दूर हो कर धन मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नाखून टूटते देखना सफलता विलम्ब से मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नाक बहुत बड़ी देखना मान सम्मान बढ़ने और पदौन्नति होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नाखून देखना कार्य में बाधा आने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में नाक से खून बहते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नाटक देखना गृहस्थ का सुख में वृद्धि लेकिन भविष्य अनिश्चित होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में नाटक में भाग लेते देखना स्वजन से धोखा मिलने का संकेत हैं।

- स्वप्न में नारियल देखना धन लाभ, धार्मिक आयोजना में शामिल होने व स्वादिष्ट भोजन मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में नाक पर चोट लगते देखना मान सम्मान में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में नासूर देखना किसी बीमारी से छुटकारा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में नापतोल करना व्यापार में घाटा होने का संकेत है।
- स्वप्न में नाग को बिल में जाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में नाग को बिल से बाहर निकलते देखना धन हानि का संकेत है।
- स्वप्न में नाग का डंक मारना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में नाग को घर में देखना उस देखे गए स्थान की पवित्रता का संकेत है।
- स्वप्न में किसी को नाग उठाये देखना धन-संपत्ति प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में नाना-नानी को देखना पारिवारिक सुख बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में नाडा बंधते-टूटते देखना पारिवारिक कलेश बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में नाला देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में नाव देखना गृहस्थ सुख में वृद्धि का संकेत हैं।
- स्वप्न में नाव में बैठना अनेक संकट से ग्रस्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में नाई से हजामत बनवाते देखना किसी से धोखा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में नारद देखना धन लाभ लेकिन लड़ाई झगडा होने का संकेत है।
- स्वप्न में नाभि देखना कार्य क्षेत्र में प्रगति तथा धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में निरादर होते देखना मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में निशाना हाथ लगते देखना पुरानी इच्छा पूर्ण होने का संकेत है।
- स्वप्न में नितम्ब देखना गृहस्थ सुख में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में नीम का वृक्ष देखना पुरानी बिमारी दूर होने का संकेत है।
- स्वप्न में नीलम रत्न देखना शुभ समाचार मिलने और दुश्मन के परस्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में नींद में सोते या नींद से उठाते देखना धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में नीलकंठ देखना मान सम्मान बढ़ने का संकेत है व अविवाहित हैं तो शीघ्र विवाह होने का संकेत है।
- स्वप्न में नींबू काटते या निचोड़ते देखना धार्मिक कार्य में सामिल होने का संकेत है।
- स्वप्न में नुकीली चीज़ से चोट लगते देखना किसे से वाद विवाद में फसने का संकेत है।
- स्वप्न में नुकीला जूता देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में नेवला देखना पुराने संकट समाप्त हो एवं सूवर्ण की प्राप्ति का संकेत हैं।

- स्वप्न में परी देखना कार्य में सफलता एवं भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में पहाड़ देखना शत्रु पर विजय होने का संकेत है।

- स्वप्न में पम्प से पानी निकालते देखना व्यवसाय में रुकावट आने का संकेत है।
- स्वप्न में प्रसाद बाँटते देखना स्वास्थ्य लाभ एवं सुख -समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पहाड़ पर चढ़ते देखना मान सम्मान एवं धन वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में पहाड़ से उतरते देखना व्यापार में समस्याएं आने का संकेत है।
- स्वप्न में परदेशी को देखना मनोकामना पूर्ति का संकेत है।
- स्वप्न में पटका (कमरबंद) बांधते देखना सामाजिक मान सम्मान एवं धन वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में पटाखा देखना ख़ुशी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पलंग देखना किसी से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में पनघट को सूना देखना किसी से निमंत्रण मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पनघट पर भीड़ देखना – परिवार में उत्सव होने का संकेत है।
- स्वप्न में परिवार देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पनीर खाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पपीता खाते देखना पेट के रोग होने का संकेत है।
- स्वप्न में पहरेदार को देखना मूल्यवान वस्तु के चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में पंजीरी खाते देखना किसी बीमारी के आने का संकेत है।
- स्वप्न में परछाई देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पगड़ी देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पर्दा सफेद रंग का देखना समाज में मान हानि का संकेत है।
- स्वप्न में पर्दा काले रंग का देखना शीघ्र धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पर्वत या वृक्ष देखना दुःख दूर होने धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पर्स देखना कोई गुप्त कार्य पूरा होने का संकेत है।
- स्वप्न में पहिया देखना कार्य क्षेत्र में शीघ्र प्रगति होने का संकेत है।
- स्वप्न में पंडाल देखना किसी बड़े उत्सव में शामिल होने का संकेत है।
- स्वप्न में प्लेट देखना या उसमें खाना शुभ संकेत है।


## विद्या प्राप्ति हेतु सरस्वती कवच और यंत्र

आज के आधुनिक युग में शिक्षा प्राप्ति जीवन की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है। हिन्दू धर्म में विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती को माना जाता हैं। बच्चो की बुद्धि को कुशाग्र एवं तीव्र हो, बच्चो की बौद्धिक क्षमता और स्मरण शक्ति का विकास हो इस लिए सरस्वती कवच अत्यंत लाभदायक हो सकता हैं।

सरस्वती कवच को देवी सरस्वती के परंम दूर्लभ तेजस्वी मंत्रो द्वारा पूर्ण मंत्रसिद्ध और पूर्ण चैतन्ययुक्त किया जाता हैं। जिस्से जो बच्चे मंत्र जप अथवा पूजा-अर्चना नहीं कर सकते वह विशेष लाभ प्राप्त कर सके और जो बच्चे पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें देवी सरस्वती की कृपा शीघ्र प्राप्त हो इस लिये सरस्वती कवच अत्यंत लाभदायक होता हैं।

| सरस्वती कवच : मूल्य: 460 और 550 | सरस्वती यंत्र :मूल्य : 370 से 1900 तक |
|---|---|

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

- स्वप्न में पत्थर देखना सरकार से धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में पत्र लिखते देखना परेशानी होने का संकेत है।
- स्वप्न में प्याज खाते देखना दुर्भाग्य से सम्मुखिन होने का संकेत है।
- स्वप्न में प्रशंसा सुनना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में प्याऊ बनवाना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में परीक्षा स्थल पर बैठे देखना कार्य में असफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पतंग उड़ते देखना लम्बी यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में पढ़ते या पढाते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पकवान खाते या बनाते देखना दुखो में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पहिया देखना यात्रा सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पानी देखना सुख समृधि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पानी पीते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पानी पर चलते देखना कारोबार में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पोलिश करते देखना नौकरी में उन्नति होने का संकेत है।
- स्वप्न में पान का वृक्ष देखना संतान के लिए समृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में पागल को देखना शुभ कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पाउडर लगाते देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पायल को बजते देखना स्त्री से वियोग होने का संकेत है।
- स्वप्न में पालकी पर बैठे देखना स्वस्थ्य संबंधित समस्या होने का संकेत है।
- स्वप्न में पालना देखना पारिवारिक सुख में वृद्धि होने का संकेत है।


## नवरत्न जड़ित श्री यंत्र

शास्त्र वचन के अनुसार शुद्ध सुवर्ण या रजत में निर्मित श्री यंत्र के चारों और यदि नवरत्न जड़वा ने पर यह नवरत्न जड़ित श्री यंत्र कहलाता हैं। सभी रत्नो को उसके निश्चित स्थान पर जड़ कर लॉकेट के रूप में धारण करने से व्यक्ति को अनंत एश्वर्य एवं लक्ष्मी की प्राप्ति होती हैं। व्यक्ति को एसा आभास होता हैं जैसे मां लक्ष्मी उसके साथ हैं। नवग्रह को श्री यंत्र के साथ लगाने से ग्रहों की अशुभ दशा का धारण करने वाले व्यक्ति पर प्रभाव नहीं होता हैं। गले में होने के कारण यंत्र पवित्र रहता हैं एवं स्नान करते समय इस यंत्र पर स्पर्श कर जो जल बिंदु शरीर को लगते हैं, वह गंगा जल के समान पवित्र होता हैं। इस लिये इसे सबसे तेजस्वी एवं फलदायि कहजाता हैं। जैसे अमृत से उत्तम कोई औषधि नहीं, उसी प्रकार लक्ष्मी प्राप्ति के लिये श्री यंत्र से उत्तम कोई यंत्र संसार में नहीं हैं एसा शास्त्रोक्त वचन हैं। इस प्रकार के नवरत्न जड़ित श्री यंत्र गुरूत्व कार्यालय द्वारा शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठित करके बनावाए जाते हैं।

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

- स्वप्न में पालना झुलाना संतान पक्ष को कष्ट होने का संकेत है।
- स्वप्न में पार्सल लेते खना आकस्मिक धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पाताल देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पार तैरकर करते देखना मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पिटारा देखना धन लाभ मिलने का का संकेत है।
- स्वप्न में पिजरा देखना स्वस्थ्य खराब होने का संकेत है।
- स्वप्न में पिजरा खाली देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पिजरे में पक्षी देखना गृह कलेश होने का संकेत है।
- स्वप्न में पीपल देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पीला रंग देखना स्वास्थ्य खराब होने का संकेत है।
- स्वप्न में पीठ देखना बंधु-बांधवों से लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में पीतल के बर्तन देखना धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में पीली सरसों देखना सब प्रकार से मंगल होने का संकेत है।
- स्वप्न में पीली बिल्ली देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पुस्तकालय देखना सुख-समृधि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पुस्तक खोते देखना मानहानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पुस्तक मिलते देखना मान सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पुजारी बनते देखना कार्य क्षेत्र में उन्नति होने का संकेत है।
- स्वप्न में पुडिया बंधते देखना शारीरिक कष्ट बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पुरस्कार मिलते देखना किसी कार्य में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पुल पार करते देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पुल टूटते देखना संकट से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पूजा पाठ करते देखना सुख-शान्ति तथा समृद्धि मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पूर्वज देखना समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पूजा या प्रार्थना करते देख मानसिक शान्ति मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में प्रेम प्रस्ताव रखते देखना विवाह में विलंभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में पेड़ पौधे देखना कार्य क्षेत्र में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पेटी खोलते देखना चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में पेशाब करते देखना पुराने संकट दूर होने व धनप्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में पैर कटे देखना शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में पैर खुजलाते देखना शीघ्र पर यात्रा जाने का संकेत है।
- स्वप्न में पैबंद लगाना कष्ट मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पैसा मिलना मुफ्त का धन मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पेन या पैंसिल देखना परीक्षा में सफलता प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पोछा लगाना स्थान परिवर्तनहोने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पोशाक पहनना किसी बीमारी के आगमन का संकेत हैं।

- स्वप्न में फलाहार करते देखना सुख समृद्धि बढने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फटे कपडे देखना धनहानि होने व चिंताए बढने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फ़कीर देखना कार्य में सफलता प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फ़रिश्ता देखना मनोकामना पूर्ण होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फंदा लगाए देखना मुसीबतों से छुटकारा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फफोला टूटना मुसीबतें छुटकारा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फवारा देखना पुरानी मुसीबते दूर हो ने व प्रसन्नता बढने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फाखता देखना स्त्री से कष्ट मिले, मानसिक ग्लानता होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फाटक देखना कोर्ट-कचहरी के कार्य में सफल होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फाटक पार करते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फिटकरी देखना धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फांसी लगाते देखना जीवन में नई राहे मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फिरोजा रत्न देखना शत्रुओं पर विजय प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फूलवारी देखना मनोवांछित विवाह होना एवं प्रम बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फुल्का खाते देखना आर्थिक समृद्धि के साथ किसी अप्रिय समाचार मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फुलझडी छूटते देखना किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने संकेत हैं।
- स्वप्न में फुहार पढ़ते देखना धन-समृद्धि बढने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फूलदान देखना समाज में मान सम्मान बढने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फूटी आँख देखना शारीरिक और आर्थिक कष्ट बढने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फूल खिलते देखना संतान सुख में वृद्धि एवं प्रसन्नता बढने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फूल को जलते देखना प्रिय व्यक्ति से वियोग होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फूल की कली देखना स्वास्थ्य संबंधित परेशानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में फूंक मारना सामाजिक कार्यो से मान सम्मान बढने का संकेत हैं।

- स्वप्न में बतक (बतख) को पानी में तैरता देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बतख ज़मीन पर देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में बन्दर को देखना धन वृद्धि होने व उत्तम भोजन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बटन देखना धन बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बटन लगाते देखना संकट आने का संकेत है।

- स्वप्न में बरसात शहर में होते देखना चारों और खुशहाली बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बरसात अपने घर में होते देखना संकट बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बरसात में छाता खल कर चलते देखना संकट दूर होने का संकेत है।
- स्वप्न में बकरी चुराते या खोते देखना किसी से लडाई-झगड़े होने का संकेत है।
- स्वप्न में बर्फ खाते देखना मानसिक चिंताए दूर होने का संकेत है।
- स्वप्न में बर्फ गिरते देखना आर्थिक लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में बनिए को दरवाज़े पर देखना क़र्ज़ में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में बटुआ देखना धन लाभ प्राप्त होने का और पुराने रोग से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बनयान पेहेनते देखना धन-धान्य बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बगुला सफ़ेद रंगका देखने से पर लाभ, काले रंग का देखने पर हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में बधाई का सन्देश मिलते देखना दुःखद समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बछड़ा देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बंदूक चलाते देखना शत्रुता समाप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाल गिरते देखना आर्थिक द्रष्टि कमजोर होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाजू काटते देखना स्वजनो से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाजू पर चोट लगाते देखना माता-पिता को कष्ट होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में बाजू कटी हुई देखना शत्रु पर विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में बांस देखना कार्य क्षेत्र में लगातार उन्नति होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाज़ देखना किसी दुर्घटना में फँसने का सांकेत हैं।
- स्वप्न में बाज़ द्वारा झपट्टा मारते देखना उचाई से गिरने का संकेत हैं।
- स्वप्न में बरात में जाते देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बाघ देखना शत्रु पर विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में बारहसिंघा को देखना किसी दूर स्थान की यात्रा होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाढ़ आते देखना संकटों से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बाढ़ में घिरते देखना माहोल खुशहाल होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाढ़ में फंसे लोगों को बचाते देखना गृह कलेश बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बाढ़ के पानी पर तैरते देखना व्यापार में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बाढ़ में लोगों को डूबते देखना किसी लम्बी यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में बादल को बरसते देखना पारिवारिक सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बादल से बिजली गिरते देखना किसी अशुभ समाचार की प्राप्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में बादल को छूते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाज़ार में स्वयं को घूमते देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बाजीगरी के दृष्य देखना किसी षडयंत्र में फसने का संकेत है।
- स्वप्न में बादाम खाते देखना स्वस्थ्य संबंधित समस्या होने का संकेत है।

- स्वप्न में बादाम देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में बादशाह देखना मान-सम्मान एवं धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में बाल सर के कटे देखना क़र्ज से राहत मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बाल स्वयं के काले देखना प्रचुर धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बाल स्वयं के सफ़ेद देखना समाज में उच्च स्थान की प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में बाल कटे देखना गृह कलेश बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बाल हथेली या तलुओं में देखना क़र्ज़ में फसने का संकेत है।
- स्वप्न में बाल बगल के या नाभि के नीचे के अंग के देखना समाज में अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में बातें अधिक करते देखना मान-सम्मान की प्राप्ति एवं कार्य में वृद्धि और होने का संकेत है।
- स्वप्न में बालू देखना धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में बालू छानते देखना आर्थिक संकट बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में बिछु जैसे भयानक जीव देखना – धन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में बौना देखना शीघ्र सुख-सौभाग्य की प्राप्ति का संकेत है।

- स्वप्न में भण्डार देखना भारी मात्रा में धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में भट्टठा देखना भूमि-भवन इत्यादि संपत्ति में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में भभूत लगाते देखना शीघ्र विवाह व गृहस्थी का सुख में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में भाई को देखना भाई दिर्धायु होने का संकेत है।
- स्वप्न में भाभी देखना स्वयं को कष्ट मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में भागते इंसान को देखना कार्य में संघर्ष के बाद में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में भांग का नशा करते देखना अपनों से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में भांड देखना किसी से वाद-विवाद में फँसने का संकेत है।
- स्वप्न में भाला लेकर चलते देखना शत्रु पर विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में भाला मारते देखना अपनो से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में भाले के खेल का प्रदर्शन करते देखना संकट या दुर्घटना होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में भिन्डी देखना पारिवारीक सुखो में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में भिखारी को देखना कार्य के अनुशार अच्छे फल मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में भीगते देखना सुख-समृद्धि में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में भीख मांगते या देते देखना पारिवारिक सुख, संपत्ति और समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में भीड़ का छटना देखना प्रचुर धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में भीड़ का कटना देखना दुःख मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में भीड़ देखना या उसमे चलते देखना कार्य अधूरा रहने का संकेत है।
- स्वप्न में भीड़ को उग्र रूप में देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।

- स्वप्न में भूकंप देखना तबाही आने और संकट बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में भूसा देखना पशुओं से लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में भूमिगत स्वयं को देखना भयंकर बीमारी और विपत्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में भेडिया देखना विश्वाश घात होने का संकेत है।
- स्वप्न में भेड़ को अकेली देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में भेड़ो को समूह देखना कार्य में लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में भैंसा देखना कार्य क्षेत्र में संघर्ष करने के उपरांट सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में भैस देखना उत्तम भोजन मिलने का संकेत है।

- स्वप्न में मच्छर देखना अपनो से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में मछली देखना गृहस्थ सुख में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में मखी देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मकडी देखना कठिन परिश्रम के बाद में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में मकान बनते देखना मान-सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मलाई खाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मर जाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मखमल पर बैठते देखना लम्बी बीमारी आये
- स्वप्न में मगर को देखना किसी शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में मंत्री देखना समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में माचिस जलते देखना दुश्मनी बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में माला पूजा की देखना सुख-सौभाग्य की वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में माला फूलों की पहने देखना मान-सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मातम करते देखना खुशहाली बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में माली को देखना घर में समृधि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में मिर्च खाते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में मिर्गी से पीड़ित देखना बुद्दि तेज होने का संकेत है।
- स्वप्न में मिठाई खाते या बाँटते देखना बिगडे कार्य सवरने का संकेत हैं।
- स्वप्न में मांस खाते देखना मनोकामना पूर्ण होने का संकेत है।
- स्वप्न में मुर्दा ले जाते देखना आकस्मिक लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में मुर्दे को जिन्दा देखना चिंता दूर होने का संकेत है।
- स्वप्न में मुर्दा शरीर से आवाज़ आते देखना बना बनाया कार्य बिगड़ ने का संकेत है।
- स्वप्न में मुर्दो का समूह देखना गलत कार्य में सलग्न होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में मुर्दे को नहलाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मुर्दे को कुछ देते हुए देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।

- स्वप्न में मुर्दे के साथ बैठ कर खाते देखना शुभ समय के आगमन का संकेत हैं।
- स्वप्न में मुर्गा देखना विदेश व्यापार से लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में मुर्गी देखना गृहस्थ सुख मे वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मोहर लगाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मुरझाये फूल देखना संतान को कष्ट होने का संकेत है।
- स्वप्न में मुंडन कराते देखना गृहस्थ जीवन से तनाव दूर होने का संकेत है।
- स्वप्न में मुहर्रम मनाते देखना व्यापार में उन्नत्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में मूंगा देखना कारोबार में उन्नत्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में मूंग, मसूर या मोठ(मठ) देखना विभिन्न परेशानीयों से ग्रस्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में मोची को देखना यात्रा लाभदायक होने का संकेत है।
- स्वप्न में मोम देखना किसी के साथ झगडे या विवाद में समझोता होने का संकेत है।
- स्वप्न में मोमबत्ती देखना शीघ्र विवाह होने व दांपत्य सुख में बृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में मोर को नाचते देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में मोर-मोरनी को देखना दांपत्य सुख में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में मोजा पहने देखना पति-पत्नी में प्रेम बढ़ने का संकेत है।

- स्वप्न में यन्त्र देखना अशुभ फल मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में यज्ञ देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में यमराज को देखना पुरानी बीमारी दूर होने का संकेत है।
- स्वप्न में योजना बनाते देखना अशुभ संकेत है।
- स्वप्न में योगासन करते देखना शुभ संकेत है।

## भाग्य लक्ष्मी दिब्बी

सुख-शान्ति-समृद्धि की प्राप्ति के लिये भाग्य लक्ष्मी दिब्बी :- जिस्से धन प्रप्ति, विवाह योग, व्यापार वृद्धि, वशीकरण, कोर्ट कचेरी के कार्य, भूतप्रेत बाधा, मारण, सम्मोहन, तान्त्रिक बाधा, शत्रु भय, चोर भय जेसी अनेक परेशानियो से रक्षा होति है और घर मे सुख समृद्धि कि प्राप्ति होति है, भाग्य लक्ष्मी दिब्बी मे लघु श्री फ़ल, हस्तजोडी (हाथा जोडी), सियार सिन्गी, बिल्लि नाल, शंख, काली-सफ़ेद-लाल गुंजा, इन्द्र जाल, माय जाल, पाताल तुमडी जेसी अनेक दुर्लभ सामग्री होती है।

**मूल्य:- Rs. 910 से Rs. 8200 तक उप्लब्द्ध**

**गुरुत्व कार्यालय संपर्क : 91+ 9338213418, 91+ 9238328785**

- स्वप्न में रजाई ओढ़े देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में रजाई नई बनवाते देखना स्थान परिवर्तन होने का संकेत है।
- स्वप्न में रजाई फटी या पुरानी देखना देखना शुभ कार्य के शामिल होने का संकेत है।
- स्वप्न में रस्सी लपेटते देखना सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में रथ देखना यात्रा पर जाने का संकेत है।
- स्वप्न में रसभरी खाते देखना शीध्र विवाह होने और दांपत्य सुख में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रसगुल्ला खाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रद्दी देखना रुका हुआ धन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में रंग करते देखना किसी वस्तु की हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रक्षा करते देखना मान-सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रफू करते देखना नये वस्त्र-आभूषण की प्राप्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में रक्षा बंधन होते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रसोई घर गन्दा देखना अच्छा भोजन मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में रसोई घर स्वछ देखना आर्थिक संकट होने का संकेत है।
- स्वप्न में रास्ता साफ देखना नौकरी में तरक्की मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में रास्ता टेड़ा मेडा देखना कार्य में परेशानी होने का संकेत है।
- स्वप्न में राख देखना धन नाश होने का संकेत है।
- स्वप्न में रॉकेट देखना धन-संपत्ति की वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रात देखना परेशानीयां बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में राइ देखना कार्य में रूकावट होने का संकेत है।
- स्वप्न में राक्षश देखना संकट ग्रस्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में रामलीला होते देखना सुख सौभाग्य की वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रिश्वत लेते देखना सतर्क रहने का संकेत है।
- स्वप्न में रिक्शा देखना या उसमे बैठना प्रसन्ता बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में रेलवे स्टेशन देखना यात्रा लाभदायक होने का संकेत है।
- स्वप्न में रेल गाड़ी देखना कष्ट दायक यात्रा होने का संकेत है।
- स्वप्न में रेडियो बजते देखना प्रगति में रूकावट होने का संकेत है।
- स्वप्न में रेफ्रिजिरटर देखना आर्थिक लाभ प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में रेगिस्तान देखना धन सम्पदा में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में रोजा रखते देखना आर्थिक संकट आने का संकेत है।
- स्वप्न में रोना मान सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।

- स्वप्न में रोशनदान से झांक कर देखना विदेश से धन की प्राप्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में रोटी खाते या पकाते देखना बीमारी के आगमन का संकेत है।
- स्वप्न में रोटी बाँटते देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में रोटी फैंकते या गिरते देखना शीघ्र दूरस्थ यात्रा होने का संकेत है।

- स्वप्न में लंगर खाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में लंगूर को देखना किसी शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में लंगोटी देखना आर्थिक संकट बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में लकीर खींचते देखना गृह कलेश बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में लटकते हुए देखना सोचा हुआ कार्य शीघ्र सम्पन्न होने और धन-समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में अपने लड़के को गोद में देखना व्यापार धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में अन्य के लड़के को गोद में देखना कार्य क्षेत्र में परेशानी और घर में कलेश होने का संकेत है।
- स्वप्न में लड़ना विद्रोहियों के साथ देश-समाज में अशांति फैलने का संकेत है।
- स्वप्न में लगाम देखना धन वृद्धि और मान-सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में लक्ष्मी का चित्र देखना धन-सुख सौभाग्य की वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में लहसुन देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में लक्कड़ बाघ देखना नयी मुसीबतें आने का संकेत है।
- स्वप्न में लाल आँखे देखना शुभ फल मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में लालटेन जलते देखना चलते हुए कार्य में विघ्न आने का संकेत है।
- स्वप्न में लालटेन बुझते देखना अनेक समस्याओं का अंत होने का संकेत है।
- स्वप्न में लाठी देखना मित्रों से सहयोग एवं सुख शांति में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में लाल टीका देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में लाल वस्त्र देखना धन नाश होने का संकेत है।
- स्वप्न में लाल आकाश में देखना लडाई-झगडा बढ़ना आर्थिक नुक्शान होने का संकेत है।
- स्वप्न में लिफाफा खोलते देखना समाज में मानहानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में लोहा देखना कठिन मेहनत करने के बाद सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में लोहार देखना शत्रु से विजय प्राप्ति एवं सामाजिक मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में लोबिया खाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में लौकी देखना शुभ समाचार एवं धन वृद्धि होने का संकेत है।

- स्वप्न में वकील को कार्य क्षेत्र में कठिनाई बढ़ने और किसी से झगडा होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वेतन पाना कार्य में असफलता एवं धनहानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वरमाला देखना प्रियजनो से कलेश होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वसीयत करते देखना भूमि-संपत्ति से सम्बन्धी वाद-विवाद होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वायदा करते देखना झूठ बोलने का अभ्यासी होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वार्निश घर की वस्तुओं लगाते देखना परिवार पर संकट आने एवं स्वास्थ्य खराब होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वाष्प उड़ते देखना धनहानि, दुर्घटना तथा शारीरिक कष्ट मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में विदाई समारोह में भाग लेते देखना व्यापार में तेजी एवं धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में विमान देखना धन हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में विरासत लाते देखना व्यापार में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में विस्फोट होते देखना या सुनना नया रोजगार में मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में विज्ञापन पढते देखना धोखा या चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में वीणा स्वयं को बजाते देखना धन-धान्य तथा समृद्धि प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वीणा अन्य को बजाते देखना शोक समारोह में शामिल होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में वृद्धा देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।

- स्वप्न में शंख बजाते देखना या सुनना शुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शरबत देखना बीमारी से छुटकारा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शतरंज देखना समय व्यर्थ में बर्बाद होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शराब देखना आकस्मिक धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शराब पीते देखना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शहद की मक्खी देखना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शहद देखना शुभ कार्यो में रूचि बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शहतूत देखना उत्तम भोजन मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शहनाई बजाते देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शमशान पर जाते देखना दिर्धायु होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शरीर पर चादर लपेटना -गृह क्लेश बढ़ने का संकेत है।

- स्वप्न में शहर की ओर जाना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शहर का विनाश होते देखना अपना निवास स्थान छोड़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शव के साथ चलते देखना भाग्य वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शरीर की मालिश करते देखना रोग बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शामियाना देखना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में श्राद्ध करते देखना शुभ समय आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शाल ओढ़े देखना समाज में अपयश मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शार्क मछली देखना विदेश यात्रा होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शिकार करते देखना परिवार पर संकट आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शीशा देखना रोग ग्रस्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शीशा तोड़ते देखना परेशानीयां बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शेर देखना शत्रु पर विजय होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शोक मगन होते देखना घर में मांगलिक कार्य का आयोजन होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शौचालय देखना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में श्रृंगार करते देखना प्रेम प्रसंगों में उन्नति होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में श्रृंगार दान टूटते देहना दांपत्य जीवन में सुख एवं सफलता मिलने का संकेत हैं।

- स्वप्न में स्याही देखना सरकार से मान-सम्मान मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में स्टौव जलते देखना उत्तम भोजन मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में संगीत सुनना कष्ट बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में संदूक देखना आकस्मिक धन प्राप्ति एवं दांपत्य जीवन में खुशियां मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सजा या हुवा पाना देखना संकटों से छुटकारा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सट्टा खेलते देखना धोखा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सलाद खाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सर्कस देखना अधिक परिश्रम के उपरांत

प्रश्न कुण्डली से अपने किसी भी प्रश्नों का स्टिक उत्तर प्राप्त किजिए।

क्या आप अत्याधुनिक ज्योतिष प्रणाली से अपने भविष्य से संबंधित प्रश्नो का स्टिक उत्तर प्राप्त करना चाहते हैं तो आप गुरुत्व कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। हमारे प्रश्न ज्योतिष विशेज्ञ आपके द्वारा पूछे गये प्रश्न का ग्रहों के अधार पर उनकी सूक्ष्म गणना कर उसके स्टिक फलादेश से आपको अवगत कराने का प्रयास करेंगे। 3 प्रश्न मात्र :550

GURUTVA KARYALAY

Call Us - 9338213418, 9238328785,
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सरसों का साग खाते देखना पुरानी बीमारी दूर होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सरसों देखना व्यापार में लाभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में ससुर देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सर कटा देखना विदेश यात्रा लाभदायक होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सर फटा देखना कार्य में हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सर मुंडाते देखना गृह कलेश में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सर के बाल झड़ते देखना क़र्ज़ से मुक्ति मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में समारोह देखना परेशानी बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में ससुराल जाते देखना गृह कलेश बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में समुद्र पार करते देखना उन्नत्ति होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में साइकिल देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में साइकिल चलाते देखना कार्य में उन्नति मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में साइन बोर्ड देखना व्यापार में लाभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सावन आते देखना जीवन में ख़ुशहालि मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में साडी देखना शीघ्र विवाह होने एवं दाम्पत्य सुख में वृद्धि होने का संकेत हैं।


# मंत्र सिद्ध स्फटिक श्री यंत्र

"श्री यंत्र" सबसे महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली यंत्र है। "श्री यंत्र" को यंत्र राज कहा जाता है क्योकि यह अत्यन्त शुभ फ़लदयी यंत्र है। जो न केवल दूसरे यन्त्रो से अधिक से अधिक लाभ देने मे समर्थ है एवं संसार के हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद साबित होता है। पूर्ण प्राण-प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त "श्री यंत्र" जिस व्यक्ति के घर मे होता है उसके लिये "श्री यंत्र" अत्यन्त फ़लदायी सिद्ध होता है उसके दर्शन मात्र से अन-गिनत लाभ एवं सुख की प्राप्ति होति है। "श्री यंत्र" मे समाई अद्रितिय एवं अद्रश्य शक्ति मनुष्य की समस्त शुभ इच्छाओं को पूरा करने मे समर्थ होति है। जिस्से उसका जीवन से हताशा और निराशा दूर होकर वह मनुष्य असफ़लता से सफ़लता कि और निरन्तर गति करने लगता है एवं उसे जीवन मे समस्त भौतिक सुखो कि प्राप्ति होति है। "श्री यंत्र" मनुष्य जीवन में उत्पन्न होने वाली समस्या-बाधा एवं नकारात्मक उर्जा को दूर कर सकारत्मक उर्जा का निर्माण करने मे समर्थ है। "श्री यंत्र" की स्थापन से घर या व्यापार के स्थान पर स्थापित करने से वास्तु दोष य वास्तु से सम्बन्धित परेशानि मे न्युनता आति है व सुख-समृद्धि, शांति एवं ऐश्वर्य कि प्रप्ति होती है।

**गुरुत्व कार्यालय** मे "श्री यंत्र" 12 ग्राम से 2250 Gram (2.25Kg) तक कि साइज मे उप्लब्ध है

मूल्य:- प्रति ग्राम Rs. 9.10 से Rs.28.00

GURUTVA KARYALAY
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,
Visit Us: http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/

- स्वप्न में सारस पक्षिको देखना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में साला-साली देखना दाम्पत्य जीवन में सुख-धनवृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सागर को सूखते देखना बीमारी के आगमन एवं अकाल पड़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सारंगी बजते देखना अपयश मिलने और धन हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में साग (सब्ज़ियां) देखना अनावश्यक विवाद होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में साबुन देखना बीमारी दूर होने और स्वास्थ्य लाभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सांप या भयानक जीव देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में सांप मारते या पकड़ते देखना शत्रु पर विजय मिलने और आकस्मिक धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सांप से डर जाना बंधु-बांधव से विश्वासघात होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सांप से बातें करते देखना शत्रु से लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सांप नेवले की लडाई होते देखना कोर्ट-कचेहरी के कार्य में फसने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सांप के दांत देखना किसी रिश्तेदार के कारण कष्ट मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सांप को छत्त से गिरते देखना घर में बीमारी आने, कोर्ट-कचहरी के कार्य में हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सांप का मांस देखना प्रचुर धन लाभ मिलने के बाद खर्च हो जाने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिपाही को देखना असामजिक एवं अवैध कार्य से हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिनेमा देखना समय व्यर्थ में नष्ट होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिगरेट पीते देखना व्यर्थ में स्वास्थ्य समस्या एवं धन बर्बाद होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिलाई देखना समाज में मान-सम्मान बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिलाई मशीन देखना पति-पत्नी के बिच में झगडा होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिलाई करते खना बिगडा कार्य बनने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिप्पीयां पर हानि लेकिन उठाने पर लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सियार देखना बीमारी के आगमन एवं धन हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिन्दूर देखना दुर्घटना ग्रस्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सिन्दूर देवी-देवता पर चढ़ाते देखना मनोकामना पूर्ण होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सीताफल देखना परिश्रम के उपरांत धन लाभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सीमा पार करते देखना विदेश व्यापार से लाभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सीताफल देखना स्वास्थ्य लाभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सीना चौडा होते देखना सामाजिक लोकप्रियता में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सीड़ी पर चढ़ते देखना कार्य में असफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुतली रस्सी को कमर में बंधे देखना गरीबी के आगमन कार्य क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुदर्शन चक्र देखना अनैतिक कार्य का दंड शीघ्र मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुपारी देखना शीघ्र विवाह होने और वैवाहिक सुख बढ़ने का संकेत हैं।

- स्वप्न में सुनहरा रंग देखना रुका हुआ धन मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुरंग देखना नया कार्य आरंभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूई एक देखने पर सुख तथा अधिक देखने पर कष्ट में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुलगती अग्नि देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुन्दर स्त्री को देखना सामाजिक मान सम्मान की हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुनहरी धूप खिली देखना सरकार से धन लाभ एवं सामजिक मान सम्मान बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुराही (धड़ा या जग) देखना रोग से छुटकारा लेकिन गृहस्थ जीवन में तनाव होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुगंध महसूस करते देखना त्वचा रोग के आगमन का संकेत हैं।
- स्वप्न में सुनसान जगह देखना बलवृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूद लेते देखना धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूद देते देखना धन हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूली पर चढ़ते देखना शुभ समाचार मिलने और चिन्ताओ से मुक्ति होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूर्य को देखना धन संपत्ति, मान सम्मान बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूर्य की तरह स्वयं का चेहरा चमकते देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूअर देखना बुरे लोगों की संगति होने और मानहानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूअर का दूध पीते देखना चरित्र खराब होने एवं सरकार से दंड मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूरजमुखी का फूल देखना संकट आने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सूर्य-चन्द्र आदि ग्रहों का विनाश होते देखना मृत्यु तुल्य कष्ट मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सेम की फली देखना धन हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सेब देखना दुःख के बाद सुख प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में सेंध लगाते देखना बहुमूल्य वस्तु के खोने


## दुर्गा बीसा यंत्र

शास्त्रोक्त मत के अनुशार दुर्गा बीसा यंत्र दुर्भाग्य को दूर कर व्यक्ति के सोये हुवे भाग्य को जगाने वाला माना गया हैं। दुर्गा बीसा यंत्र द्वारा व्यक्ति को जीवन में धन से संबंधित संस्याओं में लाभ प्राप्त होता हैं। जो व्यक्ति आर्थिक समस्यासे परेशान हों, वह व्यक्ति यदि नवरात्रों में प्राण प्रतिष्ठित किया गया दुर्गा बीसा यंत्र को स्थाप्ति कर लेता हैं, तो उसकी धन, रोजगार एवं व्यवसाय से संबंधी सभी समस्यों का शीघ्र ही अंत होने लगता हैं। नवरात्र के दिनो में प्राण प्रतिष्ठित दुर्गा बीसा यंत्र को अपने घर-दुकान-ओफिस-फैक्टरी में स्थापित करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं, व्यक्ति शीघ्र ही अपने व्यापार में वृद्धि एवं अपनी आर्थिक स्थिती में सुधार होता देखेंगे। संपूर्ण प्राण प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य दुर्गा बीसा यंत्र को शुभ मुहूर्त में अपने घर-दुकान-ओफिस में स्थापित करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं।

**मूल्य: Rs.730 से Rs.10900 तक**

GURUTVA KARYALAY: Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785,
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

का संकेत हैं।

- ❖ स्वप्न में सेवा करते करना परिश्रम का फल शीघ्र मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सेवा करवाते देखना स्वास्थ्य खराब होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सेहरा बंधते देखना दाम्पत्य जीवन में कलेश बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सैनिक देखना बल और साहस में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोंठ खाते देखना स्वास्थ्य में सुधार लेकिन धन हानि होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोना देखना परिवार में बीमारी बढ़ने और धन हानि होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोना मिलते देखना धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोना दुसरे को देते देखना अपने कार्य का लाभ दूसरों को मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोना लुटाते देखना परेशानिया बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोना गिरवी रखते देखना स्वजनो से अपमान होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोते हुए देखना धन हानि या चोरी का का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोते हुए शेर को देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में सोलह श्रृंगार देखना स्वास्थ्य खराब होने का संकेत हैं।

- ❖ स्वप्न में हड्डी देखना स्वास्थ्य लाभ एवं शुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हरियाली देखना मन की प्रसन्नता बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हल्दी की गाँठ देखना आर्थिक लाभ होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हल्दी पीसी देखना परेशानी बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हवा में उड़ते देखना  यात्रा में कष्ट होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हवा तेजी से चलते देखना दुखो में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हवा मध्यम चलते देखना शत्रु से हानि होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हथकडी देखना परेशानियां बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हथेली पुरुष की देखना शत्रुता बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हथेली स्त्री की देखना प्यार बढ़ने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हवेली देखना स्वजन से वियोग होने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हकीम को देखना बीमारी बढ़ने और ज्ञान वृद्धि का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में हुंकार सुनना शत्रु से पराजय होने का संकेत हैं।

**गणेश लक्ष्मी यंत्र:** प्राण-प्रतिष्ठित गणेश लक्ष्मी यंत्र को अपने घर-दुकान-ओफिस-फैक्टरी में पूजन स्थान, गल्ला या अलमारी में स्थापित करने व्यापार में विशेष लाभ प्राप्त होता हैं। यंत्र के प्रभाव से भाग्य में उन्नति, मान-प्रतिष्ठा एवं  व्यापर में वृद्धि होती हैं एवं आर्थिक स्थिमें सुधार होता हैं। गणेश लक्ष्मी यंत्र को स्थापित करने से भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी का संयुक्त आशीर्वाद प्राप्त होता हैं। **Rs.550 से Rs.8200 तक**

- स्वप्न में हत्या होते देखना दीर्घायु होने का संकेत लेकिन शत्रु से सावधान रहने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हत्या स्वयं को करते देखना लडाई झगडा से शांति मिलने के संकेत हैं।
- स्वप्न में हरा रंग देखना सुख शान्ति में वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हरा धनिया देखना यात्रा पर जाने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हथौडा देखना समाज में सम्मान मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हजामत होते देखना ठगे जाने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हज करते देखना मनोकामना पूर्ण होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हमला होते देखना दुर्घटना होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हलवाई की दूकान देखना इच्छाए अधूरी रहने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हवाई जहाज़ देखना व्यापार में अधिक लाभ होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हँसना अकारण परेशानी बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हसती स्त्री देखना गृह कलेश बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में दूसरों को हसाते देखना मनोकामना पूर्ण होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हसुली देखना जीवन में आनंद बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथ देखना मित्रों से मुलाकात होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथ कटा हुआ देखना लडाई-झगड़े में हानि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथ पर चित्रकारी देखना आजीविका के लिए संघर्ष होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथ धोना कार्य में असफलता एवं विलंब होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथ बंधे देखना बुरे काम का बुरा फल मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथी देखना संतान सुख मिल ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथी की सवारी करते देखना सरकार से लाभ एवं समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हाथी को मस्त होते देखना धनवृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हिसाब-किताब लगाते देखना अनावश्यक खर्च होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हिरन देखना शीघ्र विवाह एवं कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हिमपात देखना बिगडे कार्य बनने का एवं धन की प्राप्ति होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हिमखंड देखना किसी स्वजन से धोखा मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हीरा देखना संघर्ष से धन वृद्धि होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में हुक्का पीते देखना नये लोगों से मित्रता होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में होटल देखना कार्य में रुकावट एवं धन की समस्या होने का संकेत हैं।


## प्रश्न कुण्डली से अपने किसी भी प्रश्नों का स्टिक उत्तर प्राप्त किजिए।

क्या आप अत्याधुनिक ज्योतिष प्रणाली से अपने भविष्य से संबंधित प्रश्नो का स्टिक उत्तर प्राप्त करना चाहते हैं तो आप गुरुत्व कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। हमारे प्रश्न ज्योतिष विशेज्ञ आपके द्वारा पूछे गये प्रश्न का ग्रहों के अधार पर उनकी सूक्ष्म गणना कर उसके स्टिक फलादेश से आपको अवगत कराने का प्रयास करेंगे। 3 प्रश्न मात्र :550

GURUTVA KARYALAY

Call Us - 9338213418, 9238328785, Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

# स्वप्न में देवी-देवता के दर्शन

संदीप शर्मा

- स्वप्न में मंदिर में पुजारी देखना कलेश बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में धार्मिक पुस्तक देखना धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में मंत्र जप करना किसी कार्य में विजय प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में देवी-देवता से मंत्र प्राप्त होते देखना किसी कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में देवी-देवता के दर्शन होना सुख संपत्ति की वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में श्री कृष्ण के दर्शन प्रेम संबंधो में वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में श्री राम के दर्शन कार्य में सफलता मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में शिवजी के दर्शन मन की शांति बढने और सुखो में वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में श्री विष्णु के दर्शन कार्य में सफलता मिलने और जीवन में भौतिक सुख साधन प्राप्त का संकेत हैं।
- स्वप्न में ब्रह्मा जी के दर्शन शुभ समय के आगमन का संकेत हैं।
- स्वप्न में हनुमान जी के दर्शन शत्रुओं से विजय प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में माँ दुर्गा के दर्शन समस्त रोग, शोक के नाश होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में देवी सीता के दर्शन कार्य में जीवन में कष्ट के बाद सफलता मिलने और सामाजिक मान सम्मान बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में राधा जी के दर्शन शारीरिक सौदर्य एवं सुख में वृद्धि होने का सांकेत हैं।
- स्वप्न में देवी लक्ष्मी के दर्शन धन-धान्य एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होने का सांकेत हैं।
- स्वप्न में देवी सरस्वती के दर्शन ज्ञान वृद्दिह एवं उज्जवल भविष्य का सांकेत हैं।
- स्वप्न में देवी पार्वती के दर्शन कार्य में सफलता और सुख समृधि बढ़ने का सांकेत हैं।
- स्वप्न में नारद जी के दर्शन किसी शुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।

## अन्य धर्मो के प्रतिक एवं आराध्य के स्वप्न

- स्वप्न में धार्मिक स्थल देखना कार्य में धन मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में गुरुद्वारा देखना ज्ञान की प्राप्ति होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में मस्जिद समस्या का समाधान मिलने एवं खुशहाली बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में नमाज़ पढ़ते देखना पुराने कष्ट दूर हो कर सुख-शान्ति प्राप्त होने का संकेत है।
- स्वप्न में चर्च देखना मानसिक शांति बढ़ने का संकेत हैं।
- स्वप्न में धर्म ग्रन्थ देखना ज्ञान में वृद्धि एवं कार्य में संघर्ष के बाद सफलता मिलने का संकेत हैं।

# भगवान महावीर की माता त्रिशला के 16 अद्भुत स्वप्न

स्वस्तिक.ऎन.जोशी

जैन धर्म के 24वे तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म से पूर्व आषाढ़ शुक्ल षष्ठी के दिन उनकी माता त्रिशला नगर में हो रही अद्‍भुत घटना के बारे में सोच रही थीं। माता त्रिशला उसी बारे में सोचते-सोचते गहरी नींद में सो गई। उसी रात्रि के अंतिम प्रहर में माता त्रिशला ने सोलह शुभ एवं मंगलकारी स्वप्न देखे। नींद से जागने पर रानी त्रिशला ने महाराज सिद्धार्थ से अपने सोहल स्वप्न के विषय में चर्चा की और उसका फल जानने की इच्छा प्रकट की।

तब महाराजा सिद्धार्थ ने महारानी त्रिशला द्वारा देखे गए सपनों की विस्तृत जानकारी ज्योतिष विद्वानोकों दी, तब विद्वानों ने कहां महाराज महारानी ने स्वप्न में मंगलमय प्रतिको के दर्शन किए हैं।

विद्वानों ने रानी से कहा कि वह एक-एक कर अपने सारे स्वप्न बताएं, जिससे उसी प्रकार उसका फल बताते गए। तब महारानी त्रिशला ने अपने सारे स्वप्न उन्हें एक-एक कर विस्तार से सुनाएं जो इस प्रकार हैं..

1.

रानी को पहले स्वप्न में एक अति विशाल सफेद रंग का हाथी दिखाई दिया था।
ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां उनके घर एक अद्भुत पुत्र रत्न उत्पन्न होगा।

2.

रानी को दूसरे स्वप्न में एक सफेद रंग का वृषभ दिखाई दिया था।
ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र संसार का कल्याण करने वाला होगा।

3.

रानी को तीसरे स्वप्न में सफेद रंग और लाल बालों वाला सिंह दिखाई दिया था।
ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र सिंह के समान बलशाली होगा।

4.

रानी को चौथे स्वप्न में कमल आसन पर विराजमान लक्ष्मी का अभिषेक करते हुए दो हाथी दिखाई दिये थे।
ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां देवलोक से देवगण आकर उस पुत्र का अभिषेक करेंगे।

5.

रानी को पांचवें स्वप्न में दो सुगंधित पुष्पमालाएं दिखाई दी थी।
ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र धर्म प्रचारक होगा और जन-जन के लिए कल्याणकारी होगा।

6.

रानी को छठे स्वप्न में पूर्ण चंद्रमा दिखाई दिया था।
ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां उसके जन्म से तीनों लोक आनंदित होंगे और वह चंद्रमा के समान शीतल व सौम्य होगा।

7.

रानी को सातवें स्वप्न में उदय होता सूर्य दिखाई दिया था।
ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र सूर्य के समान तेजयुक्त चरौ और ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाला होगा।

8.

रानी को आठवें स्वप्न में कमल पत्रों से ढंके हुए दो स्वर्ण कलश दिखाई दिये थे।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र अनेक निधियों का स्वामी होगा।

9.

रानी को नौवें स्वप्न में सरोवर में क्रीड़ा करती दो मछलियां दिखाई दी थी।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र महाआनंद का दाता, दुखीका दुखहर्ता होगा।

10.

रानी को दसवें स्वप्न में कमलों से भरा सरोवर दिखाई दिया था।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र शुभ लक्षणों से युक्त एवं कमलाकार सिंहासन विराजमान होगा।

11.

रानी को ग्यारहवें स्वप्न में लहरें उछालता समुद्र दिखाई दिया था।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां पुत्र भूत-भविष्य-वर्तमान का ज्ञाता होगा।

12.

रानी को बारहवें स्वप्न में हीरे-मोती और रत्नज़डित स्वर्ण सिंहासन दिखाई दिया था।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां पुत्र राज्य का स्वामी और प्रजा का हितचिंतक होगा।

13.

रानी को तेरहवें स्वप्न में देव विमान दिखाई दिया था।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां इस जन्म से पूर्व वह पुत्र स्वर्ग का देवता होगा।

14.

रानी को चौदहवें स्वप्न में पृथ्वी को भेद कर निकलता नागों के राजा नागेन्द्र का विमान दिखाई दिया था।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र जन्म से ही त्रिकालदर्शी होगा।

15.

रानी को पन्द्रहवें स्वप्न में रत्नों का ढेर दिखाई दिया था।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र अनंत गुणों से संपन्न होगा।

16.

रानी को सोलहवें स्वप्न में धुआंरहित अग्नि दिखाई दी थी।

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों ने स्वप्न का फल बताते हुवे कहां वह पुत्र सांसारिक कर्मों का अंत करके मोक्ष (निर्वाण) को प्राप्त होगा।

संपूर्ण प्राणप्रतिष्ठित 22 गेज शुद्ध स्टील में निर्मित अखंडित

**पुरुषाकार शनि यंत्र**

**मूल्य: 1050 से 8200**

GURUTVA KARYALAY, Call Us: 91 + 9338213418, 91 + 9238328785,
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

## पत्रिका सदस्यता (Magazine Subscription)

# आप हमारी मासिक पत्रिका निशुल्क प्राप्त करें।

यदि आप गुरुत्व ज्योतिष मासिक पत्रिका अपने ई-मेल पते पर प्राप्त करना चाहते हैं! तो आपना ई-मेल पता नीचे दर्ज करें या इस लिंक पर क्लिक करें **GURUTVA JYOTISH** Groups yahoo के साथ जुडें.

If You Like to Receive Our GURUTVA JYOTISH Monthly Magazine On Your E-mail, Enter Your E-mail Below or Join **GURUTVA JYOTISH** Groups yahoo

YAHOO! Groups Join Now!

Click to join gurutvajyotish

## आप हमारे साथ जुड सकते हैं।

आप हमारे साथ विभिन्न सामाजिक नेटवर्किंग साइट के माध्यम से भी जुड सकते हैं।

हमारे साथ जुडने के लिए संबंधित लिंक पर क्लिक करें।

**We Are Also @**

- Google Group
- Google Plus
- Yahoo Group
- Orkut Community
- Twitter
- Facebook
- Wordpress
- Scribd

## उत्पाद सूची

# आप हमारे सभी उत्पादो की सूचि एक साथ देख सकते हैं और डाउनलोड कर सकते हैं।

मूल्य सूचि डाउनलोड करने के लिए कृप्या इस लिंक पर क्लिक करें। **Link**

Please click on the link to download Price List. **Link**

## हमारी सेवाएं

# आप हमारी सभी भुगतान सेवाएं की जानकारी एवं सेवा शुल्क सूचि की जानकारी देख सकते और डाउनलोड कर सकते हैं।

मूल्य सूचि डाउनलोड करने के लिए कृप्या इस लिंक पर क्लिक करें। **Link**

Please click on the link to download Price List. **Link**

# गुरु पुष्यामृत योग

✍ चिंतन जोशी

हर दिन बदलने वाले नक्षत्र मे पुष्य नक्षत्र भी एक नक्षत्र है, एवं अन्दाज से हर २७वें दिन पुष्य नक्षत्र होता है। यह जिस वार को आता है, इसका नाम भी उसी प्रकार रखा जाता है।

इसी प्रकार गुरुवार को पुष्य नक्षत्र होने से गुरु पुष्य योग कहाजात है।

गुरु पुष्य योग के बारे में विद्वान ज्योतिषियो का कहना हैं कि पुष्य नक्षत्र में धन प्राप्ति, चांदी, सोना, नये वाहन, बही-खातों की खरीदारी एवं गुरु ग्रह से संबंधित वस्तुए अत्याधिक लाभ प्रदान करती है।

हर व्यक्ति अपने शुभ कार्यो में सफलता हेतु इस शुभ महूर्त का चयन कर सबसे उपयुक्त लाभ प्राप्त कर सकता है और अशुभता से बच सकता है।

अपने जीवन में दिन-प्रतिदिन सफलता की प्राप्ति के लिए इस अद्भुत महूर्त वाले दिन किसी भी नये कार्य को जेसे नौकरी, व्यापार या परिवार से जुडे कार्य, बंध हो चुके कार्य शुरू करने के लिये एवं जीवन के कोई भी अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र में कार्य करने से 99.9% निश्चित सफलता की संभावना होति है।

19 जुलाई
प्रात: 10.45
से दिन-रात

- गुरुपुष्यामृत योग बहोत कम बनता है जब गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र होता है । तब बनता है गुरु पुष्य योग।
- गुरुवार के दिन शुभ कार्यो एवं आध्यात्म से संबंधित कार्य करना अति शुभ एवं मंगलमय होता है।
- पुष्य नक्षत्र भी सभी प्रकार के शुभ कार्यो एवं आध्यात्म से जुडे कार्यो के लिये अति शुभ माना गया है।
- जब गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र होता तब यह योग बन जाता है अद्भुत एवं अत्यंत शुभ फल प्रद अमृत योग।
- एक साधक के लिए बेहद फायदेमंद होता हैं **गुरुपुष्यामृत योग**।
- इस दिन विद्वान एवं गुढ रहस्यो के जानकार मां महालक्ष्मी की साधना करने की सलाह देते है।
- यह योग विशेष साधना के लिये अति शुभ एवं शीघ्र परीणाम देने वाला होता है।
- मां महालक्ष्मी का आह्वान करके अत्यंत सरलता से उनकी कृपा द्रष्टि से समृद्धि और शांति प्राप्त कि जासकती है।

## पुष्य नक्षत्र का महत्व क्यों हैं?

शास्त्रो में पुष्य नक्षत्र को नक्षत्रों का राजा बताया गया हैं। जिसका स्वामी शनि ग्रह हैं। शनि को ज्योतिष में स्थायित्व का प्रतीक माना गया हैं। अतः पुष्य नक्षत्र सबसे शुभ नक्षत्रो में से एक हैं।

यदि रविवार को पुष्य नक्षत्र हो तो रवि पुष्य योग और गुरुवार को हो तो और गुरु पुष्य योग कहलाता हैं।

शास्त्रों में पुष्य योग को 100 दोषों को दूर करने वाला, शुभ कार्य उद्देश्यो में निश्चित सफलता प्रदान करने वाला एवं बहुमूल्य वस्तुओं कि खरीदारी हेतु सबसे श्रेष्ठ एवं शुभ फलदायी योग माना गया है।

गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र के संयोग से सर्वार्थ अमृतसिद्धि योग बनता है। शनिवार के दिन पुष्य नक्षत्र के संयोग से सर्वार्थसिद्धि योग होता है। पुष्य नक्षत्र को ब्रह्माजी का श्राप मिला था। इसलिए शास्त्रोक्त विधान से पुष्य नक्षत्र में विवाह वर्जित माना गया है।

# नवरत्न जड़ित श्री यंत्र

शास्त्र वचन के अनुसार शुद्ध सुवर्ण या रजत में निर्मित श्री यंत्र के चारों और यदि नवरत्न जड़वा ने पर यह नवरत्न जड़ित श्री यंत्र कहलाता हैं। सभी रत्नो को उसके निश्चित स्थान पर जड़ कर लॉकेट के रूप में धारण करने से व्यक्ति को अनंत एश्वर्य एवं लक्ष्मी की प्राप्ति होती हैं। व्यक्ति को एसा आभास होता हैं जैसे मां लक्ष्मी उसके साथ हैं। नवग्रह को श्री यंत्र के साथ लगाने से ग्रहों की अशुभ दशा का धारणकरने वाले व्यक्ति पर प्रभाव नहीं होता हैं।

गले में होने के कारण यंत्र पवित्र रहता हैं एवं स्नान करते समय इस यंत्र पर स्पर्श कर जो जल बिंदु शरीर को लगते हैं, वह गंगा जल के समान पवित्र होता हैं। इस लिये इसे सबसे तेजस्वी एवं फलदायि कहजाता हैं। जैसे अमृत से उत्तम कोई औषधि नहीं, उसी प्रकार लक्ष्मी प्राप्ति के लिये श्री यंत्र से उत्तम कोई यंत्र संसार में नहीं हैं एसा शास्त्रोक्त वचन हैं। इस प्रकार के नवरत्न जड़ित श्री यंत्र गुरूत्व कार्यालय द्वारा शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठित करके बनावाए जाते हैं।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY
92/3BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

# मंत्र सिद्ध वाहन दुर्घटना नाशक मारुति यंत्र

पौराणिक ग्रंथो में उल्लेख हैं की महाभारत के युद्ध के समय अर्जुन के रथ के अग्रभाग पर मारुति ध्वज एवं मारुति यन्त्र लगा हुआ था। इसी यंत्र के प्रभाव के कारण संपूर्ण युद्ध के दौरान हज़ारों-लाखों प्रकार के आग्नेय अस्त्र-शस्त्रों का प्रहार होने के बाद भी अर्जुन का रथ जरा भी क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। भगवान श्री कृष्ण मारुति यंत्र के इस अद्भुत रहस्य को जानते थे कि जिस रथ या वाहन की रक्षा स्वयं श्री मारुति नंदन करते हों, वह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हो सकता हैं। वह रथ या वाहन तो वायुवेग से, निर्बाधित रुप से अपने लक्ष्य पर विजय पतका लहराता हुआ पहुंचेगा। इसी लिये श्री कृष्ण नें अर्जुन के रथ पर श्री मारुति यंत्र को अंकित करवाया था।

जिन लोगों के स्कूटर, कार, बस, ट्रक इत्यादि वाहन बार-बार दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हो!, अनावश्यक वाहन को नुक्षान हो रहा हों! उन्हें हानी एवं दुर्घटना से रक्षा के उद्देश्य से अपने वाहन पर मंत्र सिद्ध श्री मारुति यंत्र अवश्य लगाना चाहिए। जो लोग ट्रान्स्पोर्टिंग (परिवहन) के व्यवसाय से जुडे हैं उनको श्रीमारुति यंत्र को अपने वाहन में अवश्य स्थापित करना चाहिए, क्योकि, इसी व्यवसाय से जुडे सैकडों लोगों का अनुभव रहा हैं की श्री मारुति यंत्र को स्थापित करने से उनके वाहन अधिक दिन तक अनावश्यक खर्चो से एवं दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहे हैं। हमारा स्वयंका एवं अन्य विद्वानो का अनुभव रहा हैं, की जिन लोगों ने श्री मारुति यंत्र अपने वाहन पर लगाया हैं, उन लोगों के वाहन बडी से बडी दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहते हैं। उनके वाहनो को कोई विशेष नुक्शान इत्यादि नहीं होता हैं और नाहीं अनावश्यक रुप से उसमें खराबी आति हैं।

**वास्तु प्रयोग में मारुति यंत्र:** यह मारुति नंदन श्री हनुमान जी का यंत्र है। यदि कोई जमीन बिक नहीं रही हो, या उस पर कोई वाद-विवाद हो, तो इच्छा के अनुरूप वहँ जमीन उचित मूल्य पर बिक जाये इस लिये इस मारुति यंत्र का प्रयोग किया जा सकता हैं। इस मारुति यंत्र के प्रयोग से जमीन शीघ्र बिक जाएगी या विवादमुक्त हो जाएगी। इस लिये यह यंत्र दोहरी शक्ति से युक्त है।

मारुति यंत्र के विषय में अधिक जानकारी के लिये गुरुत्व कार्यालय में संपर्क करें। **मूल्य Rs- 255 से 10900 तक**

## श्री हनुमान यंत्र

शास्त्रों में उल्लेख हैं की श्री हनुमान जी को भगवान सूर्यदेव ने ब्रह्मा जी के आदेश पर हनुमान जी को अपने तेज का सौवाँ भाग प्रदान करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया था, कि मैं हनुमान को सभी शास्त्र का पूर्ण ज्ञान दूँगा। जिससे यह तीनोलोक में सर्व श्रेष्ठ वक्ता होंगे तथा शास्त्र विद्या में इन्हें महारत हासिल होगी और इनके समन बलशाली और कोई नहीं होगा। जानकारो ने मतानुशार हनुमान यंत्र की आराधना से पुरुषों की विभिन्न बीमारियों दूर होती हैं, इस यंत्र में अद्भुत शक्ति समाहित होने के कारण व्यक्ति की स्वप्न दोष, धातु रोग, रक्त दोष, वीर्य दोष, मूर्छा, नपुंसकता इत्यादि अनेक प्रकार के दोषो को दूर करने में अत्यन्त लाभकारी हैं। अर्थात यह यंत्र पौरुष को पुष्ट करता हैं। श्री हनुमान यंत्र व्यक्ति को संकट, वाद-विवाद, भूत-प्रेत, द्यूत क्रिया, विषभय, चोर भय, राज्य भय, मारण, सम्मोहन स्तंभन इत्यादि से संकटो से रक्षा करता हैं और सिद्धि प्रदान करने में सक्षम हैं।

श्री हनुमान यंत्र के विषय में अधिक जानकारी के लिये गुरुत्व कार्यालय में संपर्क करें। **मूल्य Rs- 730 से 10900 तक**

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA,

BHUBNESWAR-751018, (ORISSA), Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

| मंत्र सिद्ध विशेष दैवी यंत्र सूचि | |
|---|---|
| आद्य शक्ति दुर्गा बीसा यंत्र (अंबाजी बीसा यंत्र) | सरस्वती यंत्र |
| महान शक्ति दुर्गा यंत्र (अंबाजी यंत्र) | सप्तसती महायंत्र(संपूर्ण बीज मंत्र सहित) |
| नव दुर्गा यंत्र | काली यंत्र |
| नवार्ण यंत्र (चामुंडा यंत्र) | श्मशान काली पूजन यंत्र |
| नवार्ण बीसा यंत्र | दक्षिण काली पूजन यंत्र |
| चामुंडा बीसा यंत्र ( नवग्रह युक्त) | संकट मोचिनी कालिका सिद्धि यंत्र |
| त्रिशूल बीसा यंत्र | खोडियार यंत्र |
| बगला मुखी यंत्र | खोडियार बीसा यंत्र |
| बगला मुखी पूजन यंत्र | अन्नपूर्णा पूजा यंत्र |
| राज राजेश्वरी वांछा कल्पलता यंत्र | एकांक्षी श्रीफल यंत्र |

| मंत्र सिद्ध विशेष लक्ष्मी यंत्र सूचि | |
|---|---|
| श्री यंत्र (लक्ष्मी यंत्र) | महालक्ष्मयै बीज यंत्र |
| श्री यंत्र (मंत्र रहित) | महालक्ष्मी बीसा यंत्र |
| श्री यंत्र (संपूर्ण मंत्र सहित) | लक्ष्मी दायक सिद्ध बीसा यंत्र |
| श्री यंत्र (बीसा यंत्र) | लक्ष्मी दाता बीसा यंत्र |
| श्री यंत्र श्री सूक्त यंत्र | लक्ष्मी गणेश यंत्र |
| श्री यंत्र (कुर्म पृष्ठीय) | ज्येष्ठा लक्ष्मी मंत्र पूजन यंत्र |
| लक्ष्मी बीसा यंत्र | कनक धारा यंत्र |
| श्री श्री यंत्र (श्रीश्री ललिता महात्रिपुर सुन्दर्यै श्री महालक्ष्मयैं श्री महायंत्र) | वैभव लक्ष्मी यंत्र (महान सिद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र) |
| अंकात्मक बीसा यंत्र | |

| ताम्र पत्र पर सुवर्ण पोलीस (Gold Plated) | | ताम्र पत्र पर रजत पोलीस (Silver Plated) | | ताम्र पत्र पर (Copper) | |
|---|---|---|---|---|---|
| साईज | मूल्य | साईज | मूल्य | साईज | मूल्य |
| 1” X 1” | 460 | 1” X 1” | 370 | 1” X 1” | 255 |
| 2” X 2” | 820 | 2” X 2” | 640 | 2” X 2” | 460 |
| 3” X 3” | 1650 | 3” X 3” | 1090 | 3” X 3” | 730 |
| 4” X 4” | 2350 | 4” X 4” | 1650 | 4” X 4” | 1090 |
| 6” X 6” | 3600 | 6” X 6” | 2800 | 6” X 6” | 1900 |
| 9” X 9” | 6400 | 9” X 9” | 5100 | 9” X 9” | 3250 |
| 12” X12” | 10800 | 12” X12” | 8200 | 12” X12” | 6400 |

**यंत्र के विषय में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।**

**GURUTVA KARYALAY**

**Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785**

**Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,**
**Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/**

# राशि रत्न

| मूंगा | हीरा | पन्ना | मोती | माणेक | पन्ना |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| **Red Coral (Special)** | **Diamond (Special)** | **Green Emerald (Special)** | **Naturel Pearl (Special)** | **Ruby (Old Berma) (Special)** | **Green Emerald (Special)** |
| 5.25" Rs. 1050 | 10 cent Rs. 4100 | 5.25" Rs. 9100 | 5.25" Rs. 910 | 2.25" Rs. 12500 | 5.25" Rs. 9100 |
| 6.25" Rs. 1250 | 20 cent Rs. 8200 | 6.25" Rs. 12500 | 6.25" Rs. 1250 | 3.25" Rs. 15500 | 6.25" Rs. 12500 |
| 7.25" Rs. 1450 | 30 cent Rs. 12500 | 7.25" Rs. 14500 | 7.25" Rs. 1450 | 4.25" Rs. 28000 | 7.25" Rs. 14500 |
| 8.25" Rs. 1800 | 40 cent Rs. 18500 | 8.25" Rs. 19000 | 8.25" Rs. 1900 | 5.25" Rs. 46000 | 8.25" Rs. 19000 |
| 9.25" Rs. 2100 | 50 cent Rs. 23500 | 9.25" Rs. 23000 | 9.25" Rs. 2300 | 6.25" Rs. 82000 | 9.25" Rs. 23000 |
| 10.25" Rs. 2800 | | 10.25" Rs. 28000 | 10.25" Rs. 2800 | | 10.25" Rs. 28000 |
| ** All Weight In Rati | All Diamond are Full White Colour. | ** All Weight In Rati | ** All Weight In Rati | ** All Weight In Rati | ** All Weight In Rati |

| तुला राशि: | वृश्चिक राशि: | धनु राशि: | मकर राशि: | कुंभ राशि: | मीन राशि: |
|---|---|---|---|---|---|
| हीरा | मूंगा | पुखराज | नीलम | नीलम | पुखराज |
| | | | | | |
| **Diamond (Special)** | **Red Coral (Special)** | **Y.Sapphire (Special)** | **B.Sapphire (Special)** | **B.Sapphire (Special)** | **Y.Sapphire (Special)** |
| 10 cent Rs. 4100 | 5.25" Rs. 1050 | 5.25" Rs. 30000 | 5.25" Rs. 30000 | 5.25" Rs. 30000 | 5.25" Rs. 30000 |
| 20 cent Rs. 8200 | 6.25" Rs. 1250 | 6.25" Rs. 37000 | 6.25" Rs. 37000 | 6.25" Rs. 37000 | 6.25" Rs. 37000 |
| 30 cent Rs. 12500 | 7.25" Rs. 1450 | 7.25" Rs. 55000 | 7.25" Rs. 55000 | 7.25" Rs. 55000 | 7.25" Rs. 55000 |
| 40 cent Rs. 18500 | 8.25" Rs. 1800 | 8.25" Rs. 73000 | 8.25" Rs. 73000 | 8.25" Rs. 73000 | 8.25" Rs. 73000 |
| 50 cent Rs. 23500 | 9.25" Rs. 2100 | 9.25" Rs. 91000 | 9.25" Rs. 91000 | 9.25" Rs. 91000 | 9.25" Rs. 91000 |
| | 10.25" Rs. 2800 | 10.25" Rs.108000 | 10.25" Rs.108000 | 10.25" Rs.108000 | 10.25" Rs.108000 |
| All Diamond are Full White Colour. | ** All Weight In Rati | ** All Weight In Rati | ** All Weight In Rati | ** All Weight In Rati | ** All Weight In Rati |

* उपयोक्त वजन और मूल्य से अधिक और कम वजन और मूल्य के रत्न एवं उपरत्न भी हमारे यहा व्यापारी मूल्य पर उप्लब्ध हैं।


GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

# मंत्र सिद्ध रूद्राक्ष

| Rudraksh List | Rate In Indian Rupee | Rudraksh List | Rate In Indian Rupee |
|---|---|---|---|
| एकमुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 2800, 5500 | आठ मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 820,1250 |
| एकमुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 750,1050, 1250, | आठ मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 1900 |
| दो मुखी रूद्राक्ष (हरिद्वार, रामेश्वर) | 30,50,75 | नौ मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 910,1250 |
| दो मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 50,100, | नौ मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 2050 |
| दो मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 450,1250 | दस मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 1050,1250 |
| तीन मुखी रूद्राक्ष (हरिद्वार, रामेश्वर) | 30,50,75, | दस मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 2100 |
| तीन मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 50,100, | ग्यारह मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 1250, |
| तीन मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 450,1250, | ग्यारह मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 2750, |
| चार मुखी रूद्राक्ष (हरिद्वार, रामेश्वर) | 25,55,75, | बारह मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 1900, |
| चार मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 50,100, | बारह मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 2750, |
| पंच मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 25,55, | तेरह मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 3500, 4500, |
| पंच मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 225, 550, | तेरह मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 6400, |
| छह मुखी रूद्राक्ष (हरिद्वार, रामेश्वर) | 25,55,75, | चौदह मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 10500 |
| छह मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 50,100, | चौदह मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 14500 |
| सात मुखी रूद्राक्ष (हरिद्वार, रामेश्वर) | 75, 155, | गौरीशंकर रूद्राक्ष | 1450 |
| सात मुखी रूद्राक्ष (नेपाल) | 225, 450, | गणेश रुद्राक्ष (नेपाल) | 550 |
| सात मुखी रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 1250 | गणेश रूद्राक्ष (इन्डोनेशिया) | 750 |


रुद्राक्ष के विषय में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

**GURUTVA KARYALAY,**

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA),

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

## मंत्र सिद्ध दुर्लभ सामग्री

हत्था जोडी- Rs- 370
घोडे की नाल- Rs.351
माया जाल- Rs- 251
सियार सिंगी- Rs- 370
दक्षिणावर्ती शंख- Rs- 550
इन्द्र जाल- Rs- 251
बिल्ली नाल- Rs- 370
मोति शंख- Rs- 550
धन वृद्धि हकीक सेट Rs-251

GURUTVA KARYALAY

Call Us: 91 + 9338213418, 91 + 9238328785,

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

# श्रीकृष्ण बीसा यंत्र

किसी भी व्यक्ति का जीवन तब आसान बन जाता हैं जब उसके चारों और का माहोल उसके अनुरुप उसके वश में हों। जब कोई व्यक्ति का आकर्षण दुसरो के उपर एक चुम्बकीय प्रभाव डालता हैं, तब लोग उसकी सहायता एवं सेवा हेतु तत्पर होते है और उसके प्रायः सभी कार्य बिना अधिक कष्ट व परेशानी से संपन्न हो जाते हैं। आज के भौतिकता वादि युग में हर व्यक्ति के लिये दूसरो को अपनी और खीचने हेतु एक प्रभावशालि चुंबकत्व को कायम रखना अति आवश्यक हो जाता हैं। आपका आकर्षण और व्यक्तित्व आपके चारो ओर से लोगों को आकर्षित करे इस लिये सरल उपाय हैं, **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र**। क्योकि भगवान श्री कृष्ण एक अलौकिव एवं दिवय चुंबकीय व्यक्तित्व के धनी थे। इसी कारण से **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के पूजन एवं दर्शन से आकर्षक व्यक्तित्व प्राप्त होता हैं।

**श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के साथ व्यक्तिको दृढ इच्छा शक्ति एवं उर्जा प्राप्त होती हैं, जिस्से व्यक्ति हमेशा एक भीड में हमेशा आकर्षण का केंद्र रहता हैं।

यदि किसी व्यक्ति को अपनी प्रतिभा व आत्मविश्वास के स्तर में वृद्धि, अपने मित्रो व परिवारजनो के बिच में रिश्तो में सुधार करने की ईच्छा होती हैं उनके लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** का पूजन एक सरल व सुलभ माध्यम साबित हो सकता हैं।

**श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** पर अंकित शक्तिशाली विशेष रेखाएं, बीज मंत्र एवं अंको से व्यक्ति को अद्द्भुत आंतरिक शक्तियां प्राप्त होती हैं जो व्यक्ति को सबसे आगे एवं सभी क्षेत्रो में अग्रणिय बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

**श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के पूजन व नियमित दर्शन के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर समाज में स्वयं का अद्वितीय स्थान स्थापित करें।

**श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** अलौकिक ब्रह्मांडीय उर्जा का संचार करता हैं, जो एक प्राकृत्ति माध्यम से व्यक्ति के भीतर सद्भावना, समृद्धि, सफलता, उत्तम स्वास्थ्य, योग और ध्यान के लिये एक शक्तिशाली माध्यम हैं!

- **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के पूजन से व्यक्ति के सामाजिक मान-सम्मान व पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती हैं।
- विद्वानो के मतानुशार **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के मध्यभाग पर ध्यान योग केंद्रित करने से व्यक्ति कि चेतना शक्ति जाग्रत होकर शीघ्र उच्च स्तर को प्राप्तहोती हैं ।
- जो पुरुषों और महिला अपने साथी पर अपना प्रभाव डालना चाहते हैं और उन्हें अपनी और आकर्षित करना चाहते हैं। उनके लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** उत्तम उपाय सिद्ध हो सकता हैं।
- पति-पत्नी में आपसी प्रम की वृद्धि और सुखी दाम्पत्य जीवन के लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** लाभदायी होता हैं।

मूल्य:- Rs. 730 से Rs. 10900 तक उप्लब्द्ध

## श्रीकृष्ण बीसा कवच

श्रीकृष्ण बीसा कवच को केवल विशेष शुभ मुहुर्त में निर्माण किया जाता हैं। कवच को विद्वान कर्मकांडी ब्राहमणों द्वारा शुभ मुहुर्त में शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त करके निर्माण किया जाता हैं। जिस के फल स्वरुप धारण करता व्यक्ति को शीघ्र पूर्ण लाभ प्राप्त होता हैं। कवच को गले में धारण करने से वहं अत्यंत प्रभाव शाली होता हैं। गले में धारण करने से कवच हमेशा हृदय के पास रहता हैं जिस्से व्यक्ति पर उसका लाभ अति तीव्र एवं शीघ्र ज्ञात होने लगता हैं।

**मूलय मात्र: 1900**

GURUTVA KARYALAY
Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

# राम रक्षा यंत्र

राम रक्षा यंत्र सभी भय, बाधाओं से मुक्ति व कार्यो में सफलता प्राप्ति हेतु उत्तम यंत्र हैं। जिसके प्रयोग से धन लाभ होता हैं व व्यक्ति का सर्वांगी विकार होकर उसे सुख-समृद्धि, मानसम्मान की प्राप्ति होती हैं। राम रक्षा यंत्र सभी प्रकार के अशुभ प्रभाव को दूर कर व्यक्ति को जीवन की सभी प्रकार की कठिनाइयों से रक्षा करता हैं। विद्वानो के मत से जो व्यक्ति भगवान राम के भक्त हैं या श्री हनुमानजी के भक्त हैं उन्हें अपने निवास स्थान, व्यवसायीक स्थान पर राम रक्षा यंत्र को अवश्य स्थापीत करना चाहिये जिससे आने वाले संकटो से रक्षा हो उनका जीवन सुखमय व्यतीत हो सके एवं उनकी समस्त आदि भौतिक व आध्यात्मिक मनोकामनाएं पूर्ण हो सके।

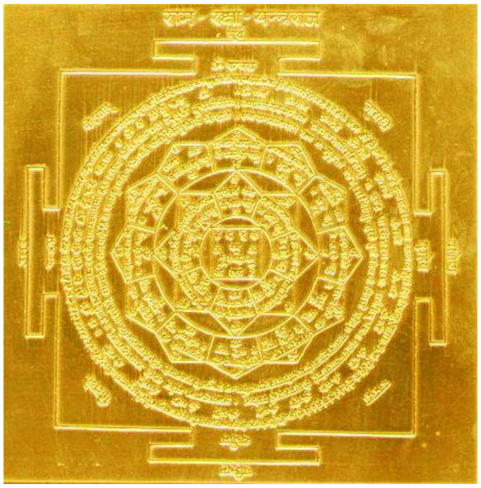

ताम्र पत्र पर सुवर्ण पोलीस

(Gold Plated)

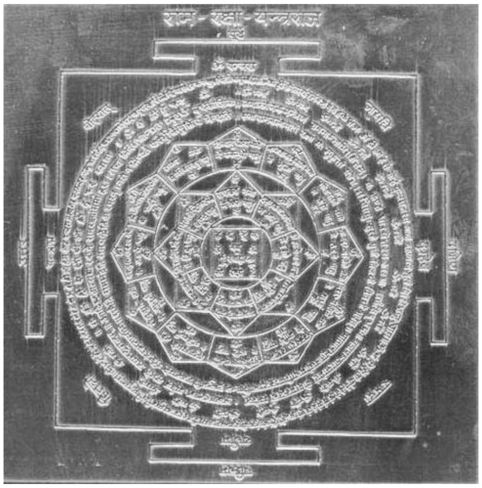

ताम्र पत्र पर रजत पोलीस

(Silver Plated)

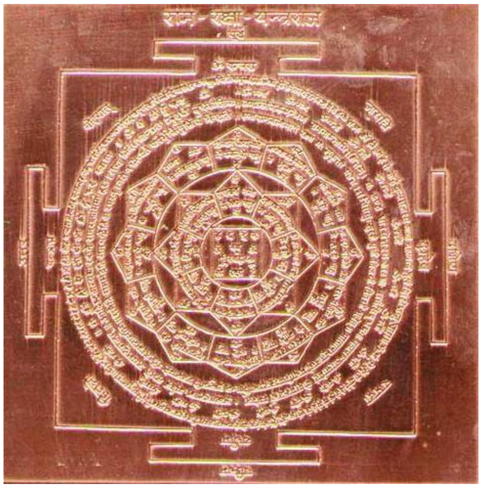

ताम्र पत्र पर

(Copper)

| साईज | मूल्य | साईज | मूल्य | साईज | मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|
| 1” X 1” | 460 | 1” X 1” | 370 | 1” X 1” | 255 |
| 2” X 2” | 820 | 2” X 2” | 640 | 2” X 2” | 460 |
| 3” X 3” | 1650 | 3” X 3” | 1090 | 3” X 3” | 730 |
| 4” X 4” | 2350 | 4” X 4” | 1650 | 4” X 4” | 1090 |
| 6” X 6” | 3600 | 6” X 6” | 2800 | 6” X 6” | 1900 |
| 9” X 9” | 6400 | 9” X 9” | 5100 | 9” X 9” | 3250 |
| 12” X12” | 10800 | 12” X12” | 8200 | 12” X12” | 6400 |


**GURUTVA KARYALAY**

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/

# जैन धर्मके विशिष्ट यंत्रो की सूची

| | |
|---|---|
| श्री चौबीस तीर्थंकरका महान प्रभावित चमत्कारी यंत्र | श्री एकाक्षी नारियेर यंत्र |
| श्री चोबीस तीर्थंकर यंत्र | सर्वतो भद्र यंत्र |
| कल्पवृक्ष यंत्र | सर्व संपत्तिकर यंत्र |
| चिंतामणी पार्श्वनाथ यंत्र | सर्वकार्य-सर्व मनोकामना सिद्धिअ यंत्र (१३० सर्वतोभद्र यंत्र) |
| चिंतामणी यंत्र (पैंसठिया यंत्र) | ऋषि मंडल यंत्र |
| चिंतामणी चक्र यंत्र | जगदवल्लभ कर यंत्र |
| श्री चक्रेश्वरी यंत्र | ऋद्धि सिद्धि मनोकामना मान सम्मान प्राप्ति यंत्र |
| श्री घंटाकर्ण महावीर यंत्र | ऋद्धि सिद्धि समृद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र |
| श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र<br>(अनुभव सिद्ध संपूर्ण श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र) | विषम विष निग्रह कर यंत्र |
| श्री पद्मावती यंत्र | क्षुद्रो पद्रव निर्नाशन यंत्र |
| श्री पद्मावती बीसा यंत्र | बृहच्चक्र यंत्र |
| श्री पार्श्वपद्मावती ह्रींकार यंत्र | वंध्या शब्दापह यंत्र |
| पद्मावती व्यापार वृद्धि यंत्र | मृतवत्सा दोष निवारण यंत्र |
| श्री धरणेन्द्र पद्मावती यंत्र | कांक वंध्यादोष निवारण यंत्र |
| श्री पार्श्वनाथ ध्यान यंत्र | बालग्रह पीडा निवारण यंत्र |
| श्री पार्श्वनाथ प्रभुका यंत्र | लधुदेव कुल यंत्र |
| भक्तामर यंत्र (गाथा नंबर १ से ४४ तक) | नवगाथात्मक उवसग्गहरं स्तोत्रका विशिष्ट यंत्र |
| मणिभद्र यंत्र | उवसग्गहरं यंत्र |
| श्री यंत्र | श्री पंच मंगल महाश्रृत स्कंध यंत्र |
| श्री लक्ष्मी प्राप्ति और व्यापार वर्धक यंत्र | ह्रींकार मय बीज मंत्र |
| श्री लक्ष्मीकर यंत्र | वर्धमान विद्या पट्ट यंत्र |
| लक्ष्मी प्राप्ति यंत्र | विद्या यंत्र |
| महाविजय यंत्र | सौभाग्यकर यंत्र |
| विजयराज यंत्र | डाकिनी, शाकिनी, भय निवारक यंत्र |
| विजय पतका यंत्र | भूतादि निग्रह कर यंत्र |
| विजय यंत्र | ज्वर निग्रह कर यंत्र |
| सिद्धचक्र महायंत्र | शाकिनी निग्रह कर यंत्र |
| दक्षिण मुखाय शंख यंत्र | आपत्ति निवारण यंत्र |
| दक्षिण मुखाय यंत्र | शत्रुमुख स्तंभन यंत्र |

**यंत्र के विषय में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।**

**GURUTVA KARYALAY**

**92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)**

**Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785**

**Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,**

# श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र

## (अनुभव सिद्ध संपूर्ण श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र)

घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र को स्थापीत करने से साधक की सर्व मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सर्व प्रकार के रोग भूत-प्रेत आदि उपद्रव से रक्षण होता हैं। जहरीले और हिंसक प्राणीं से संबंधित भय दूर होते हैं। अग्नि भय, चोरभय आदि दूर होते हैं।

दुष्ट व असुरी शक्तियों से उत्पन्न होने वाले भय से यंत्र के प्रभाव से दूर हो जाते हैं।

यंत्र के पूजन से साधक को धन, सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य, संतत्ति-संपत्ति आदि की प्राप्ति होती हैं। साधक की सभी प्रकार की सात्विक इच्छाओं की पूर्ति होती हैं।

यदि किसी परिवार या परिवार के सदस्यो पर वशीकरण, मारण, उच्चाटन इत्यादि जादू-टोने वाले प्रयोग किये गयें होतो इस यंत्र के प्रभाव से स्वतः नष्ट हो जाते हैं और भविष्य में यदि कोई प्रयोग करता हैं तो रक्षण होता हैं।

कुछ जानकारो के श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र से जुडे अद्‌भुत अनुभव रहे हैं। यदि घर में श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र स्थापित किया हैं और यदि कोई इर्षा, लोभ, मोह या शत्रुतावश यदि अनुचित कर्म करके किसी भी उद्देश्य से साधक को परेशान करने का प्रयास करता हैं तो यंत्र के प्रभाव से संपूर्ण परिवार का रक्षण तो होता ही हैं, कभी-कभी शत्रु के द्वारा किया गया अनुचित कर्म शत्रु पर ही उपर उलट वार होते देखा हैं।

**मूल्य:- Rs. 1650 से Rs. 10900 तक उप्लब्द्ध**

संपर्क करें। GURUTVA KARYALAY
Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com
Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/

# अमोघ् महामृत्युंजय कवच

अमोघ् महामृत्युंजय कवच व उल्लेखित अन्य सामग्रीयों को शास्त्रोक्त विधि-विधान से विद्वान ब्राह्मणो द्वारा **सवा लाख महामृत्युंजय मंत्र** जप एवं दशांश हवन द्वारा निर्मित कवच अत्यंत प्रभावशाली होता हैं।

अमोघ् महामृत्युंजय कवच
कवच बनवाने हेतु:
अपना नाम, पिता-माता का नाम,
गोत्र, एक नया फोटो भेजे

अमोघ् महामृत्युंजय
कवच
दक्षिणा मात्र: 10900

## राशी रत्न एवं उपरत्न

सभी साईज एवं मूल्य व क्वालिटि के असली नवरत्न एवं उपरत्न भी उपलब्ध हैं।

### विशेष यंत्र

हमारें यहां सभी प्रकार के यंत्र सोने-चांदि-ताम्बे में आपकी आवश्यक्ता के अनुशार किसी भी भाषा/धर्म के यंत्रो को आपकी आवश्यक डिजाईन के अनुशार २२ गेज शुद्ध ताम्बे में अखंडित बनाने की विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं।

हमारे यहां सभी प्रकार के रत्न एवं उपरत्न व्यापारी मूल्य पर उपलब्ध हैं। ज्योतिष कार्य से जुडे बधु/बहन व रत्न व्यवसाय से जुडे लोगो के लिये विशेष मूल्य पर रत्न व अन्य सामग्रीया व अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

# मासिक राशि फल

✍ चिंतन जोशी

**मेष: 1 से 15 जुलाई 2012 :** आपकी आर्थिक में सुधार होगा। भूमि-भवन-वाहन की प्राप्ती हो सकती हैं। व्यवसाय से संबंधित का कार्यों से जुडे लोगो की प्रसिद्धि का तेजी से विस्तार होगा। वाहन से सावधान रहे आकस्मिक दुर्घटना हो सकती हैं। जीवन साथी के साथ आपके रिश्तों में कुछ खटास आ सकती है। इस लिए अधिक समय अपने जीवन साथी के साथ बिताने का प्रयास करे।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** आकस्मिक धन प्राप्ति के योग बनेगें जिस्से आर्थिक स्थिती में सुधार होगा। व्यवसाय में धन प्राप्ति के नये मार्ग प्राप्त हो सकते हैं। प्रतियोगिता मूलक कार्यो में अपनी छाप छोडने में सफलता प्राप्त करेंगे। स्वास्थ्य सुख में वृद्धि होगी। आपको मानसिक अस्थिरता का अनुभव हो सकता हैं इस लिए मन को नियंत्रण में रखने का प्रयास करें। इष्ट मित्रों के सहयोग से नये मित्र बन सकते हैं।

**वृषभ: 1 से 15 जुलाई 2012 :** आपको लंबे समय से रुका हुवा भुगतान प्राप्त हो सकता हैं। महत्व के कार्यो के लिये अत्याधिक खर्च के योग बन रहे हैं। आपको कर्ज लेना पड सकता हैं। परिवार में किसी सदस्य का स्वास्थ्य चिंतित कर सकता हैं। सरकारी कार्य या कोर्ट-कचहरी के कार्यो के लिए समय अनुकूल हैं। थोडे समय के लिये परिवार में अशान्ति हो सकती है।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** भूमि-भवन-वाहन से संबंधि कार्यों को स्थगित करना लाभप्रद रहेगा। अपनी बुद्धिमता से परिवार की सुख -शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जाना उत्तम सिद्ध रहेगा। प्रेम संबंधों में असफलता के योग बन रहे हैं। धैर्य और संयम से काम ले जल्दबाजी परेशानी का कारण बन सकती हैं। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखे।

**मिथुन: 1 से 15 जुलाई 2012 :** नौकरी-व्यवसाय में किये गये प्रयासो से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य प्राभावित हो सकता हैं। जिस कारण आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता हैं। समाज में आपका मान एवं प्रतिष्ठा बढने के अच्छे योग बन रहे हैं। प्रेम संबंधित मामलो के लिए समय मिलाझुला साबित हो सकता हैं।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** अपने प्रयासो एवं गोपनिय योजनाओं से आपके भाग्य का सितारा बुलंदियों पर पहुच सकता हैं। परिवार और रिश्तेदारों से लाभ प्राप्त हो सकते हैं। आपको भूमि-भवन-वाहन से संबंधित मामलो से भी धन लाभ प्राप्त हो सकता हैं। अपने स्वास्थ्य का भी खयाल रखें अन्यथा स्वास्थ्य नरम हो सकता है। जीवन साथी का व्यवहार आपके प्रति बेहद कठोर हो सकता हैं।

**कर्क: 1 से 15 जुलाई 2012 :** एकाधिक स्त्रोत से आय हो सकती हैं। अपने इष्टमित्रों से आपको साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता हैं। नए लोगों से मित्रता स्थापित हो सकती हैं जो कार्यक्षेत्र के लिए लाभप्रद हो सकती हैं। जीवन साथी का पूर्ण सुख एवं सहययोग प्राप्त होगा एवं शुभ समाचार की प्राप्ति भी संभव हैं। अपनी सेहत का विशेष रुप से खयाल रखें लापरवाही लंबे समय के लिए आपको रोग ग्रस्त कर सकती हैं।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** अपने कार्यक्षेत्र से आपको आपको आकस्मिक रुप से आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता हैं। चल-अचल संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। किसी कारण से अनावश्यक अत्याधिक खर्च करना पड सकता हैं। इस लिए अपनी आय को ध्यान में रख कर खर्च करे अन्यथा कर्ज लेने की स्थिती बन सकती हैं। दांपत्य संबंध और मधुरता होने के संकेत हैं।

**सिंह: 1 से 15 जुलाई 2012 :** अपने कार्यो में अतिरिक्त सावधानि रखे कोई लापरवाही आपको लंबे समय का नुक्शान कर सकती हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय प्रतिकूल साबित हो सकता हैं, रिश्तों मे अतिरिक्त सावधानियां रखे अन्यथा बिखर सकते हैं। आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी के कारण थोडे समय के लिये विश्राम करना पड सकता हैं। कोर्ट-कचहरी के कार्यो को स्थगित करना उचित रहेगा

**16 से 31 जुलाई 2012 :** आपकी आर्थिक स्थिति प्रबल होगी। अपने संचित धन को पूंजि निवेश कर लाभ प्राप्त कर सकते है। आपके प्रयासो एवं मेहनत के बल पर यह प्रतिकूल समय अनुकूल साबित हो सकता हैं। अत्याधिक कठिन परिश्रम के कारण आपको उर्जा व उसाह की कमी महसूस हो सकती हैं। अतः आपके लिए पर्याप्त नींद एवं आराम करना अति आवश्यक रहेगा।

**कन्या: 1 से 15 जुलाई 2012 :** कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्यो की पूर्ति हेतु अत्याधिक भागदौड़ करनी पड सकती हैं। कार्य में आनेवाली रुकावटो में भी कमी होगी और दूरस्थ स्थानों से धनलाभ प्राप्त हो सकता है। चल-अचल संपत्ति या किसी घरेलू मामलों में बदलाव हो सकता है। मौसम में बदलाव से आपका स्वास्थ्य नरम रह सकता है। जीवन साथी से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार कि प्राप्ति हो सकती हैं।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** आकस्मिक धन प्राप्ति होगी जिस्से आर्थिक स्थिती में सुधार होगा। अपनी महत्व पूर्ण योजनाओं को कार्यो स्थिगीत करना या किसी और के भरोसे छोडना नुक्शान देह हो सकता हैं। कार्य कि अधिकता और व्यस्तता से मानसिक शांति में कमी रहेगी। कोर्ट-कचहरी के कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। संतान पक्ष के प्रति चिंता रहेगी।

**तुला: 1 से 15 जुलाई 2012 :** नौकरी से संबंधित कार्य में नये बदलाव हो सकते हैं, व्यवसाय में हैं तो उन्नती के नए मार्ग प्राप्त होंगे। पारिवारिक माहोल छोटी-छोटी घटनाओं के कारण तनावपूर्ण हो सकता हैं। व्यवसायीक यात्राएं सफल होगी। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखे अन्यथा आपके बने बनाये कार्य बिगड सकते हैं। इस लिए अधिक समय अपने जीवन साथी के साथ बिताने का प्रयास करे।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** नौकरी-व्यवसाय में उन्नति व आयके नए स्त्रोत मिलने के योग हैं। आपकी आर्थिक में सुधार होगा। भूमि-भवन-वाहन की प्राप्ती हो सकती हैं। कोर्ट-कचहरी के कार्यो में सफलता प्राप्त हो सकती हैं। स्वास्थ्य सुख में वृद्धि होगी फिर भी खाने- पीने का विशेष ध्यान रखना हितकारी रहेगा। जीवन साथी से आत्मियता की कमी महसूस कर सकते हैं।

**वृश्चिक: 1 से 15 जुलाई 2012 :** कार्यक्षेत्र में जोखिम भरे कार्य करने से बचे क्योकि आपकी लापरवाही आपको लंबे समय का नुक्शान कर सकती हैं। आय से व्यय अधिक होने के योग बन रहे हैं। प्रेम संबंधित मामलों में कोई परेशानी हो सकती हैं। संयम में रहने का प्रयास करें। व्यवसायिक यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। प्रकृति में बदलाव से आपका स्वास्थ्य नरम रह सकता है।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** नौकरी, व्यवास्य में धन प्राप्ति होगी जिस्से आर्थिक स्थिती में सुधार होगा। सामाजिक मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लेकिन इस अवधि में चल-अचल संपत्ति में पूंजि निवेश करना प्रतिकूल साबित हो सकता हैं। शत्रुओं पर आपका प्रभाव रहेगा। आपके विरोधी एवं शत्रु पक्ष परास्त होंगे। व्यवसायिक यात्रा में सफलता प्राप्त हो सकती है।

**धनु: 1 से 15 जुलाई 2012 :** इस अवधि में आपको प्रयासो के अनुरुप धनलाभ प्राप्त हो सकते हैं। शत्रु एवं विरोधी पक्ष के कारण आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता हैं। यदि आप नौकरी में हैं तो पदौन्नति के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में महत्वपूर्ण पद प्राप्त कर सकते हैं। आपका कोई परिजन स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से ग्रस्त हो सकता हैं इस लिए उचित ध्यान रखने का प्रयास करें।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** आपकी महत्वपूर्ण योजनाए पूर्ण हो सकती हैं। परिवार में किसी सदस्य के जिद्दी स्वभाव के कारण आपके परिवार में मानसिक अशांति का माहोल हो सकता है। आपका व्यवहार तीव्र एवं आक्रामकता से युक्त हो सकता हैं अतः प्रियजनो के साथ व्यवहार कूशल रहें। जीवन साथी के पूर्ण सहयोग से आपकी प्रसन्नता में वृद्धि होगा।

**मकर: 1 से 15 जुलाई 2012 :** नौकरी-व्यवसाय से संबंधित कार्यों के लिए यह समय आर्थिक लाभदेने वाला रहेगा। अपनी अधिक खर्च करने कि प्रवृत्ति पर नियंत्रण करने का प्रयास करें। विरोधी एवं शत्रु पक्ष से परेशानी हो सकती हैं। दूरस्थ स्थानों की यात्राएं लाभदायक सिद्ध होगी। आपके सामाजिक मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवन साथी से अनावश्य वाद-विवाह हो सकता हैं।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** भूमि-भवन-वाहन से संबंधित कार्यो में लाभ प्राप्त होगा। भूमि-भवन के क्रय विक्रय से धन लाभ होगा।आपके भौतिक सुख साधनो में वृद्धि होगी। ग्रहों के प्रभाव से अत्याधिक व्यय होने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य सुख में वृद्धि होगी फिर भी खाने- पीने का विशेष ध्यान रखना हितकारी रहेगा। जीवन साथी से रिश्तो में सुधार होगा।

**कुंभ: 1 से 15 जुलाई 2012 :** नौकरी से संबंधित कार्य में नये बदलाव हो सकते हैं, व्यवसाय में हैं तो उन्नती के नए मार्ग प्राप्त होंगे। भूमि-भवन से संबंधिअ मामलों में सफलता प्राप्त हो सकती हैं। व्यवसायीक यात्राएं सफल होगी। आपके भौतिक सुख साधनो में वृद्धि होगी। परिवार के लोग एवं मित्र वर्ग का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। जीवन साथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** नौकरी-व्यवसाय में उन्नति व आयके नए स्त्रोत मिलने के योग हैं। आपकी आर्थिक में सुधार होगा। भूमि-भवन-वाहन से संबंधिअ कार्यो से लाभ प्राप्ति संभव हैं। शत्रुओं पर आपका प्रभाव रहेगा। आपके विरोधी एवं शत्रु पक्ष परास्त होंगे। आपका सामाजिक जीवन उच्च स्तर का हो सकता हैं। परिवार के किसी सदस्य का स्वस्थ्य कमजोर हो सकता हैं।

**मीन: 1 से 15 जुलाई 2012 :** यदि आप नौकरी में हैं तो पदौन्नति हो सकती हैं या नई नौकरी प्राप्त हो सकती हैं, व्यवसाय में हैं तो उन्नती कि मार्ग प्रसस्त होंगे। भूमि-भवन-वाहन से संबंधि कार्यो में विशेष लाभ प्राप्ति के योग उत्तम रहेंगे। अपनी अधिक खर्च करने कि प्रवृत्ति पर नियंत्रण करने का प्रयास करें। धार्मिक कार्यो में विशेष रुचि रख सकते हैं।

**16 से 31 जुलाई 2012 :** अपने कार्यक्षेत्र में अपने कार्य का अच्छा प्रदर्शन करने में समर्थ होंगे। एकाधिक स्त्रोत से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आपके भौतिक सुख-साधनो में वृद्धि होगी। मित्र एवं परिवार के लोगो का सहयोग प्राप्त होगा। इस अवधि में चल-अचल संपत्ति में पूंजि निवेश करना आपके लिए विशेष रुप से फायदेमंद हो सकता हैं। जीवन साथी से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

# जुलाई 2012 मासिक पंचांग

| दि | वार | माह | पक्ष | तिथि | समाप्ति | नक्षत्र | समाप्ति | योग | समाप्ति | करण | समाप्ति | चंद्र राशि | समाप्ति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | रवि | आषढ़ | शुक्ल | द्वादशी- त्रयोदशी | 09:39:02 | अनुराधा | 20:59:39 | साध्य | 06:29:39 | बालव | 09:39:02 | वृश्चिक | - |
| 2 | सोम | आषढ़ | शुक्ल | त्रयोदशी - चतुर्दशी | 06:30:59 | जेष्ठा | 18:38:29 | शुक्ल | 23:12:14 | तैतिल | 06:30:59 | वृश्चिक | 18:39:00 |
| 3 | मंगल | आषढ़ | शुक्ल | पूर्णिमा | 24:22:00 | मूल | 16:23:52 | ब्रह्म | 19:39:49 | विष्टि | 13:50:07 | धनु | - |
| 4 | बुध | श्रावण | कृष्ण | प्रतिपदा | 21:40:13 | पूर्वाषाढ़ | 14:22:24 | इन्द्र | 16:20:32 | बालव | 10:58:02 | धनु | 19:56:00 |
| 5 | गुरु | श्रावण | कृष्ण | द्वितीया | 19:23:46 | उत्तराषाढ़ | 12:46:16 | वैधृति | 13:20:01 | तैतिल | 08:27:31 | मकर | - |
| 6 | शुक्र | श्रावण | कृष्ण | तृतीया | 17:42:01 | श्रवण | 11:40:08 | विषकुंभ | 10:47:38 | वणिज | 06:27:57 | मकर | 23:22:00 |
| 7 | शनि | श्रावण | कृष्ण | चतुर्थी | 16:42:27 | धनिष्ठा | 11:14:20 | प्रीति | 08:46:12 | बालव | 16:42:27 | कुंभ | - |
| 8 | रवि | श्रावण | कृष्ण | पंचमी | 16:29:47 | शतभिषा | 11:35:24 | आयुष्मान | 07:22:17 | तैतिल | 16:29:47 | कुंभ | - |
| 9 | सोम | श्रावण | कृष्ण | षष्ठी | 17:04:56 | पूर्वाभाद्रपद | 12:41:30 | सौभाग्य | 06:35:52 | वणिज | 17:04:56 | कुंभ | 06:20:00 |
| 10 | मंगल | श्रावण | कृष्ण | सप्तमी | 18:24:10 | उत्तराभाद्रपद | 14:32:36 | शोभन | 06:25:06 | विष्टि | 05:39:10 | मीन | - |
| 11 | बुध | श्रावण | कृष्ण | अष्टमी | 20:20:54 | रेवति | 17:00:16 | अतिगंड | 06:48:05 | बालव | 07:19:01 | मीन | 17:01:00 |
| 12 | गुरु | श्रावण | कृष्ण | नवमी | 22:42:57 | अश्विनी | 19:56:04 | सुकर्मा | 07:34:31 | तैतिल | 09:28:53 | मेष | - |
| 13 | शुक्र | श्रावण | कृष्ण | दशमी | 25:16:16 | भरणी | 23:02:12 | धृति | 08:35:57 | वणिज | 11:58:27 | मेष | - |
| 14 | शनि | श्रावण | कृष्ण | एकादशी | 27:45:50 | कृतिका | 26:08:20 | शूल | 09:42:05 | बव | 14:32:42 | मेष | 05:50:00 |
| 15 | रवि | श्रावण | कृष्ण | द्वादशी | 30:00:24 | रोहिणि | 28:58:32 | गंड | 10:42:36 | कौलव | 16:56:39 | वृष | - |
| 16 | सोम | श्रावण | कृष्ण | द्वादशी - त्रयोदशी | 06:00:56 | मृगशिरा | 31:24:22 | वृद्धि | 11:28:07 | तैतिल | 06:00:56 | वृष | 18:15:00 |
| 17 | मंगल | श्रावण | कृष्ण | त्रयोदशी | 07:49:16 | मृगशिरा | 07:24:54 | ध्रुव | 11:53:58 | वणिज | 07:49:16 | मिथुन | - |
| 18 | बुध | श्रावण | कृष्ण | चतुर्दशी | 09:08:33 | आद्रा | 09:21:41 | व्याघात | 11:55:26 | शकुनि | 09:08:33 | मिथुन | 28:28:00 |
| 19 | गुरु | श्रावण | कृष्ण | अमावस्या | 09:55:02 | पुनर्वसु | 10:46:36 | हर्षण | 11:30:39 | नाग | 09:55:02 | कर्क | - |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 20 | शुक्र | श्रावण | शुक्ल | प्रतिपदा | 10:08:42 | पुष्य | 11:40:35 | वज्र | 10:42:27 | बव | 10:08:42 | कर्क | - |
| 21 | शनि | श्रावण | शुक्ल | द्वितीया | 09:54:15 | अश्लेषा | 12:06:26 | सिद्धि | 09:29:52 | कौलव | 09:54:15 | कर्क | 12:07:00 |
| 22 | रवि | श्रावण | शुक्ल | तृतीया | 09:14:29 | मघा | 12:08:52 | व्यतिपात | 07:58:33 | गर | 09:14:29 | सिंह | - |
| 23 | सोम | श्रावण | शुक्ल | चतुर्थी | 08:13:10 | पूर्वाफाल्गुनी | 11:48:47 | वरियान | 06:09:25 | विष्टि | 08:13:10 | सिंह | 17:41:00 |
| 24 | मंगल | श्रावण | शुक्ल | पंचमी-षष्ठी | 06:52:10 | उत्तराफाल्गुनी | 11:11:51 | शिव | 25:45:36 | बालव | 06:52:10 | कन्या | - |
| 25 | बुध | श्रावण | शुक्ल | सप्तमी | 27:26:28 | हस्त | 10:18:02 | सिद्धि | 23:16:09 | गर | 16:22:43 | कन्या | 21:47:00 |
| 26 | गुरु | श्रावण | शुक्ल | अष्टमी | 25:23:17 | चित्रा | 09:12:02 | साध्य | 20:34:32 | विष्टि | 14:27:02 | तुला | - |
| 27 | शुक्र | श्रावण | शुक्ल | नवमी | 23:08:50 | स्वाती | 07:51:58 | शुभ | 17:45:24 | बालव | 12:18:13 | तुला | 24:46:00 |
| 28 | शनि | श्रावण | शुक्ल | दशमी | 20:46:54 | विशाखा | 06:22:32 | शुक्ल | 14:46:54 | तैतिल | 09:59:06 | वृश्चिक | - |
| 29 | रवि | श्रावण | शुक्ल | एकादशी | 18:17:28 | जेष्ठा | 27:02:28 | ब्रह्म | 11:43:43 | वणिज | 07:32:28 | वृश्चिक | 27:02:00 |
| 30 | सोम | श्रावण | शुक्ल | द्वादशी | 15:46:09 | मूल | 25:18:58 | इन्द्र | 08:36:47 | बालव | 15:46:09 | धनु | - |
| 31 | मंगल | श्रावण | शुक्ल | त्रयोदशी | 13:17:39 | पूर्वाषाढ़ | 23:42:02 | विषकुंभ | 26:31:43 | तैतिल | 13:17:39 | धनु | - |


# शनि पीड़ा निवारक

## संपूर्ण प्राणप्रतिष्ठित 22 गेज शुद्ध स्टील में निर्मित अखंडित पौरुषाकार शनि यंत्र

पुरुषाकार शनि यंत्र (स्टील में) को तीव्र प्रभावशाली बनाने हेतु शनि की कारक धातु शुद्ध स्टील(लोहे) में बनाया गया हैं। जिस के प्रभाव से साधक को तत्काल लाभ प्राप्त होता हैं। यदि जन्म कुंडली में शनि प्रतिकूल होने पर व्यक्ति को अनेक कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, कभी व्यवसाय में घटा, नौकरी में परेशानी, वाहन दुर्घटना, गृह क्लेश आदि परेशानीयां बढ़ती जाती है ऐसी स्थितियों में प्राणप्रतिष्ठित ग्रह पीड़ा निवारक शनि यंत्र की अपने को व्यपार स्थान या घर में स्थापना करने से अनेक लाभ मिलते हैं। यदि शनि की ढ़ैया या साढ़ेसाती का समय हो तो इसे अवश्य पूजना चाहिए। शनियंत्र के पूजन मात्र से व्यक्ति को मृत्यु, कर्ज, कोर्टकेश, जोडो का दर्द, बात रोग तथा लम्बे समय के सभी प्रकार के रोग से परेशान व्यक्ति के लिये शनि यंत्र अधिक लाभकारी होगा। नौकरी पेशा आदि के लोगों को पदौन्नति भी शनि द्वारा ही मिलती है अतः यह यंत्र अति उपयोगी यंत्र है जिसके द्वारा शीघ्र ही लाभ पाया जा सकता है।

**मूल्य: 1050 से 8200**

**GURUTVA KARYALAY**

BHUBNESWAR-751018, (ORISSA), Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

# जुलाई-2012 मासिक व्रत-पर्व-त्यौहार

| दि | वार | माह | पक्ष | तिथि | समाप्ति | प्रमुख व्रत-त्योहार |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | रवि | आषढ़ | शुक्ल | द्वादशी-त्रयोदशी | 09:39:02 | प्रदोष व्रत, चातुर्मास व्रत एवं नियम प्रारंभ, श्रीकृष्ण द्वादशी, वामन-पूजन, हार द्वादशी, श्यामबाबा द्वादशी, वासुदेव द्वादशी. जयापार्वती व्रत प्रारंभ (गुज), |
| 2 | सोम | आषढ़ | शुक्ल | त्रयोदशी - चतुर्दशी | 06:30:59 | शिव-शयन चतुर्दशी (ओड़ी), चतुर्दशी व्रत, |
| 3 | मंगल | आषढ़ | शुक्ल | पूर्णिमा | 24:22:00 | स्नान-दान-व्रत हेतु उत्तम आषाढ़ी पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा महोत्सव, व्यास-पूजन, मुड़िया पूनम, गोवर्द्धन परिक्रमा, दक्षिणामूर्ति पूजन, संन्यासियों का चातुर्मास प्रारंभ, कोकिला व्रत प्रारंभ, मैथिल साल 1420 प्रारंभ, |
| 4 | बुध | श्रावण | कृष्ण | प्रतिपदा | 21:40:13 | स्वामी विवेकानंद स्मृति दिवस, श्रावण (सावन मास) प्रारंभ, शिव अर्चन शुरू, सावन में चातुर्मास के व्रत धारी हेतु साग त्याग करने का शास्त्रोंक्त विधान, |
| 5 | गुरु | श्रावण | कृष्ण | द्वितीया | 19:23:46 | अशून्यशयन व्रत, हिंडोला प्रारंभ, जयापार्वती व्रत पूर्ण (गुज), |
| 6 | शुक्र | श्रावण | कृष्ण | तृतीया | 17:42:01 | संकष्टी श्रीगणेशचतुर्थी व्रत, (चं.उ.रा.8:56) |
| 7 | शनि | श्रावण | कृष्ण | चतुर्थी | 16:42:27 | - |
| 8 | रवि | श्रावण | कृष्ण | पंचमी | 16:29:47 | नागपंचमी, मौना पंचमी, भैय्या पंचमी, |
| 9 | सोम | श्रावण | कृष्ण | षष्ठी | 17:04:56 | सावन का प्रथम सोमवार व्रत, गौरी-शंकर पूजन, रुद्राभिषेक उत्तम, |
| 10 | मंगल | श्रावण | कृष्ण | सप्तमी | 18:24:10 | सावन के प्रत्येक मंगलवार को भौम व्रत, शीतला सप्तमी (ओड़ी), |
| 11 | बुध | श्रावण | कृष्ण | अष्टमी | 20:20:54 | कालाष्टमी व्रत, बुधाष्टमी पर्व (सूर्यग्रहण के समान), |
| 12 | गुरु | श्रावण | कृष्ण | नवमी | 22:42:57 | कौमारी पूजा नवमी |
| 13 | शुक्र | श्रावण | कृष्ण | दशमी | 25:16:16 | - |
| 14 | शनि | श्रावण | कृष्ण | एकादशी | 27:45:50 | कामिका एकादशी व्रत, व्यतिपात महापात रात्रि 4:02 बजे से |
| 15 | रवि | श्रावण | कृष्ण | द्वादशी | 30:00:24 | महाव्यतिपात दिन-रात, एकादशी व्रत, |
| 16 | सोम | श्रावण | कृष्ण | द्वादशी - त्रयोदशी | 06:00:56 | जुलाई- सावन का दूसरा सोमवार व्रत, सोम-प्रदोष व्रत, महाव्यतिपात प्रातः 6:42 बजे तक, कर्क-संक्रान्ति प्रातः 9:35 बजे, संक्रान्ति में स्नान-दान हेतु पुण्यकाल सूर्योदय से प्रातः 9:35 बजे तक, सूर्य दक्षिणायन, अयन संक्रान्ति के बाद 3 दिनों तक शुभ कार्य वर्जित, |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | पूजा-संकल्प में प्रयोजनीय वर्षा ऋतु प्रारंभ, |
| 17 | मंगल | श्रावण | कृष्ण | त्रयोदशी | 07:49:16 | मासिक शिवरात्रि व्रत, मंगला गौरी, शिव चतुर्दशी, |
| 18 | बुध | श्रावण | कृष्ण | चतुर्दशी | 09:08:33 | श्राद्ध की अमावस्या, दीप पूजा, आदि अमावस्या (द.भा.), कर्कट पूजा, |
| 19 | गुरु | श्रावण | कृष्ण | अमावस्या | 09:55:02 | स्नान-दान हेतु उत्तम श्रावणी अमावस्या, हरियाली अमावस, चितलगी अमावस्या (ओड़ी), पुष्य नक्षत्र (दिन 11:6 से) |
| 20 | शुक्र | श्रावण | शुक्ल | प्रतिपदा | 10:08:42 | नवीन चंद्र-दर्शन, महालक्ष्मी-पूजा, नक्तव्रत प्रारंभ, पुष्य नक्षत्र (रात्रि 12:7 तक) |
| 21 | शनि | श्रावण | शुक्ल | द्वितीया | 09:54:15 | सिंधारा दूज, |
| 22 | रवि | श्रावण | शुक्ल | तृतीया | 09:14:29 | हरियाली तीज (छोटी तीज), मधुस्रवा तृतीया व्रत, स्वर्णगौरी व्रत, वरदविनायक चतुर्थी व्रत, (चं.उ.रा. 9:10), दूर्वा गणपति व्रत, |
| 23 | सोम | श्रावण | शुक्ल | चतुर्थी | 08:13:10 | सावन का तृतीय सोमवार व्रत, नागपंचमी, तक्षक-पूजन, जाग्रतगौरी पंचमी (ओड़ी), लोकमान्य तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद जयंती, |
| 24 | मंगल | श्रावण | शुक्ल | पंचमी-षष्ठी | 06:52:10 | वर्ण शृयाल षष्ठी, लुण्ठन षष्ठी (बंगा), कल्कि अवतार तिथि, रांधण छठ (गुज), |
| 25 | बुध | श्रावण | शुक्ल | सप्तमी | 27:26:28 | गोस्वामी तुलसीदास जयंती |
| 26 | गुरु | श्रावण | शुक्ल | अष्टमी | 25:23:17 | श्रीदुर्गाष्टमी व्रत, श्रीअन्नपूर्णाष्टमी व्रत, |
| 27 | शुक्र | श्रावण | शुक्ल | नवमी | 23:08:50 | वरदलक्ष्मी व्रत, नकुल नवमी, बगीचा नवमी, वैधृति महापात दिन 3:20 से रात्रि 12:41 बजे तक |
| 28 | शनि | श्रावण | शुक्ल | दशमी | 20:46:54 | - |
| 29 | रवि | श्रावण | शुक्ल | एकादशी | 18:17:28 | पुत्रदा एकादशी, पवित्रा एकादशी व्रत, |
| 30 | सोम | श्रावण | शुक्ल | द्वादशी | 15:46:09 | सावन का चतुर्थ सोमवार व्रत, सोम प्रदोष व्रत, पवित्रा बारस, श्रीविष्णु पवित्रारोपण, श्रीधर द्वादशी, श्यामबाबा द्वादशी |
| 31 | मंगल | श्रावण | शुक्ल | त्रयोदशी | 13:17:39 | आखेटक त्रयोदशी (ओड़ी), शिवपवित्रारोपण चतुर्दशी |


## क्या आप किसी समस्या से ग्रस्त हैं?

आपके पास अपनी समस्याओं से छुटकारा पाने हेतु पूजा-अर्चना, साधना, मंत्र जाप इत्यादि करने का समय नहीं हैं? अब आप अपनी समस्याओं से बीना किसी विशेष पूजा-अर्चना, विधि-विधान के आपको अपने कार्य में सफलता प्राप्त कर सके एवं आपको अपने जीवन के समस्त सुखो को प्राप्त करने का मार्ग प्राप्त हो सके इस लिये गुरुत्व कार्यालत द्वारा हमारा उद्देश्य शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त विभिन्न प्रकार के यन्त्र- कवच एवं शुभ फलदायी ग्रह रत्न एवं उपरत्न आपके घर तक पहोचाने का है।

## गणेश लक्ष्मी यंत्र

प्राण-प्रतिष्ठित गणेश लक्ष्मी यंत्र को अपने घर-दुकान-ओफिस-फैक्टरी में पूजन स्थान, गल्ला या अलमारी में स्थापित करने व्यापार में विशेष लाभ प्राप्त होता हैं। यंत्र के प्रभाव से भाग्य में उन्नति, मान-प्रतिष्ठा एवं व्यापर में वृद्धि होती हैं एवं आर्थिक स्थिमें सुधार होता हैं। गणेश लक्ष्मी यंत्र को स्थापित करने से भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी का संयुक्त आशीर्वाद प्राप्त होता हैं। **Rs.730 से Rs.10900 तक**

## मंगल यंत्र से ऋण मुक्ति

मंगल यंत्र को जमीन-जायदाद के विवादो को हल करने के काम में लाभ देता हैं, इस के अतिरिक्त व्यक्ति को **ऋण मुक्ति** हेतु मंगल साधना से अति शीध्र लाभ प्राप्त होता हैं। विवाह आदि में मंगली जातकों के कल्याण के लिए मंगल यंत्र की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं। प्राण प्रतिष्ठित मंगल यंत्र के पूजन से भाग्योदय, शरीर में खून की कमी, गर्भपात से बचाव, बुखार, चेचक, पागलपन, सूजन और घाव, यौन शक्ति में वृद्धि, शत्रु विजय, तंत्र मंत्र के दुष्ट प्रभा, भूत-प्रेत भय, वाहन दुर्घटनाओं, हमला, चोरी इत्यादी से बचाव होता हैं। मूल्य मात्र Rs- 730

## कुबेर यंत्र

कुबेर यंत्र के पूजन से स्वर्ण लाभ, रत्न लाभ, पैतृक सम्पत्ती एवं गड़े हुए धन से लाभ प्राप्ति कि कामना करने वाले व्यक्ति के लिये कुबेर यंत्र अत्यन्त सफलता दायक होता हैं। एसा शास्त्रोक्त वचन हैं। कुबेर यंत्र के पूजन से एकाधिक स्त्रोत्र से धन का प्राप्त होकर धन संचय होता हैं।

**ताम्र पत्र पर सुवर्ण पोलीस**

(Gold Plated)

**ताम्र पत्र पर रजत पोलीस**

(Silver Plated)

**ताम्र पत्र पर**

(Copper)

| साईज (Gold Plated) | मूल्य | साईज (Silver Plated) | मूल्य | साईज (Copper) | मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|
| 1” X 1” | 460 | 1” X 1” | 370 | 1” X 1” | 255 |
| 2” X 2” | 820 | 2” X 2” | 640 | 2” X 2” | 460 |
| 3” X 3” | 1650 | 3” X 3” | 1090 | 3” X 3” | 730 |
| 4” X 4” | 2350 | 4” X 4” | 1650 | 4” X 4” | 1090 |
| 6” X 6” | 3600 | 6” X 6” | 2800 | 6” X 6” | 1900 |
| 9” X 9” | 6400 | 9” X 9” | 5100 | 9” X 9” | 3250 |
| 12” X12” | 10800 | 12” X12” | 8200 | 12” X12” | 6400 |

**GURUTVA KARYALAY**

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call Us – 91 + 9338213418, 91 + 9238328785

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

# नवरत्न जड़ित श्री यंत्र

शास्त्र वचन के अनुसार शुद्ध सुवर्ण या रजत में निर्मित श्री यंत्र के चारों और यदि नवरत्न जड़वा ने पर यह नवरत्न जड़ित श्री यंत्र कहलाता हैं। सभी रत्नो को उसके निश्चित स्थान पर जड़ कर लॉकेट के रूप में धारण करने से व्यक्ति को अनंत एश्वर्य एवं लक्ष्मी की प्राप्ति होती हैं। व्यक्ति को एसा आभास होता हैं जैसे मां लक्ष्मी उसके साथ हैं। नवग्रह को श्री यंत्र के साथ लगाने से ग्रहों की अशुभ दशा का धारण करने वाले व्यक्ति पर प्रभाव नहीं होता हैं। गले में होने के कारण यंत्र पवित्र रहता हैं एवं स्नान करते समय इस यंत्र पर स्पर्श कर जो जल बिंदु शरीर को लगते हैं, वह गंगा जल के समान पवित्र होता हैं। इस लिये इसे सबसे तेजस्वी एवं फलदायि कहजाता हैं। जैसे अमृत से उत्तम कोई औषधि नहीं, उसी प्रकार लक्ष्मी प्राप्ति के लिये श्री यंत्र से उत्तम कोई यंत्र संसार में नहीं हैं एसा शास्त्रोक्त वचन हैं। इस प्रकार के नवरत्न जड़ित श्री यंत्र गुरूत्व कार्यालय द्वारा शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठित करके बनावाए जाते हैं।

# अष्ट लक्ष्मी कवच

**अष्ट लक्ष्मी** कवच को धारण करने से व्यक्ति पर सदा मां महा लक्ष्मी की कृपा एवं आशीर्वाद बना रहता हैं। जिस्से मां लक्ष्मी के अष्ट रुप (१)-आदि लक्ष्मी, (२)-धान्य लक्ष्मी, (३)-धैरीय लक्ष्मी, (४)-गज लक्ष्मी, (५)-संतान लक्ष्मी, (६)-विजय लक्ष्मी, (७)-विद्या लक्ष्मी और (८)-धन लक्ष्मी इन सभी रुपो का स्वतः अशीर्वाद प्राप्त होता हैं। **मूल्य मात्र: Rs-1250**

# मंत्र सिद्ध व्यापार वृद्धि कवच

व्यापार वृद्धि कवच व्यापार के शीघ्र उन्नति के लिए उत्तम हैं। चाहें कोई भी व्यापार हो अगर उसमें लाभ के स्थान पर बार-बार हानि हो रही हैं। किसी प्रकार से व्यापार में बार-बार बांधा उत्पन्न हो रही हो! तो **संपूर्ण प्राण प्रतिष्ठित मंत्र सिद्ध पूर्ण चैतन्य युक्त व्यापात वृद्धि यंत्र** को व्यपार स्थान या घर में स्थापित करने से शीघ्र ही व्यापार वृद्धि एवं नितन्तर लाभ प्राप्त होता हैं। **मूल्य मात्र: Rs.730 & 1050**

# मंगल यंत्र

(त्रिकोण) मंगल यंत्र को जमीन-जायदाद के विवादो को हल करने के काम में लाभ देता हैं, इस के अतिरिक्त व्यक्ति को ऋण मुक्ति हेतु मंगल साधना से अति शीध्र लाभ प्राप्त होता हैं। विवाह आदि में मंगली जातकों के कल्याण के लिए मंगल यंत्र की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं। **मूल्य मात्र Rs- 730**

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,
Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/

# विवाह संबंधित समस्या

क्या आपके लडके-लडकी कि आपकी शादी में अनावश्यक रूप से विलम्ब हो रहा हैं या उनके वैवाहिक जीवन में खुशियां कम होती जारही हैं और समस्या अधिक बढती जारही हैं। एसी स्थिती होने पर अपने लडके-लडकी कि कुंडली का अध्ययन अवश्य करवाले और उनके वैवाहिक सुख को कम करने वाले दोषों के निवारण के उपायो के बार में विस्तार से जनकारी प्राप्त करें।

# शिक्षा से संबंधित समस्या

क्या आपके लडके-लडकी की पढाई में अनावश्यक रूप से बाधा-विघ्न या रुकावटे हो रही हैं? बच्चो को अपने पूर्ण परिश्रम एवं मेहनत का उचित फल नहीं मिल रहा? अपने लडके-लडकी की कुंडली का विस्तृत अध्ययन अवश्य करवाले और उनके विद्या अध्ययन में आनेवाली रुकावट एवं दोषो के कारण एवं उन दोषों के निवारण के उपायो के बार में विस्तार से जनकारी प्राप्त करें।

# क्या आप किसी समस्या से ग्रस्त हैं?

आपके पास अपनी समस्याओं से छुटकारा पाने हेतु पूजा-अर्चना, साधना, मंत्र जाप इत्यादि करने का समय नहीं हैं? अब आप अपनी समस्याओं से बीना किसी विशेष पूजा-अर्चना, विधि-विधान के आपको अपने कार्य में सफलता प्राप्त कर सके एवं आपको अपने जीवन के समस्त सुखो को प्राप्त करने का मार्ग प्राप्त हो सके इस लिये गुरुत्व कार्यालत द्वारा हमारा उद्देश्य शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त विभिन्न प्रकार के यन्त्र- कवच एवं शुभ फलदायी ग्रह रत्न एवं उपरत्न आपके घर तक पहोचाने का हैं।

# ज्योतिष संबंधित विशेष परामर्श

ज्योति विज्ञान, अंक ज्योतिष, वास्तु एवं आध्यात्मिक ज्ञान सें संबंधित विषयों में हमारे 30 वर्षो से अधिक वर्ष के अनुभवों के साथ ज्योतिस से जुडे नये-नये संशोधन के आधार पर आप अपनी हर समस्या के सरल समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

**GURUTVA KARYALAY**
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

## ओनेक्स

जो व्यक्ति पन्ना धारण करने मे असमर्थ हो उन्हें बुध ग्रह के उपरत्न **ओनेक्स** को धारण करना चाहिए। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु और स्मरण शक्ति के विकास हेतु ओनेक्स रत्न की अंगूठी को दायें हाथ की सबसे छोटी उंगली या लॉकेट बनवा कर गले में धारण करें। ओनेक्स रत्न धारण करने से विद्या-बुद्धि की प्राप्ति हो होकर स्मरण शक्ति का विकास होता हैं।

# जुलाई 2012 -विशेष योग

| | | | |
|---|---|---|---|
| **कार्य सिद्धि योग** | | | |
| 6 | सूर्योदय से दिन 11.39 तक | 16 | सम्पूर्ण दिन-रात |
| 10 | सूर्योदय से दिन 2.31 तक | 19 | सम्पूर्ण दिन-रात |
| 12 | सूर्योदय से सायं 7.54 तक | 25 | सूर्योदय से प्रातः 10.17 तक |
| 14/15 | रात्रि 2.07 से सूर्योदय तक | 29/30 | रात्रि 3.01 से सूर्योदय तक |
| **अमृत योग** | | | |
| 14/15 | रात्रि 2.07 से सूर्योदय तक | 19 | प्रातः 10.45 से दिन-रात |
| 16 | सम्पूर्ण दिन-रात | | |
| **द्विपुष्कर योग (दोगुना) योग** | | | |
| 16 | प्रातः 4.57 से सूर्योदय तक | | |
| **गुरु पुष्यामृत योग** | | | |
| 19 | जुलाई को प्रातः 10.45 से दिन-रात | | |

**योग फल :**

- कार्य सिद्धि योग मे किये गये शुभ कार्य मे निश्चित सफलता प्राप्त होती हैं, एसा शास्त्रोक्त वचन हैं।
- द्विपुष्कर योग में किये गये शुभ कार्यो का लाभ दोगुना होता हैं। एसा शास्त्रोक्त वचन हैं।
- गुरु पुष्यामृत योग में किये गये किये गये शुभ कार्य मे शुभ फलो की प्राप्ति होती हैं, एसा शास्त्रोक्त वचन हैं।

## दैनिक शुभ एवं अशुभ समय ज्ञान तालिका

| वार | गुलिक काल (शुभ) समय अवधि | यम काल (अशुभ) समय अवधि | राहु काल (अशुभ) समय अवधि |
|---|---|---|---|
| रविवार | 03:00 से 04:30 | 12:00 से 01:30 | 04:30 से 06:00 |
| सोमवार | 01:30 से 03:00 | 10:30 से 12:00 | 07:30 से 09:00 |
| मंगलवार | 12:00 से 01:30 | 09:00 से 10:30 | 03:00 से 04:30 |
| बुधवार | 10:30 से 12:00 | 07:30 से 09:00 | 12:00 से 01:30 |
| गुरुवार | 09:00 से 10:30 | 06:00 से 07:30 | 01:30 से 03:00 |
| शुक्रवार | 07:30 से 09:00 | 03:00 से 04:30 | 10:30 से 12:00 |
| शनिवार | 06:00 से 07:30 | 01:30 से 03:00 | 09:00 से 10:30 |

## दिन के चौघडिये

| समय | रविवार | सोमवार | मंगलवार | बुधवार | गुरुवार | शुक्रवार | शनिवार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 06:00 से 07:30 | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल |
| 07:30 से 09:00 | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ |
| 09:00 से 10:30 | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग |
| 10:30 से 12:00 | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग |
| 12:00 से 01:30 | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल |
| 01:30 से 03:00 | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |
| 03:00 से 04:30 | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत |
| 04:30 से 06:00 | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल |

## रात के चौघडिये

| समय | रविवार | सोमवार | मंगलवार | बुधवार | गुरुवार | शुक्रवार | शनिवार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 06:00 से 07:30 | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |
| 07:30 से 09:00 | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग |
| 09:00 से 10:30 | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ |
| 10:30 से 12:00 | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत |
| 12:00 से 01:30 | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल |
| 01:30 से 03:00 | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग |
| 03:00 से 04:30 | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल |
| 04:30 से 06:00 | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |

शास्त्रोक्त मत के अनुशार यदि किसी भी कार्य का प्रारंभ शुभ मुहूर्त या शुभ समय पर किया जाये तो कार्य में सफलता प्राप्त होने कि संभावना ज्यादा प्रबल हो जाती हैं। इस लिये दैनिक शुभ समय चौघड़िया देखकर प्राप्त किया जा सकता हैं।

**नोट**: प्रायः दिन और रात्रि के चौघड़िये कि गिनती क्रमशः सूर्योदय और सूर्यास्त से कि जाती हैं। प्रत्येक चौघड़िये कि अवधि 1 घंटा 30 मिनिट अर्थात डेढ़ घंटा होती हैं। समय के अनुसार चौघड़िये को शुभाशुभ तीन भागों में बांटा जाता हैं, जो क्रमशः शुभ, मध्यम और अशुभ हैं।

## चौघडिये के स्वामी ग्रह

| शुभ चौघडिया | | मध्यम चौघडिया | | अशुभ चौघड़िया | |
|---|---|---|---|---|---|
| चौघडिया | स्वामी ग्रह | चौघडिया | स्वामी ग्रह | चौघडिया | स्वामी ग्रह |
| शुभ | गुरु | चर | शुक्र | उद्वेग | सूर्य |
| अमृत | चंद्रमा | | | काल | शनि |
| लाभ | बुध | | | रोग | मंगल |

* हर कार्य के लिये शुभ/अमृत/लाभ का चौघड़िया उत्तम माना जाता हैं।

* हर कार्य के लिये चल/काल/रोग/उद्वेग का चौघड़िया उचित नहीं माना जाता।

| दिन कि होरा - सूर्योदय से सूर्यास्त तक | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वार | 1.घं | 2.घं | 3.घं | 4.घं | 5.घं | 6.घं | 7.घं | 8.घं | 9.घं | 10.घं | 11.घं | 12.घं |
| रविवार | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि |
| सोमवार | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य |
| मंगलवार | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र |
| बुधवार | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल |
| गुरुवार | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध |
| शुक्रवार | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु |
| शनिवार | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र |
| रात कि होरा – सूर्यास्त से सूर्योदय तक | | | | | | | | | | | | |
| रविवार | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध |
| सोमवार | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु |
| मंगलवार | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र |
| बुधवार | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि |
| गुरुवार | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य |
| शुक्रवार | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र |
| शनिवार | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल | सूर्य | शुक्र | बुध | चंद्र | शनि | गुरु | मंगल |

होरा मुहूर्त को कार्य सिद्धि के लिए पूर्ण फलदायक एवं अचूक माना जाता हैं, दिन-रात के २४ घंटों में शुभ-अशुभ समय को समय से पूर्व ज्ञात कर अपने कार्य सिद्धि के लिए प्रयोग करना चाहिये।

**विद्वानो के मत से इच्छित कार्य सिद्धि के लिए ग्रह से संबंधित होरा का चुनाव करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं।**

- सूर्य कि होरा सरकारी कार्यो के लिये उत्तम होती हैं।
- चंद्रमा कि होरा सभी कार्यों के लिये उत्तम होती हैं।
- मंगल कि होरा कोर्ट-कचेरी के कार्यों के लिये उत्तम होती हैं।
- बुध कि होरा विद्या-बुद्धि अर्थात पढाई के लिये उत्तम होती हैं।
- गुरु कि होरा धार्मिक कार्य एवं विवाह के लिये उत्तम होती हैं।
- शुक्र कि होरा यात्रा के लिये उत्तम होती हैं।
- शनि कि होरा धन-द्रव्य संबंधित कार्य के लिये उत्तम होती हैं।

# ग्रह चलन जुलाई -2012

| Day | Sun | Mon | Ma | Me | Jup | Ven | Sat | Rah | Ket | Ua | Nep | Plu |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 02:15:32 | 07:07:09 | 05:04:38 | 03:11:16 | 01:10:13 | 01:13:39 | 05:28:45 | 07:10:41 | 01:10:41 | 11:14:26 | 10:08:56 | 08:14:11 |
| 2 | 02:16:29 | 07:21:54 | 05:05:10 | 03:12:12 | 01:10:26 | 01:13:48 | 05:28:45 | 07:10:41 | 01:10:41 | 11:14:27 | 10:08:55 | 08:14:09 |
| 3 | 02:17:26 | 08:06:40 | 05:05:41 | 03:13:05 | 01:10:38 | 01:13:59 | 05:28:46 | 07:10:39 | 01:10:39 | 11:14:27 | 10:08:54 | 08:14:08 |
| 4 | 02:18:23 | 08:21:18 | 05:06:12 | 03:13:54 | 01:10:51 | 01:14:12 | 05:28:47 | 07:10:35 | 01:10:35 | 11:14:28 | 10:08:53 | 08:14:06 |
| 5 | 02:19:20 | 09:05:42 | 05:06:44 | 03:14:39 | 01:11:04 | 01:14:26 | 05:28:48 | 07:10:30 | 01:10:30 | 11:14:28 | 10:08:52 | 08:14:05 |
| 6 | 02:20:18 | 09:19:46 | 05:07:16 | 03:15:21 | 01:11:16 | 01:14:43 | 05:28:49 | 07:10:24 | 01:10:24 | 11:14:28 | 10:08:51 | 08:14:03 |
| 7 | 02:21:15 | 10:03:27 | 05:07:48 | 03:15:59 | 01:11:28 | 01:15:02 | 05:28:50 | 07:10:17 | 01:10:17 | 11:14:29 | 10:08:50 | 08:14:02 |
| 8 | 02:22:12 | 10:16:42 | 05:08:20 | 03:16:33 | 01:11:41 | 01:15:22 | 05:28:51 | 07:10:12 | 01:10:12 | 11:14:29 | 10:08:49 | 08:14:00 |
| 9 | 02:23:09 | 10:29:33 | 05:08:53 | 03:17:03 | 01:11:53 | 01:15:44 | 05:28:52 | 07:10:08 | 01:10:08 | 11:14:29 | 10:08:48 | 08:13:59 |
| 10 | 02:24:06 | 11:12:02 | 05:09:25 | 03:17:29 | 01:12:05 | 01:16:08 | 05:28:54 | 07:10:05 | 01:10:05 | 11:14:29 | 10:08:47 | 08:13:57 |
| 11 | 02:25:04 | 11:24:14 | 05:09:58 | 03:17:50 | 01:12:17 | 01:16:34 | 05:28:55 | 07:10:04 | 01:10:04 | 11:14:30 | 10:08:46 | 08:13:56 |
| 12 | 02:26:01 | 00:06:12 | 05:10:31 | 03:18:07 | 01:12:30 | 01:17:01 | 05:28:57 | 07:10:05 | 01:10:05 | 11:14:30 | 10:08:45 | 08:13:54 |
| 13 | 02:26:58 | 00:18:02 | 05:11:04 | 03:18:19 | 01:12:42 | 01:17:30 | 05:28:59 | 07:10:06 | 01:10:06 | 11:14:30 | 10:08:44 | 08:13:53 |
| 14 | 02:27:55 | 00:29:50 | 05:11:37 | 03:18:27 | 01:12:53 | 01:18:00 | 05:29:00 | 07:10:07 | 01:10:07 | 11:14:30 | 10:08:43 | 08:13:51 |
| 15 | 02:28:52 | 01:11:40 | 05:12:10 | 03:18:30 | 01:13:05 | 01:18:32 | 05:29:02 | 07:10:08 | 01:10:08 | 11:14:30 | 10:08:42 | 08:13:50 |
| 16 | 02:29:50 | 01:23:36 | 05:12:44 | 03:18:28 | 01:13:17 | 01:19:04 | 05:29:04 | 07:10:07 | 01:10:07 | 11:14:30 | 10:08:41 | 08:13:49 |
| 17 | 03:00:47 | 02:05:42 | 05:13:17 | 03:18:21 | 01:13:29 | 01:19:39 | 05:29:06 | 07:10:04 | 01:10:04 | 11:14:29 | 10:08:39 | 08:13:47 |
| 18 | 03:01:44 | 02:18:00 | 05:13:51 | 03:18:09 | 01:13:40 | 01:20:14 | 05:29:08 | 07:09:58 | 01:09:58 | 11:14:29 | 10:08:38 | 08:13:46 |
| 19 | 03:02:41 | 03:00:32 | 05:14:25 | 03:17:53 | 01:13:52 | 01:20:51 | 05:29:11 | 07:09:51 | 01:09:51 | 11:14:29 | 10:08:37 | 08:13:44 |
| 20 | 03:03:39 | 03:13:20 | 05:14:59 | 03:17:32 | 01:14:03 | 01:21:29 | 05:29:13 | 07:09:42 | 01:09:42 | 11:14:29 | 10:08:36 | 08:13:43 |
| 21 | 03:04:36 | 03:26:22 | 05:15:33 | 03:17:07 | 01:14:15 | 01:22:08 | 05:29:15 | 07:09:33 | 01:09:33 | 11:14:28 | 10:08:34 | 08:13:41 |
| 22 | 03:05:33 | 04:09:37 | 05:16:07 | 03:16:38 | 01:14:26 | 01:22:48 | 05:29:18 | 07:09:24 | 01:09:24 | 11:14:28 | 10:08:33 | 08:13:40 |
| 23 | 03:06:31 | 04:23:05 | 05:16:42 | 03:16:05 | 01:14:37 | 01:23:29 | 05:29:21 | 07:09:16 | 01:09:16 | 11:14:28 | 10:08:32 | 08:13:39 |
| 24 | 03:07:28 | 05:06:44 | 05:17:17 | 03:15:28 | 01:14:48 | 01:24:11 | 05:29:23 | 07:09:10 | 01:09:10 | 11:14:27 | 10:08:30 | 08:13:37 |
| 25 | 03:08:25 | 05:20:33 | 05:17:51 | 03:14:49 | 01:14:59 | 01:24:54 | 05:29:26 | 07:09:07 | 01:09:07 | 11:14:26 | 10:08:29 | 08:13:36 |
| 26 | 03:09:23 | 06:04:30 | 05:18:26 | 03:14:08 | 01:15:10 | 01:25:38 | 05:29:29 | 07:09:05 | 01:09:05 | 11:14:26 | 10:08:28 | 08:13:35 |
| 27 | 03:10:20 | 06:18:36 | 05:19:01 | 03:13:25 | 01:15:21 | 01:26:23 | 05:29:32 | 07:09:05 | 01:09:05 | 11:14:25 | 10:08:26 | 08:13:33 |
| 28 | 03:11:17 | 07:02:48 | 05:19:36 | 03:12:41 | 01:15:32 | 01:27:08 | 05:29:35 | 07:09:06 | 01:09:06 | 11:14:25 | 10:08:25 | 08:13:32 |
| 29 | 03:12:15 | 07:17:07 | 05:20:12 | 03:11:58 | 01:15:42 | 01:27:55 | 05:29:38 | 07:09:06 | 01:09:06 | 11:14:24 | 10:08:24 | 08:13:31 |
| 30 | 03:13:12 | 08:01:28 | 05:20:47 | 03:11:15 | 01:15:53 | 01:28:42 | 05:29:41 | 07:09:04 | 01:09:04 | 11:14:23 | 10:08:22 | 08:13:29 |
| 31 | 03:14:09 | 08:15:50 | 05:21:23 | 03:10:33 | 01:16:03 | 01:29:30 | 05:29:45 | 07:09:00 | 01:09:00 | 11:14:22 | 10:08:21 | 08:13:28 |

# सर्व रोगनाशक यंत्र/कवच

मनुष्य अपने जीवन के विभिन्न समय पर किसी ना किसी साध्य या असाध्य रोग से ग्रस्त होता हैं।

उचित उपचार से ज्यादातर साध्य रोगो से तो मुक्ति मिल जाती हैं, लेकिन कभी-कभी साध्य रोग होकर भी असाध्या होजाते हैं, या कोइ असाध्य रोग से ग्रसित होजाते हैं। हजारो लाखो रुपये खर्च करने पर भी अधिक लाभ प्राप्त नहीं हो पाता। डॉक्टर द्वारा दिजाने वाली दवाईया अल्प समय के लिये कारगर साबित होती हैं, एसि स्थिती में लाभा प्राप्ति के लिये व्यक्ति एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर के चक्कर लगाने को बाध्य हो जाता हैं।

भारतीय ऋषीयोने अपने योग साधना के प्रताप से रोग शांति हेतु विभिन्न आयुर्वेर औषधो के अतिरिक्त यंत्र, मंत्र एवं तंत्र उल्लेख अपने ग्रंथो में कर मानव जीवन को लाभ प्रदान करने का सार्थक प्रयास हजारो वर्ष पूर्व किया था। बुद्धिजीवो के मत से जो व्यक्ति जीवनभर अपनी दिनचर्या पर नियम, संयम रख कर आहार ग्रहण करता हैं, एसे व्यक्ति को विभिन्न रोग से ग्रसित होने की संभावना कम होती हैं। लेकिन आज के बदलते युग में एसे व्यक्ति भी भयंकर रोग से ग्रस्त होते दिख जाते हैं। क्योकि समग्र संसार काल के अधीन हैं। एवं मृत्यु निश्चित हैं जिसे विधाता के अलावा और कोई टाल नहीं सकता, लेकिन रोग होने कि स्थिती में व्यक्ति रोग दूर करने का प्रयास तो अवश्य कर सकता हैं। इस लिये **यंत्र मंत्र एवं तंत्र** के कुशल जानकार से योग्य मार्गदर्शन लेकर व्यक्ति रोगो से मुक्ति पाने का या उसके प्रभावो को कम करने का प्रयास भी अवश्य कर सकता हैं।

**ज्योतिष** विद्या के कुशल जानकर भी काल पुरुषकी गणना कर अनेक रोगो के अनेको रहस्य को उजागर कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से रोग के मूलको पकडने मे सहयोग मिलता हैं, जहा आधुनिक चिकित्सा शास्त्र अक्षम होजाता हैं वहा ज्योतिष शास्त्र द्वारा रोग के मूल(जड़) को पकड कर उसका निदान करना लाभदायक एवं उपायोगी सिद्ध होता हैं।

हर व्यक्ति में लाल रंगकी कोशिकाए पाइ जाती हैं, जिसका नियमीत विकास क्रम बद्ध तरीके से होता रहता हैं। जब इन कोशिकाओ के क्रम में परिवर्तन होता है या विखंडिन होता हैं तब व्यक्ति के शरीर में स्वास्थ्य संबंधी विकारो उत्पन्न होते हैं। एवं इन कोशिकाओ का संबंध नव ग्रहो के साथ होता हैं। जिस्से रोगो के होने के कारणा व्यक्तिके जन्मांग से दशा-महादशा एवं ग्रहो कि गोचर में स्थिती से प्राप्त होता हैं।

सर्व रोग निवारण कवच एवं महामृत्युंजय यंत्र के माध्यम से व्यक्ति के जन्मांग में स्थित कमजोर एवं पीडित ग्रहो के अशुभ प्रभाव को कम करने का कार्य सरलता पूर्वक किया जासकता हैं। जेसे हर व्यक्ति को ब्रह्मांड कि उर्जा एवं पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल प्रभावीत कर्ता हैं ठिक उसी प्रकार कवच एवं यंत्र के माध्यम से ब्रह्मांड कि उर्जा के सकारात्मक प्रभाव से व्यक्ति को सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती हैं जिस्से रोग के प्रभाव को कम कर रोग मुक्त करने हेतु सहायता मिलती हैं।

रोग निवारण हेतु महामृत्युंजय मंत्र एवं यंत्र का बडा महत्व हैं। जिस्से हिन्दू संस्कृति का प्रायः हर व्यक्ति महामृत्युंजय मंत्र से परिचित हैं।

**कवच के लाभ :**

- एसा शास्त्रोक्त वचन हैं जिस घर में महामृत्युंजय यंत्र स्थापित होता हैं वहा निवास कर्ता हो नाना प्रकार कि आधि-व्याधि-उपाधि से रक्षा होती हैं।
- पूर्ण प्राण प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त सर्व रोग निवारण कवच किसी भी उम्र एवं जाति धर्म के लोग चाहे स्त्री हो या पुरुष धारण कर सकते हैं।
- जन्मांगमें अनेक प्रकारके खराब योगो और खराब ग्रहो कि प्रतिकूलता से रोग उतपन्न होते हैं।
- कुछ रोग संक्रमण से होते हैं एवं कुछ रोग खान-पान कि अनियमितता और अशुद्धतासे उत्पन्न होते हैं। कवच एवं यंत्र द्वारा एसे अनेक प्रकार के खराब योगो को नष्ट कर, स्वास्थ्य लाभ और शारीरिक रक्षण प्राप्त करने हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र सर्व उपयोगी होता हैं।
- आज के भौतिकता वादी आधुनिक युगमे अनेक एसे रोग होते हैं, जिसका उपचार ओपरेशन और दवासे भी कठिन हो जाता हैं। कुछ रोग एसे होते हैं जिसे बताने में लोग हिचकिचाते हैं शरम अनुभव करते हैं एसे रोगो को रोकने हेतु एवं उसके उपचार हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र लाभादायि सिद्ध होता हैं।
- प्रत्येक व्यक्ति कि जेसे-जेसे आयु बढती हैं वैसे-वसै उसके शरीर कि ऊर्जा होती जाती हैं। जिसके साथ अनेक प्रकार के विकार पैदा होने लगते हैं एसी स्थिती में उपचार हेतु सर्वरोगनाशक कवच एवं यंत्र फलप्रद होता हैं।
- जिस घर में पिता-पुत्र, माता-पुत्र, माता-पुत्री, या दो भाई एक हि नक्षत्रमे जन्म लेते हैं, तब उसकी माता के लिये अधिक कष्टदायक स्थिती होती हैं। उपचार हेतु महामृत्युंजय यंत्र फलप्रद होता हैं।
- जिस व्यक्ति का जन्म परिधि योगमे होता हैं उन्हे होने वाले मृत्यु तुल्य कष्ट एवं होने वाले रोग, चिंता में उपचार हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र शुभ फलप्रद होता हैं।

**नोट:-** पूर्ण प्राण प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त सर्व रोग निवारण कवच एवं यंत्र के बारे में अधिक जानकारी हेतु हम से संपर्क करें।


## Declaration Notice

- We do not accept liability for any out of date or incorrect information.
- We will not be liable for your any indirect consequential loss, loss of profit,
- If you will cancel your order for any article we can not any amount will be refunded or Exchange.
- We are keepers of secrets. We honour our clients' rights to privacy and will release no information about our any other clients' transactions with us.
- Our ability lies in having learned to read the subtle spiritual energy, Yantra, mantra and promptings of the natural and spiritual world.
- Our skill lies in communicating clearly and honestly with each client.
- Our all kawach, yantra and any other article are prepared on the Principle of Positiv energy, our Article dose not produce any bad energy.

## Our Goal

- Here Our goal has The classical Method-Legislation with Proved by specific with fiery chants prestigious full consciousness (Puarn Praan Pratisthit) Give miraculous powers & Good effect All types of Yantra, Kavach, Rudraksh, preciouse and semi preciouse Gems stone deliver on your door step.

# मंत्र सिद्ध कवच

मंत्र सिद्ध कवच को विशेष प्रयोजन में उपयोग के लिए और शीघ्र प्रभाव शाली बनाने के लिए तेजस्वी मंत्रो द्वारा शुभ महूर्त में शुभ दिन को तैयार किये जाते हैं. अलग-अलग कवच तैयार करने केलिए अलग-अलग तरह के मंत्रो का प्रयोग किया जाता हैं.

- क्यों चुने मंत्र सिद्ध कवच?
- उपयोग में आसान कोई प्रतिबन्ध नहीं
- कोई विशेष निति-नियम नहीं
- कोई बुरा प्रभाव नहीं
- कवच के बारे में अधिक जानकारी हेतु

## मंत्र सिद्ध कवच सूचि

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सर्व कार्य सिद्धि | 4600/- | ऋण मुक्ति | 910/- | विघ्न बाधा निवारण | 550/- |
| सर्व जन वशीकरण | 1450/- | धन प्राप्ति | 820/- | नज़र रक्षा | 550/- |
| अष्ट लक्ष्मी | 1250/- | तंत्र रक्षा | 730/- | दुर्भाग्य नाशक | 460/- |
| संतान प्राप्ति | 1250/- | शत्रु विजय | 730/- | * वशीकरण (२-३ व्यक्तिके लिए) | 1050/- |
| स्पे- व्यापर वृद्धि | 1050/- | विवाह बाधा निवारण | 730/- | * पत्नी वशीकरण | 640/- |
| कार्य सिद्धि | 1050/- | व्यापर वृद्धि | 730/- | * पति वशीकरण | 640/- |
| आकस्मिक धन प्राप्ति | 1050/- | सर्व रोग निवारण | 730/- | सरस्वती (कक्षा +10 के लिए) | 550/- |
| नवग्रह शांति | 910/- | मस्तिष्क पृष्टि वर्धक | 640/- | सरस्वती (कक्षा 10 तकके लिए) | 460/- |
| भूमि लाभ | 910/- | कामना पूर्ति | 640/- | * वशीकरण ( 1 व्यक्ति के लिए) | 640/- |
| काम देव | 910/- | विरोध नाशक | 640/- | रोजगार प्राप्ति | 550/- |
| पदों उन्नति | 910/- | रोजगार वृद्धि | 730/- | | |

*कवच मात्र शुभ कार्य या उद्देश्य के लिये


## GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com


(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

| YANTRA LIST | | EFFECTS |
|---|---|---|
| | **Our Splecial Yantra** | |
| 1 | 12 – YANTRA SET | For all Family Troubles |
| 2 | VYAPAR VRUDDHI YANTRA | For Business Development |
| 3 | BHOOMI LABHA YANTRA | For Farming Benefits |
| 4 | TANTRA RAKSHA YANTRA | For Protection Evil Sprite |
| 5 | AAKASMIK DHAN PRAPTI YANTRA | For Unexpected Wealth Benefits |
| 6 | PADOUNNATI YANTRA | For Getting Promotion |
| 7 | RATNE SHWARI YANTRA | For Benefits of Gems & Jewellery |
| 8 | BHUMI PRAPTI YANTRA | For Land Obtained |
| 9 | GRUH PRAPTI YANTRA | For Ready Made House |
| 10 | KAILASH DHAN RAKSHA YANTRA | - |
| | **Shastrokt Yantra** | |
| 11 | AADHYA SHAKTI AMBAJEE(DURGA) YANTRA | Blessing of Durga |
| 12 | BAGALA MUKHI YANTRA (PITTAL) | Win over Enemies |
| 13 | BAGALA MUKHI POOJAN YANTRA (PITTAL) | Blessing of Bagala Mukhi |
| 14 | BHAGYA VARDHAK YANTRA | For Good Luck |
| 15 | BHAY NASHAK YANTRA | For Fear Ending |
| 16 | CHAMUNDA BISHA YANTRA (Navgraha Yukta) | Blessing of Chamunda & Navgraha |
| 17 | CHHINNAMASTA POOJAN YANTRA | Blessing of Chhinnamasta |
| 18 | DARIDRA VINASHAK YANTRA | For Poverty Ending |
| 19 | DHANDA POOJAN YANTRA | For Good Wealth |
| 20 | DHANDA YAKSHANI YANTRA | For Good Wealth |
| 21 | GANESH YANTRA (Sampurna Beej Mantra) | Blessing of Lord Ganesh |
| 22 | GARBHA STAMBHAN YANTRA | For Pregnancy Protection |
| 23 | GAYATRI BISHA YANTRA | Blessing of Gayatri |
| 24 | HANUMAN YANTRA | Blessing of Lord Hanuman |
| 25 | JWAR NIVARAN YANTRA | For Fewer Ending |
| 26 | JYOTISH TANTRA GYAN VIGYAN PRAD SHIDDHA BISHA YANTRA | For Astrology & Spritual Knowlage |
| 27 | KALI YANTRA | Blessing of Kali |
| 28 | KALPVRUKSHA YANTRA | For Fullfill your all Ambition |
| 29 | KALSARP YANTRA (NAGPASH YANTRA) | Destroyed negative effect of Kalsarp Yoga |
| 30 | KANAK DHARA YANTRA | Blessing of Maha Lakshami |
| 31 | KARTVIRYAJUN POOJAN YANTRA | - |
| 32 | KARYA SHIDDHI YANTRA | For Successes in work |
| 33 | • SARVA KARYA SHIDDHI YANTRA | For Successes in all work |
| 34 | KRISHNA BISHA YANTRA | Blessing of Lord Krishna |
| 35 | KUBER YANTRA | Blessing of Kuber (Good wealth) |
| 36 | LAGNA BADHA NIVARAN YANTRA | For Obstaele Of marriage |
| 37 | LAKSHAMI GANESH YANTRA | Blessing of Lakshami & Ganesh |
| 38 | MAHA MRUTYUNJAY YANTRA | For Good Health |
| 39 | MAHA MRUTYUNJAY POOJAN YANTRA | Blessing of Shiva |
| 40 | MANGAL YANTRA ( TRIKON 21 BEEJ MANTRA) | For Fullfill your all Ambition |
| 41 | MANO VANCHHIT KANYA PRAPTI YANTRA | For Marriage with choice able Girl |
| 42 | NAVDURGA YANTRA | Blessing of Durga |

| | YANTRA LIST | EFFECTS |
|---|---|---|
| 43 | NAVGRAHA SHANTI YANTRA | For good effect of 9 Planets |
| 44 | NAVGRAHA YUKTA BISHA YANTRA | For good effect of 9 Planets |
| 45 | • SURYA YANTRA | Good effect of Sun |
| 46 | • CHANDRA YANTRA | Good effect of Moon |
| 47 | • MANGAL YANTRA | Good effect of Mars |
| 48 | • BUDHA YANTRA | Good effect of Mercury |
| 49 | • GURU YANTRA (BRUHASPATI YANTRA) | Good effect of Jyupiter |
| 50 | • SUKRA YANTRA | Good effect of Venus |
| 51 | • SHANI YANTRA (COPER & STEEL) | Good effect of Saturn |
| 52 | • RAHU YANTRA | Good effect of Rahu |
| 53 | • KETU YANTRA | Good effect of Ketu |
| 54 | PITRU DOSH NIVARAN YANTRA | For Ancestor Fault Ending |
| 55 | PRASAW KASHT NIVARAN YANTRA | For Pregnancy Pain Ending |
| 56 | RAJ RAJESHWARI VANCHA KALPLATA YANTRA | For Benefits of State & Central Gov |
| 57 | RAM YANTRA | Blessing of Ram |
| 58 | RIDDHI SHIDDHI DATA YANTRA | Blessing of Riddhi-Siddhi |
| 59 | ROG-KASHT DARIDRATA NASHAK YANTRA | For Disease- Pain- Poverty Ending |
| 60 | SANKAT MOCHAN YANTRA | For Trouble Ending |
| 61 | SANTAN GOPAL YANTRA | Blessing Lorg Krishana For child acquisition |
| 62 | SANTAN PRAPTI YANTRA | For child acquisition |
| 63 | SARASWATI YANTRA | Blessing of Sawaswati (For Study & Education) |
| 64 | SHIV YANTRA | Blessing of Shiv |
| 65 | SHREE YANTRA (SAMPURNA BEEJ MANTRA) | Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth & Peace |
| 66 | SHREE YANTRA SHREE SUKTA YANTRA | Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth |
| 67 | SWAPNA BHAY NIVARAN YANTRA | For Bad Dreams Ending |
| 68 | VAHAN DURGHATNA NASHAK YANTRA | For Vehicle Accident Ending |
| 69 | VAIBHAV LAKSHMI YANTRA (MAHA SHIDDHI DAYAK SHREE MAHALAKSHAMI YANTRA) | Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth & All Successes |
| 70 | VASTU YANTRA | For Bulding Defect Ending |
| 71 | VIDHYA YASH VIBHUTI RAJ SAMMAN PRAD BISHA YANTRA | For Education- Fame- state Award Winning |
| 72 | VISHNU BISHA YANTRA | Blessing of Lord Vishnu (Narayan) |
| 73 | VASI KARAN YANTRA | Attraction For office Purpose |
| 74 | • MOHINI VASI KARAN YANTRA | Attraction For Female |
| 75 | • PATI VASI KARAN YANTRA | Attraction For Husband |
| 76 | • PATNI VASI KARAN YANTRA | Attraction For Wife |
| 77 | • VIVAH VASHI KARAN YANTRA | Attraction For Marriage Purpose |

**Yantra Available @:-** Rs- 255, 370, 460, 550, 640, 730, 820, 910, 1250, 1850, 2300, 2800 and Above…..


## GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)

Call Us - 09338213418, 09238328785

Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/

Email Us:- chintan_n_joshi@yahoo.co.in, gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com


(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

# GURUTVA KARYALAY

| NAME OF GEM STONE | | GENERAL | MEDIUM FINE | FINE | SUPER FINE | SPECIAL |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Emerald | (पन्ना) | 200.00 | 500.00 | 1200.00 | 1900.00 | 2800.00 & above |
| Yellow Sapphire | (पुखराज) | 550.00 | 1200.00 | 1900.00 | 2800.00 | 4600.00 & above |
| Blue Sapphire | (नीलम) | 550.00 | 1200.00 | 1900.00 | 2800.00 | 4600.00 & above |
| White Sapphire | (सफ़ेद पुखराज) | 550.00 | 1200.00 | 1900.00 | 2800.00 | 4600.00 & above |
| **Bangkok Black Blue** | **(बैंकोक नीलम)** | 100.00 | 150.00 | 200.00 | 500.00 | 1000.00 & above |
| Ruby | (माणिक) | 100.00 | 190.00 | 370.00 | 730.00 | 1900.00 & above |
| Ruby Berma | (बर्मा माणिक) | 5500.00 | 6400.00 | 8200.00 | 10000.00 | 21000.00 & above |
| Speenal | (नरम माणिक/लालडी) | 300.00 | 600.00 | 1200.00 | 2100.00 | 3200.00 & above |
| Pearl | (मोति) | 30.00 | 60.00 | 90.00 | 120.00 | 280.00 & above |
| Red Coral (**4** रति तक) | (लाल मूंगा) | 75.00 | 90.00 | 12.00 | 180.00 | 280.00 & above |
| Red Coral (**4** रति से उपर) | (लाल मूंगा) | 120.00 | 150.00 | 190.00 | 280.00 | 550.00 & above |
| White Coral | (सफ़ेद मूंगा) | 20.00 | 28.00 | 42.00 | 51.00 | 90.00 & above |
| Cat's Eye | (लहसुनिया) | 25.00 | 45.00 | 90.00 | 120.00 | 190.00 & above |
| Cat's Eye Orissa | (उडिसा लहसुनिया) | 460.00 | 640.00 | 1050.00 | 2800.00 | 5500.00 & above |
| Gomed | (गोमेद) | 15.00 | 27.00 | 60.00 | 90.00 | 120.00 & above |
| Gomed CLN | (सिलोनी गोमेद) | 300.00 | 410.00 | 640.00 | 1800.00 | 2800.00 & above |
| Zarakan | (जरकन) | 350.00 | 450.00 | 550.00 | 640.00 | 910.00 & above |
| Aquamarine | (बेरुज) | 210.00 | 320.00 | 410.00 | 550.00 | 730.00 & above |
| Lolite | (नीली) | 50.00 | 120.00 | 230.00 | 390.00 | 500.00 & above |
| Turquoise | (फ़िरोजा) | 15.00 | 30.00 | 45.00 | 60.00 | 90.00 & above |
| Golden Topaz | (सुनहला) | 15.00 | 30.00 | 45.00 | 60.00 | 90.00 & above |
| Real Topaz | (उडिसा पुखराज/टोपज) | 60.00 | 120.00 | 280.00 | 460.00 | 640.00 & above |
| **Blue Topaz** | **(नीला टोपज)** | 60.00 | 90.00 | 120.00 | 280.00 | 460.00 & above |
| White Topaz | (सफ़ेद टोपज) | 60.00 | 90.00 | 120.00 | 240.00 | 410.00& above |
| Amethyst | (कटेला) | 20.00 | 30.00 | 45.00 | 60.00 | 120.00 & above |
| Opal | (उपल) | 30.00 | 45.00 | 90.00 | 120.00 | 190.00 & above |
| Garnet | (गारनेट) | 30.00 | 45.00 | 90.00 | 120.00 | 190.00 & above |
| Tourmaline | (तुर्मलीन) | 120.00 | 140.00 | 190.00 | 300.00 | 730.00 & above |
| Star Ruby | (सुर्यकान्त मणि) | 45.00 | 75.00 | 90.00 | 120.00 | 190.00 & above |
| Black Star | (काला स्टार) | 15.00 | 30.00 | 45.00 | 60.00 | 100.00 & above |
| Green Onyx | (ओनेक्स) | 09.00 | 12.00 | 15.00 | 19.00 | 25.00 & above |
| Real Onyx | (ओनेक्स) | 60.00 | 90.00 | 120.00 | 190.00 | 280.00 & above |
| Lapis | (लाजर्वत) | 15.00 | 25.00 | 30.00 | 45.00 | 55.00 & above |
| Moon Stone | (चन्द्रकान्त मणि) | 12.00 | 21.00 | 30.00 | 45.00 | 100.00 & above |
| Rock Crystal | (स्फ़टिक) | 09.00 | 12.00 | 15.00 | 30.00 | 45.00 & above |
| Kidney Stone | (दाना फ़िरंगी) | 09.00 | 11.00 | 15.00 | 19.00 | 21.00 & above |
| Tiger Eye | (टाइगर स्टोन) | 03.00 | 05.00 | 10.00 | 15.00 | 21.00 & above |
| Jade | (मरगच) | 12.00 | 19.00 | 23.00 | 27.00 | 45.00 & above |
| Sun Stone | (सन सितारा) | 12.00 | 19.00 | 23.00 | 27.00 | 45.00 & above |
| Diamond (.05 to .20 Cent ) | (हीरा) | 50.00 (Per Cent ) | 100.00 (Per Cent ) | 200.00 (PerCent ) | 370.00 (Per Cent) | 460.00 & above (Per Cent ) |

**Note :** **Bangkok** (Black) Blue for Shani, not good in looking but mor effective, **Blue Topaz** not Sapphire This Color of Sky Blue, For Venus

# BOOK PHONE/ CHAT CONSULTATION

We are mostly engaged in spreading the ancient knowledge of Astrology, Numerology, Vastu and Spiritual Science in the modern context, across the world.

Our research and experiments on the basic principals of various ancient sciences for the use of common man. exhaustive guide lines exhibited in the original Sanskrit texts

## BOOK APPOINTMENT PHONE/ CHAT CONSULTATION

Please book an appointment with Our expert Astrologers for an internet chart . We would require your birth details and basic area of questions so that our expert can be ready and give you rapid replied. You can indicate the area of question in the special comments box. In case you want more than one person reading, then please mention in the special comment box . We shall confirm before we set the appointment. Please choose from :

| PHONE/ CHAT CONSULTATION | |
|---|---|
| Consultation 30 Min.: | RS. 1250/-* |
| Consultation 45 Min.: | RS. 1900/-* |
| Consultation 60 Min.: | RS. 2500/-* |

*While booking the appointment in Addvance

## How Does it work Phone/Chat Consultation

This is a unique service of **GURUATVA KARYALAY** where we offer you the option of having a personalized discussion with our expert astrologers. There is no limit on the number of question although time is of consideration.

Once you request for the consultation, with a suggestion as to your convenient time we get back with a confirmation whether the time is available for consultation or not.

- We send you a Phone Number at the designated time of the appointment
- We send you a Chat URL / ID to visit at the designated time of the appointment
- You would need to refer your Booking number before the chat is initiated
- Please remember it takes about 1-2 minutes before the chat process is initiated.
- Once the chat is initiated you can commence asking your questions and clarifications
- We recommend 25 minutes when you need to consult for one persona Only and usually the time is sufficient for 3-5 questions depending on the timing questions that are put.
- For more than these questions or one birth charts we would recommend 60/45 minutes Phone/chat is recommended
- Our expert is assisted by our technician and so chatting & typing is not a bottle neck

In special cases we don't have the time available about your Specific Questions We will taken some time for properly Analysis your birth chart and we get back with an alternate or ask you for an alternate.

All the time mentioned is Indian Standard Time which is + 5.30 hr ahead of G.M.T.

Many clients prefer the chat so that many questions that come up during a personal discussion can be answered right away.

BOOKING FOR PHONE/ CHAT CONSULTATION PLEASE CONTECT


GURUTVA KARYALAY

Call Us:- 91+9338213418, 91+9238328785.

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com, chintan_n_joshi@yahoo.co.in,

# सूचना

- पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख पत्रिका के अधिकारों के साथ ही आरक्षित हैं।
- लेख प्रकाशित होना का मतलब यह कतई नहीं कि कार्यालय या संपादक भी इन विचारो से सहमत हों।
- नास्तिक/ अविश्वासु व्यक्ति मात्र पठन सामग्री समझ सकते हैं।
- पत्रिका में प्रकाशित किसी भी नाम, स्थान या घटना का उल्लेख यहां किसी भी व्यक्ति विशेष या किसी भी स्थान या घटना से कोई संबंध नहीं हैं।
- प्रकाशित लेख ज्योतिष, अंक ज्योतिष, वास्तु, मंत्र, यंत्र, तंत्र, आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित होने के कारण यदि किसी के लेख, किसी भी नाम, स्थान या घटना का किसी के वास्तविक जीवन से मेल होता हैं तो यह मात्र एक संयोग हैं।
- प्रकाशित सभी लेख भारतिय आध्यात्मिक शास्त्रों से प्रेरित होकर लिये जाते हैं। इस कारण इन विषयो कि सत्यता अथवा प्रामाणिकता पर किसी भी प्रकार कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं।
- अन्य लेखको द्वारा प्रदान किये गये लेख/प्रयोग कि प्रामाणिकता एवं प्रभाव कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं। और नाहीं लेखक के पते ठिकाने के बारे में जानकारी देने हेतु कार्यालय या संपादक किसी भी प्रकार से बाध्य हैं।
- ज्योतिष, अंक ज्योतिष, वास्तु, मंत्र, यंत्र, तंत्र, आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित लेखो में पाठक का अपना विश्वास होना आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति विशेष को किसी भी प्रकार से इन विषयो में विश्वास करने ना करने का अंतिम निर्णय स्वयं का होगा।
- पाठक द्वारा किसी भी प्रकार कि आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये सभी लेख हमारे वर्षो के अनुभव एवं अनुशंधान के आधार पर लिखे होते हैं। हम किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा प्रयोग किये जाने वाले मंत्र- यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोकी जिन्मेदारी नहिं लेते हैं।
- यह जिन्मेदारी मंत्र-यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोको करने वाले व्यक्ति कि स्वयं कि होगी। क्योकि इन विषयो में नैतिक मानदंडों , सामाजिक , कानूनी नियमों के खिलाफ कोई व्यक्ति यदि नीजी स्वार्थ पूर्ति हेतु प्रयोग कर्ता हैं अथवा प्रयोग के करने मे त्रुटि होने पर प्रतिकूल परिणाम संभव हैं।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये सभी मंत्र-यंत्र या उपाय हमने सैकडोबार स्वयं पर एवं अन्य हमारे बंधुगण पर प्रयोग किये हैं जिस्से हमे हर प्रयोग या मंत्र-यंत्र या उपायो द्वारा निश्चित सफलता प्राप्त हुई हैं।
- पाठकों कि मांग पर एक हि लेखका पूनः प्रकाशन करने का अधिकार रखता हैं। पाठकों को एक लेख के पूनः प्रकाशन से लाभ प्राप्त हो सकता हैं।
- अधिक जानकारी हेतु आप कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

**(सभी विवादो केलिये केवल भुवनेश्वर न्यायालय ही मान्य होगा।)**

# FREE
# E CIRCULAR

## गुरुत्व ज्योतिष पत्रिका जुलाई -2012


संपादक

## चिंतन जोशी

संपर्क

गुरुत्व ज्योतिष विभाग

## गुरुत्व कार्यालय

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA) INDIA

फोन

91+9338213418, 91+9238328785

ईमेल

gurutva.karyalay@gmail.com,
gurutva_karyalay@yahoo.in,

वेब

http://gk.yolasite.com/
http://www.gurutvakaryalay.blogspot.com/

# हमारा उद्देश्य

प्रिय आत्मिय

बंधु/ बहिन

जय गुरुदेव

जहाँ आधुनिक विज्ञान समाप्त हो जाता हैं। वहां आध्यात्मिक ज्ञान प्रारंभ हो जाता हैं, भौतिकता का आवरण ओढे व्यक्ति जीवन में हताशा और निराशा में बंध जाता हैं, और उसे अपने जीवन में गतिशील होने के लिए मार्ग प्राप्त नहीं हो पाता क्योकि भावनाए हि भवसागर हैं, जिसमे मनुष्य की सफलता और असफलता निहित हैं। उसे पाने और समजने का सार्थक प्रयास ही श्रेष्ठकर सफलता हैं। सफलता को प्राप्त करना आप का भाग्य ही नहीं अधिकार हैं। ईसी लिये हमारी शुभ कामना सदैव आप के साथ हैं। आप अपने कार्य-उद्देश्य एवं अनुकूलता हेतु यंत्र, ग्रह रत्न एवं उपरत्न और दुर्लभ मंत्र शक्ति से पूर्ण प्राण-प्रतिष्ठित चिज वस्तु का हमेंशा प्रयोग करे जो १००% फलदायक हो। ईसी लिये हमारा उद्देश्य यहीं हे की शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त सभी प्रकार के यन्त्र- कवच एवं शुभ फलदायी ग्रह रत्न एवं उपरत्न आपके घर तक पहोचाने का हैं।

**सूर्य की किरणे उस घर में प्रवेश करापाती हैं।**
**जीस घर के खिड़की दरवाजे खुले हों।**


## GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ORISSA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Our Website:- http://gk.yolasite.com/ and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com


(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

GURUTVA KARYALAY * BHUBANESWAR *

GK

# JULY 2012